फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 21 मार्च 2024
वर्ष -2, अंक -210, पृष्ठ - 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य - 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मोतियों की माला में घिरा नजर आया सुपरनोवा 14

कार्तिक आर्यन के साथ दिख सकतीं हैं माधुरी दीक्षित 2

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों पर नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

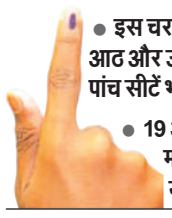

- इस चरण में उप्र की आठ और उत्तराखंड की पांच सीटें भी शामिल
- 19 अप्रैल को होगा मतदान, चार जून को परिणाम

देश में 18वीं लोकसभा के सात चरणों में कराए जाने वाले चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया बुधवार को प्रारम्भ हो गई। चुनाव आयोग ने आम चुनाव के पहले चरण में 17 राज्यों और चार केन्द्र शासित प्रदेशों की कुल मिलाकर लोकसभा की 102 सीटों के लिए बुधवार सुबह अधिसूचना जारी कर दी।

इसके साथ ही, इन सीटों के लिए प्रत्याशियों द्वारा नामांकन दाखिल करने का कार्य शुरू हो गया। पहले चरण के मतदान 19 अप्रैल को कराए जाएंगे। पहले चरण में तमिलनाडु की 33, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की आठ, मध्य प्रदेश की छह, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की पांच-पांच, बिहार की चार, पश्चिम बंगाल की तीन, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और मेघालय की दो-दो सीटें और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अनादमन और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की एक-एक सीट शामिल हैं। इस चरण में बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों में नामांकन 27 मार्च तक भरे जा सकेंगे और नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च को की जाएगी और नाम 30 मार्च तक वापस लिए जा सकेंगे। बिहार में नामांकन भरने की अंतिम तिथि 28 मार्च है और नामांकन पत्रों की जांच दो अप्रैल को की जाएगी। लोकसभा की कुल 543 सीटों के लिए आम चुनाव 19 अप्रैल से एक जून तक सात चरणों में हो रहे हैं। मतगणना चार जून को होगी और चुनाव प्रक्रिया छह जून तक पूरी कर ली जाएगी।

रद की गई बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा

पटना, एजेंसी। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद 15 मार्च को दोनों पालियों हुई शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) को बुधवार को रद कर दिया है। परीक्षा की नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी। बीपीएससी के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई ने बताया कि परीक्षा का तीसरा चरण रर कर दिया गया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार टीआरई-तृतीय को रद करने का निर्णय बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा पेश की गई रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद लिया गया। ईओयू ने प्रश्न पत्र लीक के आरोपों की जांच की थी।

केजरीवाल के वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट से मांगी सुरक्षा

गिरफ्तार न करें तो ईडी के समक्ष पेशी को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

- केजरीवाल की याचिका पर कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति घोटाले के मामले में समन को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर बुधवार को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने ईडी को दो सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने मुख्यमंत्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि ईडी के समक्ष पेश क्यों नहीं होते। तो सिंघवी ने आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया और संजय सिंह की ईडी की ओर से की गई गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए जवाब दिया कि उन्हें (मुख्यमंत्री केजरीवाल को) को आशंका है कि ईडी उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। उन्होंने कोर्ट से कहा कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो वह पेश होने के लिए तैयार हैं।

ईडी का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने सिंघवी की केजरीवाल को राहत देने की दलीलों का विरोध किया।

बिना सुनवाई आरोपियों को हिरासत में नहीं रख सकते

नई दिल्ली। आरोपी के स्वत: जमानत पाने के अधिकार को खत्म करने के लिए धन शोधन मामलों में पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रयासों की निंदा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि किसी आरोपी को बिना मुकदमे के हिरासत में रखना कैद के समान है जो स्वतंत्रता में बाधक है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कथित सहयोगी प्रेम प्रकाश की स्वत: (डिफॉल्ट) जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि हम आपको (ईडी को) नोटिस दे रहे हैं। (कानून के तहत) मामले की जांच पूरी हुए बिना आप किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते।

एक नजर

पारस का इस्तीफा स्वीकार रिजिजु को मिला प्रभार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पशुपति कुमार पारस का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और किरण रिजिजु को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभालने को कहा है। राष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 75 की धारा दो के तहत पारस का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति ने रिजीजु को अपने मंत्रालय के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का कार्यभार संभालने का भी निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि पारस ने बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर नाराजगी व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

आठ लाख रुपये के इनामी नक्सली ने किया समर्पण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की तेलंगाना सीमा पर सक्रिय रहे आठ लाख रुपए के इनामी नक्सली ने आज पुलिस के समक्ष समर्पण कर दिया। आरोपी नक्सली रोशन सोड़ी ने सुकमा पुलिस के समक्ष समर्पण किया। वह बगैर हथियार के पुलिस के समक्ष पहुंचा। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय रहा यह नक्सली अनेक मुठभेड़ों में शामिल रहा। उस पर अनेक जघन्य घटनाएं करने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने नक्सली का शॉल और श्रीफल भेंटकर स्वागत किया।

एमपीपीसीएस-प्री परीक्षा चुनावों के कारण टली

इंदौर। लोकसभा चुनावों के कारण मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 और राज्य वन सेवा परीक्षा 2024 आगे बढ़ा दी है। अब ये परीक्षाएं 28 अप्रैल की जगह 23 जून को आयोजित की जाएंगी। एमपीपीएससी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि लोकसभा चुनावों के चलते दोनों भर्ती परीक्षाओं का कार्यक्रम बदला गया है और इन परीक्षाओं के प्रवेशपत्र एमपीपीएससी की वेबसाइट से 12 जून से प्राप्त किए जा सकेंगे। सूबे की 29 सीट पर 19 अप्रैल से 13 मई के बीच चार चरणों में लोकसभा चुनाव होना है। मतों की गिनती चार जून को होगी।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में न्यायिक सदस्य आवश्यक नहीं

केंद्र सरकार ने चयन समिति में सीजेआई को न रखने पर किया बचाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- न्यायिक सदस्य की उपस्थिति पारदर्शिता का मापदंड नहीं : केंद्र

केंद्र सरकार ने 2023 के कानून के तहत दो नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति का बचाव करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता चयन समिति में न्यायिक सदस्य की उपस्थिति से उत्पन्न नहीं होती है। इस कानून के तहत चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखा गया है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में याचिकाकर्ता के दावे को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत में सुनवाई से एक दिन पहले दो निर्वाचन आयुक्तों को 14 मार्च को जल्दबाजी में नियुक्त किया गया। न्यायालय में इस कानून को चुनौती दी गई जिसपर सुनवाई होने वाली थी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता जया ठाकुर और 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' सहित कई अन्य द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में यह हलफनामा दाखिल किया गया है। हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का मामला एक भ्रांति पर आधारित है कि किसी भी प्राधिकार में स्वतंत्रता केवल तभी बरकरार रखी जा सकती है जब चयन समिति एक विशेष संरचना की हो। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि निर्वाचन आयोग या किसी अन्य संस्था या प्राधिकार की स्वतंत्रता चयन समिति में न्यायिक सदस्य की उपस्थिति से उत्पन्न नहीं होती है।

सूची विपक्ष के साथ साझा न करने का भी खंडन

केंद्र ने याचिकाकर्ताओं के इस दावे का खंडन किया कि नियुक्त किए जाने वालों की कोई सूची विपक्ष के साथ साझा नहीं की गई थी। केंद्र ने कहा कि खोज समिति द्वारा छह नाम की सिफारिश के बाद अंतिम सूची में नामित व्यक्तियों के नाम 13 मार्च, 2024 को लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को उपलब्ध कराए गए थे। इसलिए, यह कहना पूरी तरह से गलत, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है कि चयन समिति के तीसरे सदस्य को दो सदस्यों के विचार के तहत शॉर्टलिस्ट किए गए नाम दिए गए थे। सभी सदस्यों को एक साथ सूची प्राप्त हुई थी।

सीईसी को मिला है संविधान में संरक्षण, निष्पक्ष रूप से कार्य करने में सक्षम

हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का यह कहना कि न्यायिक सदस्यों के बिना चयन समितियां हमेशा पक्षपातपूर्ण होंगी, पूरी तरह से गलत है। कहा गया कि नियुक्ति की शक्ति कार्यपालिका के पास होने के बावजूद निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) तटस्थ और प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम रहे हैं। उच्च संवैधानिक पद के नाते मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संविधान में अंतर्निहित संरक्षण प्राप्त है, जो उन्हें निष्पक्ष रूप से कार्य करने में सक्षम बनाता है। अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद निर्वाचन आयोग में दो रिक्तियां हुई थीं। उनके स्थान पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को नियुक्त किया गया।

शिव खेलैं मसाने में होरी...

रंगभरी एकादशी पर वाराणसी में बुधवार को लोगों ने जमकर होली खेली और नगर में शिव-पार्वती की शोभायात्रा निकाली।

दीपक कुमार ने संभाला कार्यभार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बैठकें कर आचार संहिता के अनुपालन को लेकर दिए निर्देश

अमृत विचार : राज्य के नवनियुक्त अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार ने मंगलवार देर रात गृह विभाग पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। 1990 बैच के आईएएस अधिकारी दीपक कुमार बुधवार को भी लगभग पूरा दिन लोकभवन स्थित गृह विभाग के अपने कक्ष में बैठे रहे और अलग-अलग विषयों को लेकर मीटिंग करते रहे। इस दौरान उन्होंने तमाम सरकारी कामकाज निपटाए। राज्य की सुरक्षा व्यवस्था, चुनाव की तैयारियों और आचार संहिता की गाइडलाइन पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश भी दिए।

दीपक कुमार 17 मई 2010 से 14 जून 2012 तक गृह विभाग में सचिव पद पर तैनात रह चुके हैं। अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार पर लोकसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने की बड़ी जिम्मेदारी है। दीपक कुमार को ऐन चुनाव के समय गृह विभाग की जिम्मेदारी देने के पीछे उनकी बेदाग छवि मानी जा रही है। 2003 में अयोध्या के जिलाधिकारी रह चुके दीपक कुमार कई बड़े पदों पर रहे व जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है। दीपक कुमार अपर मुख्य सचिव वित्त और माध्यमिक शिक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

रामलला के दर्शन कर धन्य हो गई : प्रियंका

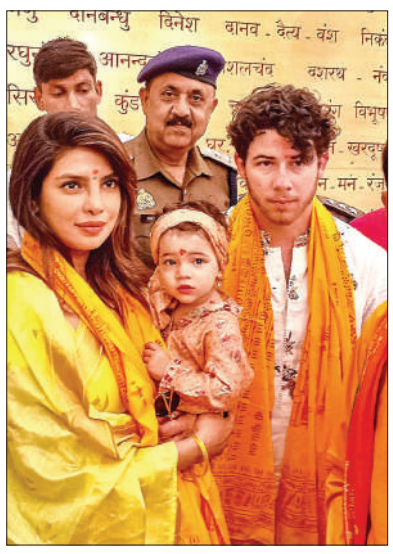

अयोध्या। रामलला के दर्शन पाकर मैं धन्य हो गई हूं। ये बात बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने बुधवार को रामलला के दर्शन के बाद कही। वो पति निक जोनस और बेटी के साथ दर्शन करने आई थीं। राम मंदिर के पुजारी प्रदीप ने प्रियंका व जोनस को तिलक लगाया और ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने रामनामी ओढ़ाकर स्वागत किया। प्रियंका चोपड़ा परिवार के साथ अयोध्या पहुंचीं। भारी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से प्रियंका चोपड़ा को रामलला के दरबार में पहुंचाया गया।

बड़े ने की बचने की कोशिश, विरोध भी नहीं कर पाया छोटा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- छुरे के वार से अचेत होकर गिर पड़ा आयुष तो कर दी उसकी हत्या
- छोटे भाई की कलाई पर चलाया छुरा, फिर आरोपी ने रेता गला

आयुष आहान

अमृत विचार : दो भाइयों की निर्मम हत्या के दूसरे दिन भी शहर में तनाव का माहौल रहा। स्थिति पर नियंत्रण के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पूरे दिन मुस्तैद रहे। बुधवार को दोनों भाइयों के शवों का पोस्टमार्टम हुआ तो हत्यारोपियों की निर्दयता सामने आई। इस दौरान पता चला कि बड़े भाई ने हत्यारोपी के हमले से बचने की कोशिश की थी लेकिन छोटा भाई तो विरोध भी नहीं कर पाया था। बड़े भाई के शरीर पर चोट के 14 निशान मिले हैं जबकि छोटे भाई के हाथ पर चोट का निशान था। दोनों के छुरे से कई बार गले रेते गए थे। वहीं हत्यारोपी के मुठभेड़ में मारे जाने के मामले में डीएम ने मजिस्ट्रेट से जांच कराने के आदेश दिए हैं।

मंगलवार की शाम हुई घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। बाबा कॉलोनी नई बस्ती निवासी ठेकेदार विनोद कुमार के बेटे आयुष (13) और आहान उर्फ हन्नू (6) की छुरे और उस्तरा से गला काटकर हत्या कर दी गई। आक्रोशित भीड़ ने बवाल किया। जिला अस्पताल के दो चिकित्सक त्वचा रोग विशेष डॉ. श्रीपाल और फिजीशियन डॉ. जीके गुप्ता के पैनल ने बुधवार सुबह 9 बजे शवों का पोस्टमार्टम किया। आयुष के शरीर पर गर्दन के अलावा कंधे, पीठ, हाथ, सिर आदि पर चोट के 14 निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर साफ हो रहा है कि हत्यारोपियों ने उसे छुरे से मारने की कोशिश की होगी तो आयुष ने अपना बचाव किया होगा। हत्यारोपी छुरे और उस्तरा से वार करता रहा। आयुष के अचेत होने पर गला रेत दिया लेकिन 6 साल का आहान उर्फ हन्नू हत्यारोपी का विरोध तक नहीं कर सका। उसकी कलाई पर चोट का निशान था। हत्यारोपी ने दोनों की गर्दन जघन्य तरीके से रेती थीं। गर्दन पर छुरा रखकर फेरता रहा। दोनों की गर्दन आधी अलग हो गई थीं। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने दोनों के शव कछला ले जाकर दफन कर दिए। जिसके बाद मुठभेड़ में ढेर हुए हत्यारोपी साजिद के शव का पोस्टमार्टम हुआ। इस दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई। पुलिस की तीन गोलियां लगने से उसकी मौत हुई थी। दो गोली उसके सीने और एक गोली पेट के बगल में लगी थी। पुलिस ने मृतक बच्चों के पिता की तहरीर पर कस्बा सखानू निवासी दो सगे भाई साजिद व जावेद उर्फ बाबू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। साजिद को मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने मार गिराया वहीं दूसरे आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है। एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि फरार आरोपी की धरपकड़ के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं।

सिटी मजिस्ट्रेट करेंगे पुलिस मुठभेड़ की जांच

पुलिस मुठभेड़ के दौरान आत्मरक्षा में चलाई गई गोली से हत्यारोपी साजिद की मौत होने की बात कह रही है। इसे लेकर सवाल उठने लगे हैं। डीएम मनोज कुमार ने मुठभेड़ की मजिस्ट्रेट जांच कराने के आदेश दिए हैं। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी सिटी मजिस्ट्रेट अरुण कुमार को सौंपते हुए 15 दिन के अंदर रिपोर्ट देने को कहा है।

बदलाव की तैयारी

प्रसार भारती का होगा कायाकल्प, नकारा पेशेवरों की होगी छंटनी

3 माह बाद मन की बात का 111वां एपिसोड होगा कुछ अलग

ज्ञानेंद्र सिंह, नई दिल्ली

- चार वर्ष से रिक्त अध्यक्ष पद पर नवनीत सहगल की हुई ताजपोशी

अमृत विचार : नरेंद्र मोदी यदि तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो उनके 'मन की बात' के 111वें एपिसोड की लोकप्रियता कुछ अलग नजर आएगी। इसके प्रसारण की नोडल एजेंसी 'प्रसार भारती' का तब तक काफी कुछ कायाकल्प हो चुका होगा। अपनी विशिष्ट कार्यशैली से नौकरशाही में खास पहचान बनाने वाले उत्तर प्रदेश कैडर के पूर्व नौकरशाह नवनीत सहगल को प्रसार भारती का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उक्त आशय की संभावनाएं प्रबल हुई हैं।

खबरों की दुनिया में भारत के सरकारी जन संचार तंत्र को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र करने के लिए 1997 में प्रसार भारती की स्थापना हुई थी और रेडियो, दूरदर्शन सहित कई सूचना माध्यमों को इसमें जोड़कर आजाद कर दिया गया था। लेकिन प्रसार भारती दिन पर दिन निजी जन संचार माध्यमों के मुकाबले पिटता चला गया। यही वजह है कि देश के कोने-कोने तक सबसे बड़ा नेटवर्क होने के बावजूद आम जनता तक पहुंच में अभी भी काफी पीछे है।

प्रसार भारती को पेशेवर मजबूती देने के लिए सरकार ने हाई प्रोफाइल कहे जाने वाले चार पत्रकारों को इसका अध्यक्ष बनाया लेकिन नतीजा शून्य रहा। करंट अफेयर्स के पूर्व संपादक निखिल चक्रवर्ती पहले अध्यक्ष बने थे। उनके बाद 3 वर्ष तक यह पद खाली रहा और सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डा.यूएस राव को इसका अध्यक्ष बनाया। प्रसार भारती की कार्य संस्कृति देखकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। तीसरे अध्यक्ष के रूप में अमेरिका में तैनात टाइम्स आफ इंडिया के पत्रकार एमवी कामथ को नियुक्त किया गया। मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी अरुण भटनागर को चौथा अध्यक्ष बनाया, वह भी एक वर्ष बाद ही हट गए।

उनके बाद एक हिंदी अखबार की संपादक मृणाल पांडे 2011 तक इस पद पर रहीं। पायनियर के सलाहकार संपादक के सूर्य प्रकाश 2020 तक इस पद पर रहे। तब से 4 वर्षों तक अध्यक्ष पद रिक्त था। उपराष्ट्रपति की अध्यक्षता में गठित समिति ने पिछले दिनों सहगल के नाम की सिफारिश की थी, इस समिति में सूचना एवं प्रसारण सचिव व भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष भी एक सदस्य हैं। राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति कर दी है और मंगलवार को पहली बार उन्होंने प्रसार भारती मुख्यालय में प्रवेश किया। एक मुलाकात के दौरान सहगल ने काफी सुधार के संकेत दिए हैं, कहा कि पहले अध्ययन करेंगे और फिर फैसले होंगे।

सहगल की नियुक्ति के बाद प्रसार भारती के सभी विभागों में हलचल है। कामकाजी लोग तो प्रसन्न हैं लेकिन तथाकथित पेशेवर कर्मयोगियों की बेचैनी बढ़ गई है यह भी संकेत मिले हैं कि ऐसे लोगों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी और उनसे प्रसार भारती जल्द ही किनारा करेगा।

पप्पू यादव की पार्टी का कांग्रेस में विलय

नई दिल्ली, एजेंसी

- बेटे सार्थक यादव और समर्थकों के साथ ली कांग्रेस की सदस्यता

पांच बार लोकसभा के सदस्य रहे बिहार के प्रमुख नेता पप्पू यादव की जन आधार पार्टी का बुधवार को कांग्रेस में विलय हो गया। कांग्रेस की बिहार की प्रभारी महासचिव मोहन प्रकाश, पार्टी के संचार विभाग विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस के नेता शकील अहमद ने बुधवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में यादव और उनके पुत्र सार्थक यादव को अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। यादव के साथ ही उनके कई समर्थक कांग्रेस में शामिल हो गए। मोहन प्रकाश ने कहा कि पप्पू यादव के आने से कांग्रेस मजबूत होगी और इंडिया गठबंधन को भी बिहार में मजबूती मिलेगी।

पप्पू यादव ने कहा कि जनाधार पार्टी सेवा संघर्ष और न्याय पर विश्वास करती है। वह पांच बार सांसद और एक बार विधायक रहे लेकिन उनकी विचारधारा कांग्रेस की रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक मजबूत नेता बताते हुए कहा कि वह मोदी सरकार के खिलाफ सबसे सशक्त आवाज हैं। उन्होंने राहुल गांधी को सबसे सशक्त नेता बताया।

बसपा सांसद दानिश अली कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लोकसभा सदस्य दानिश अली समर्थकों के साथ बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे तथा पार्टी संचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में उन्हें अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस में शामिल कराया। उन्होंने कहा कि अमरोहा के सांसद दानिश अली के कांग्रेस में शामिल होने से देश में न्याय की लड़ाई को बल मिलेगा। अली ने कहा कि आज जो देश की परिस्थितियां हैं, वह किसी से छिपी नहीं है।

सूर्यकुमार आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार

अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे

राहुल के आईपीएल में अच्छे खेल से टी20 विश्व कप टीम में जगह होगी पक्की

नयी दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि अगर केएल राहुल टीम को पहला आईपीएल खिताब दिला पाते हैं तो टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में उनकी जगह तय होनी चाहिये। जांघ की मांसपेशियों की चोट से उबरकर वापसी कर रहे राहुल शायद आईपीएल में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। उनका भारत की टी20 टीम में चयन तय नहीं है लिहाजा उन्हें आईपीएल में बल्लेबाजी में और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यह पूछने पर कि कप्तानी की निजी आकांक्षाओं और टीम के हितों में संतुलन कैसे बनायेंगे, लैंगर ने कहा कि यह मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को ईनाम मिलता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है।'' राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी चयन की दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा, ''केएल या बिश्नोई के लिये साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिये अच्छा खेलने पर फोकस करें, टी20 विश्व कप टीम में जगह पाने के मौके बढ़ेंगे।'' लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे टक्कर देखने को मिल सकती है, लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान के प्रशंसक हैं।

दुबई, एजेंसी

पिछले तीन महीने से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे हैं। आईपीएल के आगामी सत्र में मुंबई इंडियंस के लिये वापसी करने जा रहे सूर्यकुमार के 861 अंक है जबकि दूसरे स्थान पर 802 अंक लेकर फिल साल्ट हैं। सूर्यकुमार ने दिसंबर में खेल हर्निया की सर्जरी के बाद से क्रिकेट नहीं खेला है।

वहीं आयरलैंड के खिलाफ 2-1 से मिली जीत में अहम भूमिका निभाने वाले राशिद खान ने शीर्ष दस में वापसी की है । वह चार पायदान की छलांग लगाकर नौवें से चौथे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने श्रृंखला में तीन मैचों में आठ विकेट लिये। अफगानिस्तान के नवीन उल हक दो पायदान चढकर 55वें स्थान पर है। आयरलैंड के जोश लिटिल सात पायदान चढकर 39वें, मार्क एडेयर दो पायदान चढकर 56वें और बैरी मैकार्थी 15 पायदान चढकर 77वें स्थान पर हैं। टी20 हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन शीर्ष पर बने हुए हैं।

भारतीय हॉकी टीमें एफआईएच हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

लुसाने। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा पहली बार जारी हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। भारतीय पुरुष टीम ओमान और मलेशिया के साथ दूसरे स्थान पर है। तीनों टीमों के 1400 अंक है। भारत ने एशियाई चैम्पियनशिप जीती और मस्कट में जनवरी में हुए विश्व कप में पांचवें स्थान पर रहा था। वहीं ओमान ने कांस्य पदक जीता था। नीदरलैंड 1750 अंक के साथ शीर्ष पर है जिसने पहला हॉकी5 विश्व कप और यूरोपीय चैम्पियनशिप जीती थी। पोलैंड और मिस्र संयुक्त पांचवें स्थान पर है। त्रिनिदाद और टोबैगो और कीनिया संयुक्त सातवें स्थान पर है जबकि पाकिस्तान नौवे स्थान पर है। महिला रैंकिंग में नीदरलैंड शीर्ष पर है जिसने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ ही यूरोपीय चैम्पियनशिप भी अपने नाम की थी। रजत पदक विजेता भारत दूसरे स्थान पर है जबकि पोलैंड तीसरे स्थान पर है। उरुग्वे और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त चौथे स्थान पर है ।

नया कलेवर

बुधवार को चेन्नई में आईपीएल टीम की नई जर्सी के लांच के दौरान साथी खिलाड़ियों फाफ डू प्लेसिस, मोहम्मद सिराज, ग्लेन मैक्सवेल के साथ विराट कोहली। ● एजेंसी

डेविड विली शुरुआत में नहीं खेलेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) टीम का हिस्सा रहे इंग्लैंड के बायें हाथ के तेज गेंदबाज डेविड विली निजी कारणों से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे। एलएसजी के नए प्रमुख कोच जस्टिन लैंगर ने बुधवार को बताया कि विली सीजन की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि वह दो पिछले दो महीनों से लगातार अबु धाबी नाइटराइडर्स और मुल्तान सुल्तांस के लिए खेले थे। विली को एलएसजी ने जहां दिसंबर में हुई नीलामी में उन्हें दो करोड़ में खरीदा गया था। इससे पहले टी-20 विश्व कप को देखते हुए कार्य प्रबंधन की वजह से इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मार्क वुड को खेलने से मना कर दिया था। वुड की जगह पर वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ को टीम में शामिल किया था।न विली की जगह अभी किसी को नहीं चुना है। लैंगर ने कहा, "मार्क वुड ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है और डेविड विली भी नहीं आ रहे हैं, जिससे अनुभव थोड़ा कम होगा। लेकिन पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है कि हमारे पास भरपूर कौशल है। हमारे कुछ खिलाड़ियों को चोट लगी थी लेकिन अभी वे सभी फिट दिखाई दे रहे हैं।" उन्होंने कहा, "हमारे पास शमार जोसेफ और मयंक है जो अच्छी गति से गेंदबाजी कर सकता है। उम्मीद है हम वुड के अनुभव तो नहीं लेकिन गति के साथ रिप्लेस कर लेंगे।" एलएसजी जयपुर में होने वाले अपने पहले मैच रविवार को राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी।

खेल डायरी

जारा को क्वीन सिरिकिट कप में संयुक्त बढ़त

क्राइस्टचर्च। भारतीय गोल्फर जारा आनंद ने कड़ाके की सर्दी के बीच यहां खेले जा रहे 44वें क्वीन सिरिकिट कप के पहले दौर में एक ओवर 73 का स्कोर करके संयुक्त बढत बना ली। पंद्रह वर्ष की जारा को 2023 विजेता अवनि प्रशांत के नाम वापिस लेने के बाद भारतीय गोल्फ यूनियन ने टूर्नामेंट में जगह दी। वह चीनी ताइपै की चुन वेइ वू और जापान की ऐना फुजिमोतो के साथ शीर्ष पर है। भारत की विधात्री उर्स संयुक्त 20वें और हीना कांग संयुक्त 32वें स्थान पर है। टीम वर्ग में भारत छठे स्थान पर है जबकि चीनी ताइपै शीर्ष पर है।

त्रिसा-गायत्री की जोड़ी स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल (स्विटजरलैंड)। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका के एनी शू और कैरी शू को सीधे गेम में हराकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई। पिछले सप्ताह आल इंग्लैंड ओपन से पहले दौर में बाहर हुई भारतीय जोड़ी ने 39 मिनट में 21-15, 21-12 से जीत दर्ज की। महिला युगल में तीन अन्य भारतीय जोड़ियों को पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा।

डोपिंग प्रतिबंध के बाद लौटी हालेप पहले दौर में हारीं

मियामी गार्डन्स। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैम्पियन सिमोना हालेप अपील के बाद डोपिंग प्रतिबंध वापिस लिये जाने के साथ टेनिस कोर्ट पर लौटी लेकिन मियामी ओपन के पहले दौर में पाउला बाडोसा से 6-1, 4-6, 3-6 से हार गई। रोमानिया की 32 वर्ष की हालेप 2017 में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थी। वह 2022 अमेरिकी ओपन में प्रतिबंधित दवा रोक्साडस्टेट के सेवन की दोषी पायी जाने के बाद से टूर पर नहीं खेली है। अमेरिकी ओपन के पहले दौर में उन्हें यूक्रेन की डारिया स्निगुर ने हराया था। उन पर 2023 में चार साल का प्रतिबंध लगाया गया था जिसे दो सप्ताह पहले खेल पंचाट ने घटाकर नौ महीने का कर दिया।

ओलंपिक के उद्घाटन में भाग नहीं लेंगे रूस-बेलारूस

जिनेवा। रूस और बेलारूस के खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक परेड में भाग नहीं ले सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यह जानकारी दी। ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को है जिसमें हजारों खिलाड़ी सीन नदी से एफील टावर की तरफ नावों से आयेंगे जबकि आम तौर पर परेड स्टेडियम में होती है। आईओसी ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी नदी के किनारे समारोह देख सकेंगे। उन्हें तटस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक में खेलने की अनुमति मिली है।

सीरीज स्थगित होने से अफगान बोर्ड निराश

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ तीसरी बार द्विपक्षीय श्रृंखला स्थगित करने पर निराशा व्यक्त करते हुए वैकल्पिक समाधान तलाशने का आग्रह किया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि एसीबी ऑस्ट्रेलियाई सरकार से आग्रह करता है कि वह अपनी नीतियों को क्रिकेट बोर्डों पर थोपे के बजाय सभी क्षेत्रों में क्रिकेट के विकास का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने कहा कि एसीबी का शीर्ष प्रबंधन पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत में शामिल हुआ था और सार्वजनिक रूप से वापसी की घोषणा करने के बजाय वैकल्पिक समाधान तलाशने का प्रस्ताव रखा था। एसीबी के बयान में कहा गया है कि स्थगित टी-20 श्रृंखला को सीए प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में आईसीसी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

24 मार्च को मनेगा विश्व कबड्डी दिवस

चंडीगढ़। हरियाणा के पंचकूला में ताऊ देवी लाल इंडोर स्टेडियम में 24 मार्च को विश्व कबड्डी दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगें। होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एचआईपीएसए) और विश्व कबड्डी संगठन इस वर्ष के आयोजन का संयुक्त रूप से आयोजन कर रहे हैं। एचआईपीएसए की अध्यक्ष सुश्री कॉथी डी सुरेश ने यह जानकारी बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व कबड्डी दिवस समारोह का लक्ष्य एक अनोखा आयोजन करना है।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी को तैयार

नयी दिल्ली, एजेंसी

खेल और युवा कार्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। एक न्यूज चैनल के सम्मेलन में ठाकुर ने कहा कि मेजबानी की दावेदारी के लिये आमंत्रण के साथ ही भारत इसकी मेजबानी के लिये तैयार होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा, ''हम दुनिया की पांचवें सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पास युवाशक्ति है।'' उन्होंने बताया कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट देखने ब्रिटेन से करीब 4000 क्रिकेटप्रेमी धर्मशाला पहुंचे थे और उन्होंने स्टेडियम की तारीफ भी की। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद 2028 ओलंपिक लॉस एंजीलिस में और 2032 ओलंपिक ब्रिसबेन में खेले जायेंगे।

चुनाव में खेल संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा डब्ल्यूएफआई

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) यह सुनिश्चित करेगा कि गुजरात, तेलंगाना और उत्तराखंड में आगामी राज्य संघ के चुनावों में खेल संहिता का पालन किया जाए। वह 27 मार्च से राष्ट्रीय शिविर बहाल करने के लिए भी तैयार है। राजस्थान जैसे कई राज्य संघों में 70 साल की निर्धारित आयु से अधिक उम्र के पदाधिकारी काम कर रहे थे। डब्ल्यूएफआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि चुनाव में उम्र और कार्यकाल से संबंधित दिशानिर्देशों का पालन किया जाए।

विराट कोहली से मिलना मेरे जीवन का सबसे अनमोल क्षण : श्रेयांका

बेंगलुरू, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की महिला प्रीमियर लीग में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाली 'परपल कैप' विजेता श्रेयांका पाटिल के लिये सबसे बड़ा पल रहा जब उन्हें विराट कोहली से मिलने का मौका मिला। इक्कीस वर्ष की आफ स्पिनर श्रेयांका ने एलिमिनेटर और फाइनल में डैथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी

खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि बचपन से उनके पसंदीदा क्रिकेटर रहे कोहली उनका नाम जानते हैं। उन्होंने आरसीबी 'अनबॉक्स' कार्यक्रम में कोहली के साथ अपनी तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए लिखा, ''उनकी वजह से क्रिकेट देखना शुरू किया था। उनके जैसा बनने का सपना देखा करती थी। कल मेरे जीवन का सबसे अनमोल पल था।'' उन्होंने लिखा, ''विराट ने कहा, ''हाय श्रेयांका। अच्छी गेंदबाजी की।' उन्हें मेरा नाम पता था।'' श्रेयांका को आरसीबी ने पिछले साल डब्ल्यूपीएल की पहली नीलामी में उनके बेसप्राइज 10 लाख रूपये में लिया था।

पाक महिला क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज की करेगी मेजबानी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम अगले महीने वेस्टइंडीज के साथ होने वाले तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैचों की सीरीज की मेजबानी करेगी। सभी मैच कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में खेलें जायेंगे। पहला एकदिवसीय मैच 18 अप्रैल को, दूसरा 21 अप्रैल और तीसरा 23 अप्रैल को होगा। 26 अप्रैल से तीन मई तक पांच मैचों की टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

मुकाबले में भारत की नजरें तीन अंकों पर

आभा (सउदी अरब), एजेंसी

फीफा विश्व कप क्वालीफायर

जैकसन सिंह और अनवर अली की वापसी से उत्साहित भारतीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को जब फीफा विश्व कप क्वालीफायर के मुकाबले में अफगानिस्तान का सामना करेगी तो उसकी नजरें तीसरे दौर में जगह बनाने पर लगी होंगी। मिडफील्ड में जैकसन और सेंटर बैक में अनवर चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। दूसरे दौर के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन मैच में निचली रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी पर भारत का पलड़ा भारी रहने की उम्मीद है। हालांकि मिडफील्डर सहल अब्दुल समद इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। दो मैचों में एक जीत के तीन अंक के साथ भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर है ।

बॉलीवुड हलचल

विवादों में फंसी खेसारी लाल की फिल्म 'रंग दे बसंती'

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता खेसारी लाल यादव की आगामी फिल्म 'रंग दे बसंती' रिलीज से पहले विवादों में फंसी हुई है। इसे 22 मार्च को होली के मौके पर रिलीज किया जाना था लेकिन अपने टाइटल की वजह से ये सर्टिफिकेशन बोर्ड में अटक गई। फिल्ममेकर रौशन सिंह ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ऐसे में अब कोर्ट की ओर से सीबीएफसी को आदेश दिया है कि वो मामले को 10 दिनों के अंदर ही निपटाएं। खेसारी लाल की फिल्म 'रंग दे बसंती' को पहले यूनिवर्सल सर्टिफिकेट दिया गया था और बाद में सीबीएफसी के अध्यक्ष प्रसून जोशी के रवैये के कारण फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई। ट्रेड पंडितों के अनुसार बताया जा रहा है कि रिलीज डेट टलने से इस फिल्म को करीब 10 करोड़ का नुकसान हुआ है। 'रंग दे बसंती' के निर्माता रौशन सिंह ने प्रसून जोशी पर आरोप लगाया था कि उन्होंने जानबूझकर सेंसर प्रक्रिया में देरी की।

लाल साड़ी और मांग में सिंदूर में दिखीं रश्मिका मंदाना

मुंबई, एजेंसी। साउथ सिनेमा के स्टार अल्लू अर्जुन और एनिमल फिल्म की फेम रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसे इसी साल यानी कि 15 अगस्त, 2024 के मौके पर रिलीज किया जाना है। इसी बीच एक बार फिर से फिल्म सुर्खियों में आ गई है। इससे एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक लीक हो गया है। मूवी के सेट से एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसमें उन्हें देखते ही बन रहा है। रश्मिका से पहले अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया जा चुका है, जो काफी एक्साइटिंग कर देने वाला है। सोशल मीडिया पर सामने आए रश्मिका मंदाना के लुक में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस 'पुष्पा 2' के सेट पर लाल साड़ी और मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। इसमें उनका लुक देखते ही बन रहा है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि वो पुष्पराज के साथ शादी का सीक्वेंस शूट कर रही थीं। इसे देखने के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ दिख सकती हैं माधुरी दीक्षित

मुंबई, एजेंसी। कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'भूल भुलैया-3' आजकल सुर्खियों में है। फिल्म में विद्या बालन और तृप्ति डिमरी के बाद अब एक और नाम सामने आया है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में माधुरी दीक्षित की एंट्री भी हो सकती है। हालांकि अभी मेकर्स ने इस बात पर कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं दी है। 'भूल भुलैया-3' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में डायरेक्टर अनीस बज्मी से पूछा गया कि क्या 'भूल भुलैया-3' में माधुरी दीक्षित नजर आ सकती हैं? इस पर डायरेक्टर बोले- जो भी होने वाला है, हम खुद बताएंगे। तृप्ति और विद्या के बारे में बताया जा चुका है। लेकिन अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। फिल्म की कुछ और कास्ट को लेकर बातचीत चल रही है। हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। कुछ दिन पहले कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर घर के मंदिर के सामने सिर झुकाए एक फोटो शेयर की थी। जिसमें उन्होंने कैप्शन लिखा था- आज मेरे करियर की सबसे बड़ी फिल्म शुरू हो रही है। 'भूल भुलैया-3' का शुभारंभ। 'भूल भुलैया 2' को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। इसमें कार्तिक के अलावा कियारा आडवाणी, तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी लीड रोल में थे। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म 2007 में आई 'भूल भुलैया' का सीक्वल थी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com. **आर.एन.आई नं0**-UPHIN/2022/85730 (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अभिनेता राजपाल यादव पर पांच लाख रुपये की ठगी का आरोप

अधिवक्ता बोले, क्लब स्थापना के नाम पर लिए थे रुपये, अभिनेता को भेजी नोटिस

चित्रकूट कार्यालय

अमृत विचार। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राजपाल यादव पर जिले के एक बाशिंदे ने क्लब में साझीदार बनाने के नाम पर पांच लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि जब क्लब नहीं बना और उसने रुपये वापस मांगे तो उसके साथ अभद्रता करते हुए धमकी दी गई। जातिसूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया। उसने अपने अधिवक्ता के माध्यम से 19 मार्च को राजपाल को कानूनी नोटिस भेजी है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विनय कुमार पाल ने बताया कि बीते साल दिसंबर को राजपाल नौरंग यादव उर्फ राजपाल यादव और उनके भाई चंद्रपाल सिंह ने निवासी लोखंडवाला अंधेरी वेस्ट मुंबई ने मोबाइल से उनके मुवक्किल श्रीराम पुत्र छेदीलाल निवासी राघवपुरी सीतापुर माफी चित्रकूट को फोन किया था। इसमें बताया था कि मुंबई में जल्द ही एक क्लब का निर्माण किया जा रहा है।

अधिवक्ता विनय पाल। अमृत विचार

बोले एडवोकेट- हमारे पास हैं अहम सबूत

अधिवक्ता विनय कुमार पाल ने बताया कि उनके पास राजपाल और उनके भाई के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं। बताया कि राजपाल ने उनके मुवक्किल के साथ मीटिंग भी की थी। राजपाल को भेजे गए चेक की फोटो कापी और अन्य सबूत हैं। अगर पंद्रह दिन के अंदर संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वह एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराने के लिए मजबूर होंगे।

अधिवक्ता के अनुसार, इसमें साझीदार बनाने के लिए दोनों ने श्रीराम को बुलाया था। इसके एवज में दो चेकों के माध्यम से 14 दिसंबर और 16 दिसंबर को पांच लाख रुपये भी लिए थे। जब तीन महीने बाद भी क्लब की स्थापना या स्वामित्व व्यवसाय के संबंध में श्रीराम को कोई जानकारी नहीं मिली तो उसने रुपये वापस मांगे। अधिवक्ता ने बताया कि इस पर दोनों ने उनके मुवक्किल को धमकी दी और दोबारा फोन करने के लिए मना किया। जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया गया। अधिवक्ता ने बताया कि उन्होंने श्रीराम की ओर से राजपाल को कानूनी नोटिस भेजी है और यथाशीघ्र राशि लौटाने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह मुवक्किल की ओर एससी-एसटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराएंगे। उधर, जब इस संबंध में दिए गए नंबर पर बात कर राजपाल यादव का पक्ष जानने की कोशिश की गई तो उधर से जवाब आया कि रुकिए आपको चित्रकूट का ही एक नंबर देते हैं, जिससे मामले की जानकारी हो जाएगी। जब दिए गए नंबर पर संतोष तिवारी को फोन किया गया तो उन्होंने बताया कि वह इस मामले में मात्र मध्यस्थ हैं। उनके ही सामने श्रीराम ने राजपाल के खाते में पैसा दिया था। बताया कि राजपाल ने तीन मार्च तक रुपये लौटाने की बात कही है। इसके अलावा वह कुछ नहीं जानते और मामले से उनका कोई लेनादेना नहीं है।

अभियुक्तों को सजा दिलाने के लिए करें प्रभावी पैरवीः डीएम

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अधिवक्ताओं के साथ बैठक करते डीएम और एसपी। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि अभियुक्तों को त्वरित सजा दिलाए जाने के लिए मुकदमों में प्रभावी पैरवी की जाए। डीएम ने बुधवार को अभियोजन, कानून व्यवस्था और होली के संबंध में बैठक की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

डीएम ने शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि न्यायालय में प्रभावी पैरवी करते हुए अभियुक्तों के विरुद्ध तत्काल वारंट निर्गत कराया जाए कि आगामी लोकसभा चुनाव में इनकी दखलंदाजी न हो सके। जांच अधिकारी और संबंधितों की गवाही कराई जाए। गवाही न होने पर इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक को दें। उन्होंने शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि चुनाव आयोग के इस संबंध में सख्त निर्देश हैं। महिला संबंधी मामलों पर त्वरित कार्रवाई के लिए भी डीएम ने निर्देशित किया। एसपी ने कहा कि सम्मन/ वारंट चुनाव आयोग द्वारा मांगा गया है। इस पर गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि चुनाव हनक से होता है। जो असलहे जमा नहीं हुए हैं उन्हें होली से पहले जमा कराएं। डीएम ने होली के त्यौहार में कानून व्यवस्था को लेकर तहसीलवार समीक्षा की। कहा कि होलिका दहन स्थलों पर तारों को ठीक कराएं। आयोजकों के नाम भी सूचीबद्ध करें। उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी को हिदायत दी कि अवैध शराब नहीं बननी चाहिए। एसडीएम व सीओ से समन्वय बनाकर क्षेत्र में भ्रमण करें। बैठक में एडीएम उमेश चंद्र निगम, एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, एसडीएम कर्वी सौरव यादव, राजापुर प्रमोद कुमार झा, मानिकपुर पंकज वर्मा, मऊ राकेश पाठक, डीआईओएस एसके मिश्रा आदि मौजूद रहे।

- जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने शासकीय अधिवक्ताओं को दिए निर्देश

बतकही

खुद चरागों को रोशनी की जरूरत है बहुत...

बाबू का मतलब समझते हो...फलाने ने चाय सुड़कते हुए पूछा तो मैंने उसकी बुद्धि पर सवालिया निशान लगा दिया, अरे क्या पूछ रहे हो यार, बाबू माने पिता, पापा। फलाने ने मानो मुझे मंदबुद्धि का प्रमाणपत्र दिया, रहे न कूढ़मगज के कूढ़मगज। अरे बाबू का मतलब सरकारी मशीनरी का वह पहिया, जिसके बिना कोई तंत्र चल नहीं सकता। किसी भी विभाग में जाओ, बाबू नाम का यह जीव मिल जाएगा और इसके बिना तुम्हारा कोई काम नहीं होगा। जिले में तमाम विभागों में सालों से कई बाबू जमे बैठे हैं पर उनका तबादला नहीं होता। वजह जानते हो। फलाने के इस सवाल पर मैंने उसकी ओर बिना कुछबोले ताका, जिससे वह समझ गया कि जवाब भी उसे ही देना है। बोला, जब कोई नया नवेला अधिकारी वहां पहुंचता है तो यही बाबू उसे इतना कुछ समझा देता है कि अफसर मान लेता है कि उसके बिना काम नहीं चलेगा। मैं तो ऐसे बाबुओं को जानता हूं जो अगर चाह लें तो अधिकारी पैदल चलने को मजबूर हो जाए। अब चुनावी समय में इन्हीं बाबुओं की चांदी रहेगी। चुनाव में ड्यूटी कटवाने के नाम पर लोग इनके पास पहुंचेंगे और तब देखना इनका रुतबा। फलाने की बातों में दम था। होता भी हर बार ऐसा ही है। बाबुओं के बारे में उसका ज्ञान मुझे प्रभावित कर गया था। पर मैंने इतना जरूर कहा कि सब एक जैसे नहीं होते। बहुत से कर्तव्यनिष्ठ भी होते हैं। मानो फलाने ने मेरी बात नहीं सुनी, आदतन गुनगुनाता रहा... खुद चरागों को अंधेरों की जरूरत है बहुत, रोशनी हो तो उन्हें लोग बुझाने लग जाएं।

दो आरोपियों पर लगा मिनी गुंडा एक्ट

पहाड़ी। प्रभारी निरीक्षक श्याम प्रताप पटेल ने गुंडागर्दी के आरोप में दो पर मिनी गुंडा एक्ट लगाया है। पुलिस ने उमाशंकर पुत्र शक्तिराम निवासी कौडरपुरवा मजरा बक्टा बुजुर्ग, रामबाबू पुत्र धनराज मिश्रा निवासी भरकुर्रा के विरुद्ध 110 जी सीआरपीसी की कार्रवाई की।

कच्ची शराब के साथ युवक गिरफ्तार

बरगढ़। एसआई रामाधार सिंह व आबकारी निरीक्षक कृष्ण कुमार मिश्र की संयुक्त टीम ने तिलकधारी निवासी कुरिया डीह मजरा तुरगवां को 40 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। इसके विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई।

चुनाव में सेक्टर मजिस्ट्रेट की भूमिका महत्वपूर्ण

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को लोकसभा चुनाव के संबंध में मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र के जोनल-सेक्टर मजिस्ट्रेटों को ईवीएम व वीवी पैट मशीनों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा कि चुनाव में सेक्टर मजिस्ट्रेटों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में वे अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से निभाएं।

प्रशिक्षण में मतदेय स्थल पर पहुंचने के उपरांत की जाने वाली व्यवस्था, चेक लिस्ट, मतदान के पूर्व तैयारी, अभिकर्ता की नियुक्ति, प्रक्रिया, पीठासीन की डायरी आदि के बारे में बताया गया। डीएम ने कहा कि कोई भी जानकारी पहले सेक्टर मजिस्ट्रेट के पास ही पहुंचेगी। सभी बूथों को निरीक्षण कर उपस्थिति दर्ज करें। मतदान शुरू होने पर दो-दो घंटे पर रिपोर्ट दें।

बूथों पर जाए तो पीठासीन रजिस्टर को देखें। सेक्टर मजिस्ट्रेट को पीठासीन द्वारा किसी समस्या की सूचना मिले तो वह तत्काल पहुंचें। मशीन खराब हो गई हो तो प्रोटोकॉल के अनुसार व आयोग के निर्देशों के अनुसार बदलें। राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में स्ट्रांग रूम बनाया गया है। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों व जोनल मजिस्ट्रेटों को आगाह किया कि जमा होने तक कोई भी मशीनों को छोड़कर नहीं जा सकता। वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगे होंगे। लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

इस मौके पर सीडीओ अमृतपाल कौर, एसडीएम मोहम्मद जसीम अहमद, डीडीओ राजकुमार त्रिपाठी, कृषि उपनिदेशक राजकुमार एवं प्रशिक्षक साकेत बिहारी शुक्ला आदि मौजूद रहे।

जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट को संबोधित करते डीएम अभिषेक आनंद।

- मानिकपुर क्षेत्र के मजिस्ट्रेट किए गए प्रशिक्षित

मतदान केंद्रों में मिलीं कमियां, जताई नाराजगी

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उप जिलाधिकारी प्रमोद झा ने बुधवार को कई मतदान केंद्रों का मुआयना किया। खामियां मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और खंड विकास अधिकारी को इनको दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए। उनके साथ उप जिलाधिकारी न्यायिक फूलचंद्र यादव भी मौजूद रहे।

एसडीएम ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय अमान में शौचालय, बाउंड्रीवॉल के साथ सफाई की जरूरत पाई गई। कंपोजिट विद्यालय सीकरी में बाउंड्रीवॉल के साथ गेट, हैंडपंप मरम्मत करवाने की आवश्यकता है। कंपोजिट विद्यालय पियरियामाफी में शौचालय की दिक्कत है, सबमर्सिबल पंप खराब है। गोस्वामी इंटर कॉलेज छीबों में भी शौचालय, हैंडपंप, सफाई, बाउंड्रीवॉल आदि की समस्याएं मिलीं। बताया कि इनके निस्तारण के लिए बीडीओ को निर्देशित किया गया है। बूथ में विद्यालय का नाम बूथ संख्या, पदनाम मोबाइल नंबर लिखवाने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र कर्वी के मतदेय स्थलों कनकोटा एवं रायपुर की समस्याओं के निस्तारण के लिए काम शुरू करा दिया गया है। बूथों का निरीक्षण कर समस्याओं का निस्तारण समय से करा दिया जाएगा। बताया कि फोर्स के ठहरने के लिए तुलसी इंटर कॉलेज राजापुर, वशिष्ठ नारायण कावरिया महाविद्यालय राजापुर, केदारनाथ रामस्वरूप महाविद्यालय खटवारा, गोस्वामी इंटर कॉलेज छींबो में व्यवस्था के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त कराने के लिए लेखपालों, राजस्व निरीक्षकों तथा सचिवों को भी निर्देशित किया गया है।

बूथों का मुआयना करते एसडीएम राजापुर प्रमोद झा। अमृत विचार

आठ वाहनों को किया सीज, एक का चालान

चित्रकूट। जिला खनिज अधिकारी सुधाकर सिंह ने बताया कि दिनांक 19 और 20 मार्च की रात खनिज, राजस्व व पुलिस विभाग ने अवैध खनन/परिवहन के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। सात ट्रक-डंपरों को थाना राजापुर में व एक वाहन को थाना भरतकूप में निरुद्ध किया गया। एक वाहन का ऑनलाइन चालान किया गया।

बताया कि उप खनिजों के अवैध खनन परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है। कोई व्यक्ति उप इसमें संलिप्त पाया जाता है तो नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जेल का किया मुआयना

चित्रकूट कार्यालय

अमृत विचार। जिला जज विकास कुमार प्रथम ने जिलाधिकारी अभिषेक आनंद व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के साथ बुधवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरा संचालन, हाई सिक्योरिटी बैरक का मुआयना किया गया। पृथकवास में कैदियों की सघन तलाशी कराई गई। अधिकारियों ने पाकशाला में भोजन की गुणवत्ता देखी और चखा। उन्होंने कैदियों से खानपान व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। अधीक्षक जिला कारागार को निर्देश दिए कि मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण खाना व नाश्ता दिया जाए। सफाई बनी रहे। बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि दीवारों पर पौराणिक वॉल पेंटिंग कराएं। निरीक्षण के दौरान सीजीएम सूर्यकांत धर दुबे, अधीक्षक जिला कारागार शशांक पांडेय, जेलर संतोष कुमार वर्मा, उप कारापाल रजनीश कुमार सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे।

सियासत तो हार नहीं मानेंगे भैरों प्रसाद मिश्रा, लड़ेंगे चुनाव, बांदा- चित्रकूट सीट से भाजपा के सांसद रहे हैं

पूर्व सांसद के समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ने की चर्चा जोरों पर

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। क्या पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा समाजवादी पार्टी से बांदा-चित्रकूट लोकसभा सीट पर प्रत्याशी होंगे, राजनीतिक हल्कों में यह चर्चा आजकल आम है। पूर्व सांसद और बांदा-चित्रकूट दोनों जिलों की राजनीति के दिग्गज भैरों भी इस सवाल को यह कहकर और ज्यादा रोचक और महत्वपूर्ण बना देते हैं कि राजनीति में सभी विकल्प खुले रहते हैं और उन पर चुनाव लड़ने के लिए बहुत ज्यादा जनदबाव है। उनके समर्थक भी दावा करते हैं कि भैरों हार नहीं मानेंगे, चुनाव तो लड़ेंगे ही लड़ेंगे।

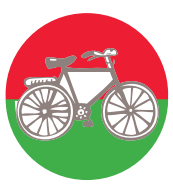

समाजवादी पार्टी से बबेरू (बांदा) जिले के निवासी शिवशंकर सिंह पटेल के नाम की घोषणा होने के बाद पहली लिस्ट में भाजपा ने भी अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। आमतौर पर प्रत्याशियों की घोषणा में देरी करने वाली भाजपा की पहली सूची में सिंटिंग एमपी आरके सिंह पटेल का नाम देखकर लोग चौंके भी थे। पर सबसे ज्यादा झटका पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र के समर्थकों को लगा। जिस तरह से पूर्व सांसद पिछले सालों में सक्रिय रहे थे, उससे इनको आस थी कि इस बार पार्टी एक बार फिर उनको मौका देगी। भैरों 2014 में भाजपा से सांसद रहे। तब उन्होंने बसपा के प्रत्याशी आरके सिंह पटेल को हराया था। तीसरे नंबर पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बाल कुमार पटेल रहे थे। भैरों को 342066, आरके को 226278 और बाल कुमार को 189730 मत प्राप्त हुए थे। भैरों के समर्थकों की मानें तो जब 17वीं लोकसभा का समय आया था तो उनको आशा थी कि संसद में मुखर रहने वाले भैरों पर एक बार फिर पार्टी विश्वास जताएगी। पर वह राजनीति ही क्या, जिसमें सब कुछ पूर्वानुमान के आधार पर हो जाए। बसपा छोड़कर आए आरके को पार्टी ने पहले मानिकपुर विधायक बनाया और फिर वहां से इस्तीफा दिलवाकर लोकसभा का टिकट दे दिया। आरके पार्टी के विश्वास पर खरा भी उतरे। राजनीति की यह एक करवट ही कही जाएगी कि जिन आरके को हराकर भैरों प्रसाद दिल्ली पहुंचे थे, उन्हीं आरके की वजह से उनका टिकट कट गया था। निश्चित रूप से यह टीस आज भी भैरों को सालती होगी। तभी तो इस बार जब आरके को टिकट मिला तो भैरों प्रसाद मिश्र आहत हो गए। बातचीत में वह इस बात को स्वीकारने में संकोच भी नहीं करते। उन्होंने कहा कि उनके साथ नाइंसाफी तो हुई है। पर अब भी उन्होंने भाजपा से आस नहीं छोड़ी है। अभी भी कुछ भी हो सकता है। पर ऐसा नहीं हुआ तब, जब उनसे यह सवाल किया गया तो उनका कहना था कि राजनीति में सभी विकल्प खुले रहते हैं। और सपा सबसे मजबूत विकल्प है। अगर ऐसा हुआ तो यह पहली बार नहीं होगा, जब भैरों ने बगावत की। एक बार वह पहले भी ऐसा कर चुके हैं। उन्होंने खुद ही बताया कि 2009 में, जब उनके भाई (दिनेश चंद्र मिश्र) बसपा से विधायक थे, बसपा हाईकमान ने उनको पार्टी से सांसदी का चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया था। वह लड़े और मामूली लगभग 33 हजार मतों से अंतर से हारे थे। उन्होंने कहा कि उन पर इस समय भारी जनदबाव है कि वह मैदान में उतरें। जनभावनाएं प्रबल हैं कि चुनाव लड़ूं। लोग चाहते थे कि वह राजनीति में सक्रिय रहकर जनसेवा करें, इसीलिए उन्होंने बांदा में भी आवास बना रखा है। उन्होंने कहा कि वह जनभावनाओं को दरकिनार नहीं कर सकते। जब उनसे पूछा गया कि क्या फिर भाजपा से टिकट न मिलने पर भी चुनाव मैदान में उतरेंगे, राजनीति के मंझे खिलाड़ी की तरह भैरों प्रसाद मिश्र ने जवाब दिया, सभी विकल्प खुले हैं, लड़ सकता हूं, नहीं भी लड़ सकता हूं। हालांकि जिस तरह से पूर्व सांसद ने यह सब कहा, उससे लगभग तय है कि बांदा-चित्रकूट जिले की राजनीति का यह धुरंधर चुनाव तो जरूर लड़ेगा और अगर यह पार्टी भाजपा नहीं रही तो फिर इसके प्रत्याशी के लिए सिरदर्द तो जरूर बन जाएगा।

भैरों प्रसाद मिश्रा। अमृत विचार

हाल-फिलहाल चर्चा में भी रहे भैरों

भैरों प्रसाद कहते हैं कि वह राजनीति को माध्यम और समाजसेवा को लक्ष्य मानते हैं। इसी वजह से वह कई बार पार्टी लाइन से इतर लाइन भी लेते हैं। यहां यह बात बतानी समीचीन होगी कि पिछले साल भरतकूप में दो युवकों की सड़क हादसे में मौत के बाद जिस तरह से उन्होंने पोस्टमार्टम हाउस में रात भर धरना दिया था और पुलिसिया कार्यशैली को आड़े हाथों लिया था, उससे वह जिले में सत्ताधारी के कई बड़े नेताओं की आलोचना के पात्र भी बने थे। इसी प्रकार जब सीआईसी में चार मासूमों की दुखद मौत हुई और तमाम बड़े नेताओं ने अपने मुंह पर ताले लगा लिए, तब भी भैरों ने प्रशासन को आड़े हाथों लिया और सीएम तक को पत्र भेजा। भाजपा की राजनीति को अंदर से जानने वाले दावा करते हैं कि शायद भैरों को इसी का खामियाजा भुगतना पड़ा।

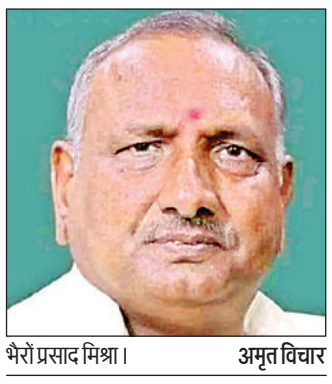

वो लोग क्या भांजी मारेंगे : भैरों

जब पूर्व सांसद से यह पूछा गया कि क्या आप मानते हैं कि पार्टी के ही कुछ लोगों ने आपको टिकट मिलने में भांजी मार दी (अड़ंगा डाल दिया) तो वह बोले, अगर मैं ऐसा कहूंगा तो उनका कद बढ़ जाएगा। कोशिश जरूर की थी उन लोगों ने पर वे क्या भांजी मारेंगे। पता नहीं ऊपर (शीर्ष नेतृत्व) वालों ने क्यों उनको टिकट नहीं दिया।

लखनऊ में हैं भैरों प्रसाद

पूर्व सांसद भैरों प्रसाद इस समय लखनऊ में हैं। जिससे इस बात को और बल मिलता है कि वह सपा नेतृत्व से संपर्क में हैं। हालांकि उनके समर्थक कहते हैं कि वह दवाएं लेने, नियमित चेकअप कराने पीजीआई गए हैं पर जिस तरह से सोशल मीडिया में चर्चाओं का बाजार गर्म है, उससे किसी भी संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

22 को होगी सपा की बैठक

उधर, इस संबंध में जब सपा के सूत्रों से बात की गई तो बताया गया कि 22 मार्च को लखनऊ में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ बांदा और चित्रकूट के नेताओं की बैठक होगी। इसमें उम्मीदवार को लेकर चर्चा की जाएगी। बैठक में निर्वतमान और वर्तमान जिलाध्यक्ष, पूर्व और वर्तमान विधायक, पिछले चुनाव के प्रत्याशी और सभी विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्ष शामिल होंगे।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट — प्रेम विवाह, पति—पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

The Ano Rectal Clinic
अत्याधुनिक विधि द्वारा गुदाद्वार में होने वाली बीमारियों का परीक्षण
Dr. Sanjay Kumar Yadav
M.S. (Ano-Rectal Surgeon)

Video Recto Scope
लेज़र विधि एवं DGHAL विधि द्वारा
बवासीर (Piles) भगन्दर (Fistula)
एवं गुदाद्वार में होने वाली अन्य बीमारियों का उचित* इलाज

क्लीनिक का पता
एस-80, गोल चौराहा, महानगर कोतवाली के सामने, महानगर, लखनऊ
7388913338
8005423919
www.anorectalclinic.com

एक नजर

जांच के नाम पर भ्रमित कर रहा प्रशासन

बांदा : मारपीट और लूट के शिकार पीड़ित पत्रकारों को जिला प्रसाशन ने जांच के नाम बीस दिन से टहला रहा है। पुलिस ने अभी तक पीड़ित पत्रकारों के प्रति कोई कार्यवाही नही की है। लूट और मारपीट से भयभीत पत्रकार दहसत में है। डर है कि बरियारी खदान मालिक के कहने पर उसका खदान संचालक शैलेन्द्र यादव अपने असलहाधारी लठेत गुर्गो से हत्या करा सकता है। खदान मालिक के गुर्गे जिला मुख्यालय में कुछ लोगों के साथ समाचार पत्रों के कार्यालय आसपास चक्कर लगाते देखे गये है। पीड़ित पत्रकार इसकी जानकारी निर्वाचन आयोग दिल्ली, प्रधानमंत्री कार्यालय दिल्ली और ग्रह मंत्रालय दिल्ली को देंगे। जनपद के गिरवां थाना के अंतर्गत बरियारी खदान लोगों ने पत्रकारों के साथ मारपीट करके पूरा समान लूट लिया था मुकामी पुलिस ने पहुंचकर पत्रकारों की जान बचायी थी।

शराब के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

कमासिन : लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मादक पदार्थों की बिक्री करने वालों और शातिर अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कमासिन पुलिस ने छापा मारकर महिला तस्कर को शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के अंतर्गत कमासिन थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एसआई गिरजाशंकर पांडेय, नरेंद्र कुमार, महिला उप निरीक्षक निकिता चैहान, प्रधान आरक्षी राजेश कुमार, मनीष शुक्ला, अनुज यादव व महिला आरक्षी सीता देवी ने छिलोलर गांव में दबिश देकर सरिता देवी पत्नी हरवंश प्रजापति को 20 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कच्ची शराब बनाने के उपकरण भी बरामद किए गए हैं। बरामद एक कुंतल लहन को पुलिस ने नष्ट करादिया।

बुजुर्ग को सांप ने काटा उपचार जारी

नरैनी : कस्बे के अथाईगढ़ी निवासी प्रबोध कुमार बाजपेई (60) पुत्र राज कुमार बाजपेई को रात्रि में बाथरूम जाते समय सर्प ने डस लिया। जानकारी होने पर छोटे भाई गोविंद ने भाई की हालत गंभीर होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

दिल का दौरा पड़ने से किसान की मौत

बांदा : बिसंडा थाना क्षेत्र के बड़ागांव निवासी इंदू (52) पुत्र रामआसरे खेती-किसानी करता था। मंगलवार की देर शाम अचानक उसकी दिल का दौरा पड़ने से हालत बिगड़ गई। इससे पहले कि परिजन उसे अस्पताल ले जा पाते, उसकी घर में ही मौत हो गई। दिल का दौरा पड़ने से किसान की मौत हो जाने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

दो युवकों ने खाया जहरीला पदार्थ

बांदा : शहर के कैलाशपुरी मोहल्ला निवासी संजू सोनी (35) पुत्र दिनेश ने घरेलू कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर घरवालों को जानकारी हो सकी। इसी तरह नरैनी कोतवाली क्षेत्र के शहबाजपुर गांव निवासी सत्येंद्र (27) पुत्र सुरेश ने अज्ञात कारणों के चलते मंगलवार की रात को जहरीला पदार्थ खा लिया, हालत बिगड़ने पर उसे भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सपा के टिकट में बदलाव की चर्चा, खींचतान तेज

टिकट न मिलने से निराश भाजपा के पूर्व सांसद और कांग्रेस के पूर्व सांसद के पुत्र के बीच चल रही रेस

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद जहां भाजपा और सपा के अधिकृत उम्मीदवारों ने आम जनता की चौखट पर माथा टेकना शुरू कर दिया है, वहीं समाजवादी पार्टी हाईकमान के सूत्र टिकट में फेरबदल की चर्चा को हवा दे रहे हैं। फेरबदल की संभावनाओं के बीच भाजपा और कांग्रेस दिग्गज ब्राह्मण नेताओं के बीच रस्साकसी की खबरें भी तेज हो गई हैं। दो दिग्गज ब्राह्मण नेताओं के बीच टिकट का घमासान वैसे तो फ्रैंडली फाइट बताई जा रही है, लेकिन टिकट की जंग में दोनों दिग्गज अपनी ताकत झोंके हुए हैं। देखना दिलचस्प होगा कि समाजवादी पार्टी आलाकमान का फैसला बांदा लोकसभा सीट में किसके पक्ष में आता है। उधर सपा से अधिकृत उम्मीदवार शिवशंकर पटेल भी अपना टिकट बरकरार रखने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं। हालांकि गंभीर बीमारी से जूझ रहे पटेल की मौजूदा हालत को ही उनके टिकट के फेरबदल का मुख्य कारण माना जा रहा है। ऐसे में सपा एक तीर से दो निशाने साधते हुए भाजपा से नाराज ब्राह्मणों को अपने पक्ष में करने की कवायद के साथ क्षेत्र में एक मजबूत प्रत्याशी उतारने की जुगत भिड़ा रही है।

आम चुनाव की रणभेरी बजते ही सियासी हलकों में गरमाहट आने लगी है, हालांकि अभी चुनाव को दो माह का समय शेष है। बांदा-चित्रकूट संसदीय सीट में पांचवें चरण यानी 20 मई को मतदान होना है, ऐसे में अभी सियासी पार्टियों का रुझान पहले-दूसरे चरण के चुनाव पर लगी हुई हैं।

सत्ताधारी भाजपा ने जहां मौजूदा सांसद आरके सिंह पटेल को टिकट थमाकर अबकी बार 400 पार का नारा बुलंद कर रही है। लेकिन टिकट घोषित होने के बाद से ही सांसद पटेल के विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। उधर ब्राह्मण समाज के लोगों को भी भाजपा ओबीसी कार्ड रास नहीं आया। भाजपा के टिकट न मिल पाने से नाराज एक पूर्व सांसद व दिग्गज ब्राह्मण नेता जहां सपा गठबंधन में हाथ पैर मार रहे हैं। वहीं कांग्रेस के पूर्व सांसद के पुत्र भी अपने संगठन को विश्वास में लेकर गठबंधन से टिकट हथियाने की जुगत भिड़ा रहे हैं। हालांकि टिकट की रेस में पूर्व सांसद का नाम आगे बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि पूर्व सांसद अपने सियासी अनुभव और चुनावी मैनेजमेंट के बूते कांग्रेसी दिग्गज से एक कदम आगे चल रहे हैं। उधर टिकट बदलने की सुगबुगाहट के बीच सपा से घोषित प्रत्याशी शिवशंकर पटेल भी अपना टिकट बरकरार रखने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं। सूत्रों की मानें तो गंभीर बीमारी झेल रहे शिवशंकर टिकट कटने की संभावनाओं के बीच आम जनता की चौखट पर माथा टेक रहे हैं और चुनाव अभियान को गति देने में जुटे हैं। अब सियासत की गेंद समाजवादी आलाकमान के पाले में हैं, देखना दिलचस्प होगा कि सपा के टिकट में फेरबदल को पार्टी सुप्रीमो किस हद तक स्वीकार करते हैं और राजनीति का ऊंट किस करवट बैठता है।

बसपा की चुप्पी से सियासी हलकों में असमंजस

- जहां भाजपा और सपा ने लोकसभा चुनाव की रणभेरी बजने के पहले ही अपने धुरंधरों के नामों का ऐलान करके जिले की सियासत में गरमाहट ला दी थी, वहीं बहुजन समाज पार्टी ने तारीखों का ऐलान होने के पांच दिन बाद भी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। बसपा की चुप्पी जहां सियासी हलकों में असमंजस का माहौल बना रही है, वहीं बसपा के नेताओं में भी अभी जोश नहीं आ पा रहा है। सूत्रों का मानना है कि बसपा अभी सपा के टिकट फेरबदल की खबरों के बीच चुप्पी साधे हुए है। पार्टी हाईकमान सपा में टिकट का घमासान थमने के बाद ही अपने पत्ते खोलने के मूड में दिख रहा है। वहीं स्थानीय नेता इंतजार करने की बात कह कर दमदार उम्मीदवार उतारने का दावा कर रहे हैं। हालांकि बसपा में टिकट के दावेदारों ने स्थानीय स्तर से लेकर हाईकमान तक गणेश परिक्रमा तेज कर दी है।

सांसद बनाने के मामले में 'लकी' कटरा मोहल्ला

- बांदा-चित्रकूट संसदीय सीट में 18वीं लोकसभा का चुनाव आगामी 20 मई को होना तय हुआ है। इस बीच बांदा शहर को पांच बार अपना सांसद चुनने का गौरव हासिल हुआ है। हालांकि ज्यादातर सांसद दो विधानसभा क्षेत्रों में चित्रकूट जिल से ही चुने गए हैं। बांदा शहर के सांसदों की बात की जाए तो यहां भी एक अजीब संयोग देखने को मिलता है। शहर का कटरा मोहल्ला बांदा के सांसद बनाने के मामले में खासा लकी रहा है। देखा जाए तो पांच में से चार सांसद कटरा मोहल्ले के निवासी रहे हैं, वहीं राजा कालाकांकर दिनेश सिंह भी कटरा के ही आदित्य सिंह के घर पर रह यहां की राजनीति करते रहे हैं। इसके अलावा एकमात्र महिला सांसद सावित्री निगम, रामरतन शर्मा और भीष्मदेव दुबे शहर के कटरा मोहल्ले में ही रहते हुए सांसद बने थे। जबकि रामनाथ दुबे भी सांसद बनने के पहले तक कटरा मोहल्ले में ही रहते रहे हैं। ऐसे में कटरा मोहल्ले को सांसदों के मोहल्ले के रूप में जाना जाता है।

अमवा में युवती ने घर में फांसी लगा की खुदकुशी

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- एक माह पहले बेटी को दिया था जन्म, जान देने का कारण अभी स्पष्ट नहीं

अमृत विचार: बेटी को जन्म देने के एक माह बाद युवती ने कमरे के अंदर साड़ी का फंदा गले में कसकर खुदकुशी कर ली। छत से मासूम बेटी को लेकर कमरे पहुंचे पति ने देखा तो दरवाजा बंद था। कुंडी खटखटाने के बावजूद हरकत नहीं हुई। कमरे के रोशनदान से झांककर देखा तो युवती का शव फंदे पर लटक रहा था। दरवाजा तोड़कर परिजनों ने शव को फंदे से नीचे उतार लिया। आत्महत्या का कारण अज्ञात है।

बिसंडा थाना क्षेत्र के अमवा गांव निवासी राधिका देवी (21) पत्नी सुनील मंगलवार की शाम को कमरे में थी। जबकि उसका पति एक माह की मासूम बेटी को लेकर छत में टहल रहा था। छत की सिंचाई भी की जा रही थी। इसी दौरान राधिका ने कमरे के अंदर छत के छल्ले पर साड़ी फंसाई और फंदा कसकर खुदकुशी कर ली। काफी देर के बाद पति मासूम बेटी को लेकर कमरे आया तो दरवाजा अंदर से बंद था। उसने पत्नी को आवाज लगाई, लेकिन कोई हरकत नहीं हुई। सुनील ने कमरे के रोशनदान से झांककर देखा तो पत्नी का शव फंदे पर लटका देखा। वह चीख पड़ा और आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पति ने बताया कि डिलेवरी होने के बाद से राधिका को ज्यादातर आराम दिया जा रहा था। सुनील ने बताया कि उसकी मां शाम को घर आई। देखा तो राधिका ने खाना नहीं खाया था। इस पर मां ने उसे खाना खाने के लिए कहा। इसके बाद छत में सिंचाई करने के लिए चले गए। इसी दौरान राधिका ने खुदकुशी कर ली। सुनील ने बताया कि दो वर्ष पूर्व शादी हुई थी। आत्महत्या का कारण अज्ञात है।

लेंस प्रत्यारोपण को भेजे गए जानकीकुंड

संवाददाता,कमासिन

अमृत विचार: आदर्श ग्रामीण उत्थान समिति के तत्वाधान में आयोजित विशाल तहसील स्तरीय नेत्र परीक्षण शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड (चित्रकूट) के चिकित्सकों ने 177 मरीजों की आंखों का परीक्षण किया। इसमें मोतियाबिंद के चिह्नित 55 मरीजों में 45 को लेंस प्रत्यारोपण के लिए जानकी कुंड नेत्र चिकित्सालय ले जाया गया। मरीजों को मुफ्त दवाएं और चश्मा वितरित करते हुए चिकित्सकों ने उचित इलाज की सलाह दी।

कस्बा में बुधवार को आयोजित नेत्र परीक्षण शिविर में मरीजों की भारी भीड़ रही। शिविर का शुभारंभ आदर्श ग्रामीण समिति अध्यक्ष भवानीदीन यादव व प्रधानाध्यापक तीरथ प्रसाद गुप्त ने संत शिरोमणि रणछोड़दास महराज के चित्र पर दीप जलाकर व पूजन से किया। शिविर में 177 मरीज का परीक्षण नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया। मोतियाबिंद ग्रस्त 55 में

नेत्र परीक्षण करते चिकित्सक। अमृत विचार

- 177 मरीजों की आंखों का परीक्षण, 55 को मोतियाबिंद

45 मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए जानकी कुंड चिकित्सालय भेजा गया। फालोअप के तहत 45 मरीजों को चश्मा दिए गए। 46 मरीजों का बिजन चेक करते हुए उन्हें चश्मा व दवाएं दीं गई। 31 मरीजों में आंखों की विभिन्न बीमारी ग्लूकोमा, रेटिना, मांस बढ़ने, परदे की बीमारी पाई गई। चिकित्सकों ने दवाएं देकर उचित इलाज के लिए जानकीकुंड रेफर किया। शिविर में नेत्र चिकित्सक डा.पंकज गुप्ता, नेत्र सहायक डा.अनुज दुबे, काउंसलर विनय मिश्रा, आप्टिकल बृजेश यादव, मेडिसन नरोत्तम दास ने मरीजों की आंखों का परीक्षण किया। समित के अध्यक्ष समेत समाजसेवी मुन्ना तिवारी ने शिविर में आने वाले मरीजों का पंजीकरण किया।

पहली से शुरू होगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

कार्यालय संवाददाता, बांदा

- स्कूलों में जागरुकता कार्यक्रम के साथ गांव में चलेगा सफाई अभियान

अमृत विचार: संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की जिला स्तरीय अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मार्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाए जाने के संबंध में जानकारी दी गई।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में संचारी रोग नियंत्रण के लिए आगामी एक अप्रैल से पूरे माह तथा दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जनपद में चलाया जाएगा। इसमें 10 विभाग मिलकर काम करेंगे और सभी विभागों का कार्य शासन द्वारा निर्धारण किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी विभागों द्वारा अप्रैल माह में कार्य योजना के अनुसार निर्धारित ग्रामों में रोगों के विषय एवं संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरुकता से संबंधित गतिविधियां अपनाई जाएगी। शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को संचारी रोगों से बचाव एवं साफ-सफाई की जानकारी प्रतिदिन प्रार्थना सभा में देंगे। इसके अलावा इससे संबंधित पेटिंग प्रतियोगिता एवं निबंध आदि के माध्यम से जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जनपद के सभी ग्रामों में कार्य योजना के अनुसार नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, एंटी लार्वा का छिड़काव, जल भराव का निस्तारण एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। इस कार्य के लिए एडीओ पंचायत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार स्वास्थ्य एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग ब्लाकों व गांवों में पोस्टर तथा पंपलेट वितरित कराएगा।

सार-संक्षेप

रेलवे स्टेशन पर अभियान चलाते पुलिस कर्मी। अमृत विचार

बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर चलाया जागरुकता अभियान

बांदा : एंटी ह्यूमेन ट्रैफिकिंग यूनिट ने रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड परिसर में जागरूकता अभियान चलाकर यात्रियों के साथ आम लोगों को मानव तस्करी व बाल भिक्षावृत्ति के प्रति जागरूक किया। साथ ही नशाखोरी से दूर रहने की सलाह दी गई। यात्रियों को सफर के दौरान बच्चों पर विशेष पर ध्यान देने पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर बुधवार को थाना एएचटीयू, एसजेपीयू, थाना जीआरपी, आरपीएफ एवं जन साहस संस्था की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन परिसर में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान यात्रियों को नशे से दूर रहने की सलाह दी गई। स्टेशन परिसर में दुकानों की चेकिंग की गई। यात्रियों को बच्चा चोरी, जहर खुरानी एवं मानव तस्करी के संबंध में जागरूक किया। सफर कर रहे यात्रियों को बच्चों पर ध्यान देने तथा सतर्क रहने की सलाह दी गई। हेल्पलाइन से संबंधित पंपलेट भी चस्पा किये गए। बस स्टैंड बांदा में बच्चा चोरी एवं जहर खुरानी आदि घटनाओं से सतर्क रहने के लिए यात्रीगण को सलाह दी गई।

कार्यशाला को संबोधित करते संयुक्त निदेशक अभियोजन अजय त्रिपाठी।

कार्यशाला में नए कानूनों की बारीकियों पर हुई चर्चा

बांदा : अभियोजन संवर्ग की कार्यशाला में नए कानूनों की बारीकियों पर चर्चा हुई। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 पर भी प्रकाश डाला गया। अभियोजन अधिकारियों ने भविष्य में होने वाली कार्यशाला में भागीदारी का संकल्प लिया। कलक्ट्रेट परिसर स्थित संयुक्त निदेशक अभियान कार्यालय में बुधवार को नवीन कानूनों पर परिचर्चा कार्यशाला का आयोजन हुआ। संयुक्त निदेशक अभियोजन अजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें अभियोजन संवर्ग के सभी अभियोजकों सुरेंद्र प्रसाद, चंद्रप्रकाश गौतम, वीरेंद्र कुमार, अतुल तिवारी, गोपालजी सिंह समेत डीजीसी (फौजदारी) संवर्ग से विजय बहादुर सिंह परिहार, डीजीसी उमाशंकर पाल, एडीजीसी कमल सिंह गौतम व अन्य अधिवक्ताओं ने भागीदारी की। कार्यशाला में संयुक्त निदेशक ने नवीन कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 पर प्रकाश डाला। डीजीसी ने कानूनों की बारीकियों पर चर्चा की। कार्यशाला के अंत में सभी अभियोजकों ने भविष्य में होने कार्यशाला में भागीदारी का संकल्प लिया।

उलाहना देने गए दंपति को पीटा

नरैनी: कोतवाली क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी के साथ दूसरे व्यक्ति ने अभद्रता की। वह पत्नी को साथ लेकर अभद्रता का उलाहना देने उसके घर गया तो उनके साथ मारपीट की गई।

वह लोग जान से मारने की नियत से लाठी और कुल्हाड़ी लेकर हमारी तरफ दौड़ पड़े तो हम दोनो लोग जान बचा कर भागे। वो हमारा पीछा करते हुए घर के अंदर चले आए और मुझे और मेरी पत्नी को बुरी तरह मारा और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। कोतवाली पुलिस ने युवक की तहरीर पर सग्गू, नासुरुद्दीन, नासरीन, सफलीन पुत्रगण इजराहुद्दीन और रफीकुन पत्नी इजराहुद्दीन के खिलाफ मामला पंजीकृत कर लिया है।

कमीशन के विवाद में दोस्तों ने की थी हत्या

कार्यालय संवाददाता,बांदा

अमृत विचार: एक पखवारा पहले हुई युवक की हत्या का देहात कोतवाली पुलिस और सर्विलांस टीम में संयुक्त रूप से खुलासा करते हुए चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हत्यारोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त सिलौटी, अंगौछा व एक तमंचा व कारतूस बरामद किए। पुलिस के मुताबिक युवक की हत्या उसके साथियों ने बैंक लोन कमीशन बंटवारे के विवाद के चलते भाड़े के हत्यारे की मदद से की थी। तीन हत्यारोपी चित्रकूट के रहने वाले हैं। एसपी ने घटना का खुलासा करने वाली पूरी टीम को 25 हजार रुपये का नकद इनाम देकर उनकी पीठ थपथपाई।

घटना का खुलासा करते पुलिस अधीक्षक। अमृत विचार

पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को मीडिया के समक्ष घटना का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि 7 मार्च को देहात कोतवाली क्षेत्र के जारी-जौरही गांव के पास सड़क किनारे गड्ढे से पुलिस ने युवक का शव बरामद किया था। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। आशंका के आधार पर पुलिस घटना के खुलासे में जुट गई। देहात कोतवाली पुलिस व सर्विलांस टीम ने घटना का खुलासा करते हुए हत्या में शामिल कुचारन (चित्रकूट) गांव निवासी आसेंद्र पटेल उर्फ पिंटू, मर्का थाना क्षेत्र के पिंडारन गांव निवासी राज पटेल, रगौली (चित्रकूट) गांव निवासी रामेश्वर गर्ग और भाड़े का हत्यारा कर्वी शहर के शंकर बाजार निवासी वीरेंद्र उर्फ हलाले को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान हत्यारोपियों ने बताया कि मृतक मनोज कुमार उर्फ बबली, आसेंद्र उर्फ पिंटू, राज पटेल व रामेश्वर गर्ग दोस्त थे और मुख्यालय स्थित पंजाब नेशनल बैंक छावनी व कृषि विश्वविद्यालय में केसीसी लोन दिलाने का काम करते थे। लोगों से 25 फीसदी कमीशन लेते थे। कमीशन में आसेंद्र उर्फ पिंटू, राज पटेल ज्यादा हिस्सा अपने पास रखते थे। इसी से मनोज उर्फ बबली नाराज रहता था। वह कमीशन में बराबर का हिस्सा मांग रहा था।

भक्तों ने श्याम के साथ खेली होली

कार्यालय संवाददाता, बांदा

निशान यात्रा निकालते श्याम भक्त। अमृत विचार

- एकादशी पर श्रद्धालुओं ने निकाली निशान पद यात्रा

अमृत विचार: एकादशी पर श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम बाबा की पैदल निशान यात्रा निकाली। इस दौरान भक्तों ने श्याम संग जमकर होली खेली। पूरे रास्ते जमकर अबीर-गुलाल उड़ा। श्यामभक्त हाथों में झंडियां लिए हारे का सहारा, खाटूश्याम हमारा जैसे जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। सभी भक्तों ने आपस में रंग गुलाल से जमकर होली खेली। शोभायात्रा में श्रीखाटू श्याम के मुख्यरथ की जगह-जगह आरती उतारी गई। पुष्प वर्षा की गई एवं भेग अर्पित किए। मुख्य रथ से शोभायात्रा में प्रसाद का वितरण भी किया गया।

खाटू श्याम सेवा मंडल के तत्वाधान में माह की एकादशी पर पैदल निशान यात्रा निकाली जाती है। बुधवार को एकादशी पर फागुन मेला में श्याम बाबा को गुलाल अबीर लगाकर भक्तो ने होली का आगाज किया। यात्रा में भारी संख्या में खाटू श्याम भक्तगण उपस्थित रहे। यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। भक्तों ने जलपान की ब्यबस्था भी कराई. सेवा मंडल अध्यक्ष मोंटू गुप्ता ने बताया कि एकदाशी पर 11वीं निशान यात्रा निकली गई है। शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल थे। हर किसी की जुबान पर प्रभु श्यामनाम के जयकारे थे। रंग गुलाल उड़ाते हुए मस्ती हो रही थी। शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत भी किया गया। सभी भक्तों के हाथों में श्रीखाटू श्याम के निशान झंडे थे। शोभायात्रा मंदिर में पहुंचने के उपरांत पूजा अर्चना की गई और श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर वीरेंद्र गुप्ता, जीतू आदि रहे।

रामलीला रावण वध और राम राज्याभिषेक के साथ हुआ पतौरा में लीला का समापन

श्रद्धा के साथ मनाया गया राम राज्याभिषेक का उत्सव

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार: बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में महुआ विकास खंड के पतौरा गांव में रामलीला का मंचन कराया गया। पांच दिवसीय रामलीला में फुलवारी, धनुष यज्ञ के बाद तीन दिवसीय वनवासी लीला का आयोजन कराया गया। रामलीला के अंतिम दिन मंगलवार को रामेश्वरम तीर्थ की स्थापना के बाद रावण वध और राम राज्याभिषेक का उत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया। इसी के साथ रामलीला के समापन का ऐलान किया गया।

श्री राघव सेवा समिति पतौरा के तत्वावधान में मंगलवार की रात रावण-विभीषण संवाद से रामलीला की शुरुआत की गई। रावण ने अपने भाई विभीषण को लात मारकर लंका से निष्कासित कर दिया और विभीषण भगवान श्रीराम की शरण में चला गया। इसके बाद अन्य लीलाओं के मंचन के साथ समुद्र तट पर रामेश्वरम तीर्थ की स्थापना की गई, रामेश्वरम तीर्थ की स्थापना के दौरान ग्रामीणों ने जय श्रीराम का उद्घोष किया और समूचे माहौल को राममय बना दिया। रामलीला के अगले क्रम में कलाकारों ने लक्ष्मण-मेघनाथ युद्ध, लक्ष्मण शक्ति, मेघनाथ वध की लीला का सजीव मंचन किया। अंत में राम-रावण युद्ध के दौरान रावण वध और अयोध्या वापसी पर राम राज्याभिषेक की लीला के साथ रामलीला का समापन किया गया। रामलीला में भगवान श्रीराम की भूमिका अभिषेक तिवारी (फतेहपुर) और लक्ष्मण की भूमिका आशू तिवारी (फतेहपुर) व राहुल शुक्ला (अतर्रा) ने बखूबी निभाई। कौमिक कलाकारों ने पूरी रात दर्शकों का मनोरंजन किया। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

झांकियों की आरती उतारते सपा नेता। अमृत विचार

रामलीला देखते आरएसएस के जिला प्रचारक व अन्य।

प्रमुख लोगों ने उतारी झांकियों की आरती

रामलीला की शुरूआत में भगवान श्रीराम, सीता व लक्ष्मण के साथ हनुमान की झांकी प्रस्तुत की गई। कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी समेत आरएसएस जिला प्रचारक अनुराग, जिला संघ चालक सुरेंद्र पाठक, सपा युवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव ओमनारायण त्रिपाठी विदित, प्रदीप सिंह परिहार बउवा आदि ने भगवान की झांकी के दर्शन किए और आरती उतारी। आरएसएस के जिला प्रचारक अनुराग ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को समाज के लिए प्रेरक और वंदनीय बताया। कहा कि भगवान श्रीराम की लीला देखने के बाद उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लेना होगा।

सुन्नी

इफ्तार (गुरुवार)	सहरी (शुक्रवार)
06:28 बजे	04:47 बजे

नोट : रोजेदारों की सुविधा के लिए सहरी का समय एक दिन आगे का दिया जा रहा है।

एक नजर

शराब की दुकान गांव से बाहर स्थापित करें

महोबा। थाना खन्ना अंतर्गत आने वाले ग्राम कहरा के ग्रामीणों ने ग्राम के भीड़ वाले इलाके से शराब ठेका को बाहर किए जाने की मांग की है। उन्होंने डीएम को शिकायती पत्र देकर शराब की दुकान को गांव से बाहर किए जाने की मांग रखी ग्रामवासियों ने अधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि ग्राम कहरा में आबादी वाले इलाके में देशी शराब की दुकान खोले जाने से आसपास रहने वालों के अलावा सड़क से निकलने वाली महिलाओं और छात्र- छात्राओं को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। शराबी शराब के नशे में सड़क पर पड़े रहते हैं और लोगों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं, जिससे लोगों का यहां से गुजरना दुभर हो गया है। ग्रामीणों ने शराब की दुकानको गांव से बाहर स्थापित कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासन को ऐसी जगह ठेका नहीं देना चाहिए जहां अराजकता फैले।

मस्जिद के बाहर हवाई फायरिंग से दहशत में लोग, आरोपी को दबोचा

आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस जांच में जुटी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शहर के मोहल्ला भीरतकोट में मंगलवार की रात को मस्जिद में तरावीह के समय कुछ अराजकतत्वों द्वारा मस्जिद के बाहर हवाई फायरिंग किए जाने से दहशत फैल गई। मस्जिद के अंदर तरावीह पढ़ रहे लोग बुरी तरह सहम गए। बाहर निकले तो कुछ लोग भाग गए जबकि एक अराजकतत्व को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सुरक्षा की दृष्टि से मस्जिद के आसपास पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। आमिर खान की तहरीर पर कोतवाली में एक नामजद सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

रमानुल मुबारक माह में हर मस्जिद में रात में तरावीह पढ़ी जा रही है। मंगलवार की रात करीब नौ बजे भीरतकोट की मस्जिद में

मस्जिद के बाहर लोगों से बातचीत करते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

तरावीह पढ़ी जा रही थी, उसी समय कुछ अराजकतत्वों ने मस्जिद के बाहर हवाई फायरिंग करके दहशत फैलाने का प्रयास किया। गोली की आवाज सुनकर मस्जिद के बाहर निकले लोगों को देखकर कुछ लोग भाग गए, जबकि एक युवक को नमाजियों ने दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के आने से पहले ही युवक कुछ दूर भाग सका था, कि पुलिस ने आकर उसे दबोच लिया, जिससे मामला शांत हो गया। मस्जिद के बाहर गोली चलने की खबर फैलते ही तमाम लोग मस्जिद के बाहर पहुंच गए, धीरे धीरे बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस ने रात में ही एक अराजकतत्व को हिरासत में ले लिया और उसे कोतवाली ले गई। इस घटना से मुस्लिम समुदाय के लोगों में बढ़ रहे आक्रोश को देखते हुए आनन फानन में कार्रवाई की, जिससे लोग धीरे धीरे अपने अपने घरों को चले गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने तरावीह पढ़ने वाले लोगों से पूछताछ की।

लोगों ने बताया कि गोली चलने की आवाज से लोगों का दहशत फैल गई और जैसे ही लोग बाहर निकले कुछ लोग भाग गए, जबकि एक युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

उधर सुरक्षा की दृष्टि से मस्जिद के आसपास पुलिस बल तैनात कर दिया है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी अवैध तमंचे से हवाई फायर किया गया, जबकि असलहा लेकर चलने और चार से ज्यादा लोगों के एक साथ बैठने और निकलने पर पाबंदी लगी हुई है, बावजूद इसके हवाई फायर किए जाने पर पुलिस ने गंभीरता लेते हुए तत्काल एक युवक को हिरासत में ले लिया हैं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नरेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि आमिर खान की तहरीर पर मोन्टी वर्मा सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना की जांच कराई जा रही है, जल्द ही दोष पाए जाने पर अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बूथों पर सुविधाओं में कोई कमी न हो

सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठक करते जिला निर्वाचन अधिकारी। अमृत विचार

संवाददाता, महोबा

- **जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा, बूथों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट व्यवस्था जांच लें**

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी मृदुल चौधरी व पुलिस अधीक्षक अर्पणा गुप्ता महोबा और चरखारी विधानसभा क्षेत्र के सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठक की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में क्रिटिकल और वल्नरेबिलिटी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कहा कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों

जिलाधिकारी ने कहा कि अपनें अपने बूथ पर जाकर सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें तथा संवेदनशील इलाकों वाले पोलिंग स्टेशनों को चिह्नित किया जाए साथ ही मतदान केंद्र और उसके आसपास महत्वपूर्ण घटनाओं की सूचना एकत्र करें। जिला निर्वाचन अधिकारी नें सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइंस को ध्यान में रख कर ही चुनाव संबन्धी सारे कार्य करें। सेक्टर मजिस्ट्रेटों से बूथों की जानकारी लेते हुए कहा की यह सुनिश्चित किया जाए कि कमजोर वर्ग का व्यक्ति बिना किसी डर के मतदान करने में सक्षम हो। डिस्पैच केंद्रो से मतदान दलों की रवानगी के समय आरओ संबंधित पीठासीन अधिकारी को मतदान केंद्र क्षेत्र के भीतर संवेदनशील स्थानों के बारे में जानकारी देंगे।

उन्होंने कहा कि मतदान के दिन मतदाताओं को डराने धमकाने या बाधा डालने की घटना न हो इसके लिए अपने अपने बूथों पर जाकर स्थानीय लोगों के संपर्क में रहकर उनसे जानकारी लेते रहे। ऐसे मतदान केंद्र जहां पिछले पांच वर्षों में लोकसभा या राज्य विधानसभा के किसी भी चुनाव के दौरान मतदान प्रक्रिया के खराब होने और बूथ कैप्चरिंग जैसे चुनावी अपराधों के कारण मतदान आयोजित किया गया था ऐसे मतदान केंद्रों को चिन्हित किया जाए। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम प्रकाश, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिशिर कुमार, अपर एसपी सत्यम, एसडीएम सदर जितेंद्र सिंह रहे।

बर्बाद फसल के सर्वे में खेल हुआ

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से बर्बाद फसल की रिपोर्ट लेखपाल द्वारा गलत बनाए जाने से किसानों को फसल बीमा के लाभ वंचित होना पड़ रहा है। तहसील कुलपहाड़ क्षेत्र के तमाम किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए बीमा राशि का भुगतान कराए जाने के साथ साथ लेखपाल द्वारा की गई लापरवाही की जांच कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

तहसील कुलपहाड़ क्षेत्र के ग्राम नटर्रा निवासी ब्रजेंद्र सिंह, कमलेश, पुष्पेंद्र कुमार, रघुराज, चंद्र आदि किसानों ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि इस साल खेत में पानी लगाकर फसल की बुवाई की थी। फसल भी अच्छी हुई, लेकिन लगातार कोहरा पड़ने और इसके बाद एकाएक तेज धूप निकलने से फसल दाना पड़ने से पहले ही सूख गई।

रही सही कसर असमय हुई बारिश और ओलावृष्टि ने पूरी कर

शिकायती पत्र लेकर अधिकारी के पास जाते किसान। अमृत विचार

दी, इससे अब उसका परिवार दो जून की रोटी के लिए परेशान है। किसान ने बताया कि उनके द्वारा फसल बीमा कराया गया था और लेखपाल द्वारा खराब फसल का आंकलन कर रिपोर्ट भी बनाई गई थी।

किसानों ने बताया कि लेखपाल द्वारा पास के ग्राम नकरा में 80 फीसदी फसल का नुकसान दिखाया गया, जबकि ग्राम नटर्रा के चलते कम प्रतिशत दर्शाकर उच्चाधिकारियों को गलत रिपोर्ट बनाकर भेजी गई है, जिसके चलते किसानों को फसल बीमा से वंचित होने का खतरा मंडरा रहा है। किसानों ने लेखपाल द्वारा लगाई गई रिपोर्ट की जांच कराकर कार्रवाई के साथ नष्ट हुई फसल का बीमा क्लेम और मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

पेंशनरों की समस्या समाधान को लेकर बनेगी रणनीति

महोबा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान महोबा की 21 मार्च को पंडित दीनदयाल उपाध्याय पेंशनर भवन कचहरी परिसर में दोपहर 12 बजे बैठक आहूत की जाएगी। बैठक में पेंशनरों की समस्याओं और बैंकों में सीनियर सिटीजन और पेंशनरों के लिए अलग काउंटर खोले जाने के लिए रणनीति बनाई जाएगी, जिससे बुजुर्ग पेंशनरों को लेनदेन करने में असुविधा न हो।

यह जानकारी देते हुए वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान के महामंत्री बीके तिवारी ने बताया कि बैठक में पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाता जागरुकता संपर्क समाधान अभियान की शुरूआत किए जाने पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि होली मिलन समारोह बनाए जाने पर भी निर्णय लिए जाने पर विचार किया जाएगा, इसके लिए सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से बात की जाएगी। महामंत्री ने सभी पेंशनरों बैठक में प्रतिभाग करने की अपील की है।

भाजपा का गमछा पहनाकर सदस्यता दिलाते नेता व पार्टी में शामिल लोग। अमृत विचार

सपा- बसपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- **चुनाव की घोषणा होते ही सपा, बसपा और कांग्रेस छोड़कर भागने लगे कार्यकर्ता**

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव को लेकर सपा, बसपा, कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधियों ने पार्टी छोड़ने की होड़ मची हुई है। बुधवार को एक सैकड़ा से ज्यादा जनप्रतिनिधियों और विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं ने भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर पूर्व राज्यमंत्री सिद्ध गोपाल साहू के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। भाजपा के ज्वायनिंग जिला प्रभारी चक्रपाणि त्रिपाठी ने विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कार्यकर्ताओं को भाजपा का गमछा और टोपी पहनाकर उनका स्वागत किया गया।

आज कल भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों की लंबी लाइन लगी है। सबसे पहले ग्राम प्रधानों और पूर्व प्रधानों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी, इसके बाद क्षेत्र पंचायत सदस्यों पूर्व ब्लाक प्रमुखों ने भाजपा का दामन थाम लिया। बुधवार को सपा के पूर्व राज्यमंत्री सिद्धगोपाल साहू के नेतृत्व में अनिल साहू रिवई, सुनिल शर्मा बरबई, लखचंद्र, भगवानदास कुशवाहा, रज्जन ग्राम सौरा, गोविंद राजपूत, इंद्रपाल सिंह, रामचरन ग्राम चौका सहित तमाम सपा सदस्यों ने समाजवादी छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बलवान सिंह यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य इशहाक अहमद, इकबाल अहमद, मुन्ना यादव, सुरेश अहिरवार, पूर्व सभासद मुन्ना साहू ने भाजपा का दामन थाम लिया है।

इस मौके पर जिला प्रभारी श्रृंगी ऋषि संजीव ने कहा कि भाजपा में विभिन्न दलों से लोगों के आने का कारण यह है कि भाजपा में परिवारवाद, जातिवाद नहीं है। इस पार्टी में सभी को एक समान देखते हुए सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। पूर्व राज्यमंत्री सिद्धगोपाल साहू ने कहा कि भाजपा में सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के तहत कार्य किया जा रहा है, जिसके चलते भाजपा की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लोग ईमानदारी के साथ कार्य कर रहे हैं। वह भी भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं और अब एक भाजपा के छोटे से कार्यकर्ता के रुप में पार्टी के लिए कार्य करेंगे।

13 किलो गांजा के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली महोबा नरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा गठित की गई टीम ने एक युवती सहित पांच लोगों को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। गांजा करोबार में युवाओं के साथ एक युवती के शामिल होने पर लोगों में तरह- तरह की चर्चाएं चल रही हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से 13 किग्रा गाजा बरामद किया।

अपर पुलिस अधीक्षक सत्यम और पुलिस क्षेत्राधिकारी दीपक दुबे के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान के तहत पठा बैरियर के पास गीतेंश तिवारी, विकास पांडेय, शशि शेखर पांडेय, योगेश तिवारी, पुष्पा कुशवाहा को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से दो पिट्ठे बैग और एक ट्राली बैग से 13 किग्रा गांजा, चार एन्ड्रायड मोबाइल भी बरामद किए गए हैं। अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस टीम में एसआई देवेंद्र कुमार ओझा, कांस्टेबिल अजित सिंह, कांस्टेबिल हरिओम रहे।

गरीबों को पैरवी के लिए मिलते निःशुल्क अधिवक्ता

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महोबा जेपी यादव के आदेशानुसार शहर के एक पैलेस में सोमवार को पराविधिक स्वयंसेवकों के सहयोग से जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मौके पर लोगों को कानून की जानकारी मुहैया कराई गई। साथ ही गरीब वर्ग के लोगों को मुकदमों की पैरवी के लिए सरकार की तरफ से निःशुल्क अधिवक्ता मुहैया कराए जाने के बावत जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं

कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं। अमृत विचार

पशु क्रूरता एवं पशुओं की सुरक्षा के बारे मे बताया गया। इसके अतिरिक्त लीगल एड डिफेंस काउन्सिल सिस्टम महोबा एवं राष्ट्रीय लोक अदालत तथा न्यायालय, स्थायी लोक अदालत महोबा के विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी साथ ही महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया तथा इसके अतिरिक्त बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, चाइल्ड ट्राफिकिंग, कन्या भ्रूण हत्या,

- **विधिक साक्षरता शिविर के मौके पर दी गई जानकारी**

महिलाओं के अधिकार व उनके स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न कानूनी, सामाजिक प्रभावों एवं लाभों के बारे में जानकारियां प्रदान की गयी।

इस मौके पर मौजूद महिलाओं को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 एवं बच्चों के लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) 2012 व महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005 तथा पूर्वगर्भाधान और प्रसव पूर्व निदान तकनीकि पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 तथा नालसा हेल्प लाइन नं0 15100 के बारे में विस्तार से बताया गया।

कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध किया जागरूक

नुक्कड़ नाटक करतीं छात्राएं। अमृत विचार

संवाददाता कुलपहाड़, महोबा

- **दहेज हत्या जैसी कुरीतियों को दूर करने का दिया संदेश**

अमृत विचार। नगर के श्रीकिशोर गोस्वामी महाविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर में छात्र- छात्राओं द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत नुक्कड़ नाटक कर लोगों को जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक के जरिए कन्या भ्रूण हत्या, दहेज हत्या, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ जैसी घटनाओं के बावत लोगों को जानकारी देते हुए उन्हें सचेत किया गया।

कार्यक्रम में प्रवक्ता आकाश मिश्रा ने कहा कि देश में लगातार बेटियों की संख्या घट रही है, जो चिंता का विषय है। प्रवक्ता एहतिशाम ने सरकार द्वारा बेटियों के लिए चलाई जा रही भाग्य लक्ष्मी योजना, कन्या सुमंगला, उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना जैसी तमाम योजनाएं चलाकर महिलाओं को लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनएसएस शिविर के जरिए छात्र छात्राओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जाग्रत होती है। साथ ही एनएसएस के छात्र छात्राओं द्वारा लोगों को साफ- सफाई के प्रति समय समय पर जागरूक किया जाता है, इससे लोगों में सफाई के प्रति रुझान बढ़ता है। एनएसएस शिविर में रागिनी, रीना, आकांक्षा, शिल्पा, जैनव, महिमा, पायल, पूनम, पिंकी, कपिल, मानसिंह, राजेश, धीरज, मानसिंह सहित तमाम छात्र छात्राएं मौजूद रहीं।

उधर, जय बुंदेलखंड राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम एवं द्वितीय इकाई द्वारा आयोजित विशेष शिविर के तीसरे दिन मुख्यअतिथि अनूप यादव ने लोगों को साइवर क्राइम से सर्तक रहने के बावत जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. कल्पना जनसंख्या नियत्रण विषय पर सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बावत जानकारी देते हुए जनसंख्या नियंत्रण के उपाए बताए। इस मौके पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विपिन मिश्रा, फरहद खान, दशरथ राजपूत सहित तमाम छात्र- छात्राएं उपस्थित रहीं।

पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट के दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

महोबा। महोबा पुलिस अधीक्षक महोबा अपर्णा गुप्ता के निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था को अक्षुण्य बनाये रखने की गरज से अपराधों में लिप्त अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे सघन चेकिंग एवं गिरफ्तारी/ बरामदगी अभियान के अनुपालन मे क्षेत्राधिकारी चरखारी के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली चरखारी गणेश कुमार द्वारा टीम का गठन किया गया । गठित टीम के एसआई राजेश कुमार शर्मा ने गैंगस्टर एक्ट से सम्बन्धित दो वांछित अभियुक्त .संजय यादव पुत्र हरदयाल यादव, पूरन सिंह पुत्र कल्लू सिंह, निवासीगण ग्राम टोला सोयम थाना चरखारी जनपद महोबा को सूपा तिराहा से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।

अभियान एनएसएस छात्राओं ने भ्रमण कर स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए किया जागरूक

आध्यात्मिक शांति प्रबल होने से अंतर्मन होता साफ

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सात दिवसीय एनएसएस शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेवी छात्र- छात्राओं ने अपने- अपने क्षेत्र में पहुंचकर जन सामान्य को स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता तथा शत प्रतिशत मतदान के लिए लोगों से बात की और उन्हें जागरूक किया। बौद्धिक सत्र में ब्रह्माकुमारी बहन दुर्गेश नंदिनी ने जीवन में सुख शांति हासिल करने और तनाव से दूर रहने के लिए योग की आवश्यकता बताई।

ब्रह्माकुमारी बहन ने कहा कि आध्यात्मिक शक्ति प्रबल होने से अंतर्मन साफ होता है जिससे तनाव दूर रहता है सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है और मानव सेवा

महिला से बात करतीं छात्राएं।। अमृत विचार

की प्रेरणा मिलती है उन्होंने छात्र-छात्राओं को मौन रहकर आंतरिक ऊर्जा प्राप्त करने के लिए योग का अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। नोडल अधिकारी डा. संतोष कुमार पांडे ने कहा कि स्वास्थ्य मानव की बहुमूल्य निधि है। कहा कि इस भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग निजी स्तर पर अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान नही देता जब तक वो अस्वस्थ्य नही हो जाता है। मानव जीवन में सम्पत्ति, इज्जत, शक्ति ज्ञान तथा सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण उत्तम स्वास्थ्य अस्वस्थ होने पर मनुष्य सुखी जीवन नही व्यतीत कर सकता है। सुख सम्पत्ति पाने के लिये मानव को उत्तम स्वास्थ्य की आवश्यकता ही पड़ेगी। स्वास्थ्य का तात्पर्य केवल शरीर को रोग मुक्त करना ही नहीं बल्कि शरीर का शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक सम्पन्नता से मुक्त होना है। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के, डॉ मधुबाला सरोजिनी, डा. सोवित गुप्ता, डा. एलसी अनुरागी रहे।

अधूरी सड़क न बनाए जाने से ग्रामीण परेशान

महोबा। तहसील चरखारी के ग्राम कौहारी में एक वर्ष पूर्व सड़क निर्माण कराया गया था, लेकिन ठेकेदार द्वारा 200 मीटर सड़क का निर्माण न कराकर उसे छोड़ दिया गया, जिससे उक्त सड़क से गुजरने वाले वाहन चालक और पैदल आने जाने वाले ग्रामीणों दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण कल्याण सिंह, रवींद्र, पवन, हल्के, तेजप्रताप ने बताया कि ग्राम कौहारी के पास से मुख्य मार्ग निकला हुआ है जो ग्राम ऐंचाना, बबेड़ी, ग्योडी, बराएं सहित आधा दर्जन गांवों को जोड़ती है। बताया कि उक्त सड़क के अधूरे निर्माण को बनाए जाने के लिए कई बार संबन्धित विभाग के अधिकारियों के समक्ष बात रखी गई लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया। बताया कि अधूरी सड़क पर सबसे ज्यादा परेशानी बरसात में होती है।

अब 17316 दिव्यांग घर बैठे चुन सकेंगे सांसद

हमीरपुर। लोकसभा चुनाव में दिव्यांग मतदाताओं को पोस्टल बैलेट से मतदान की सुविधा दी जा रही है। वे घर बैठे वोट डाल सकें, इसके लिए मोबाइल बूथ बनाने का भी विचार किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने आयोग के आदेश पर शत प्रतिशत वोटिंग कराने के लिए यह कदम उठाया है। इस व्यवस्था से दिव्यांगों में मतदान के प्रति उत्साह है।

- घर पर उपलब्ध कराया जाएगा पोस्टल बैलेट
- जो बूथ पर जाना चाहेंगे उन्हें कोई रोकेगा नहीं

मतदाताओं की राय

चुनाव आयोग ने पहली बार दिव्यांगों के वोट को महत्व दिया है, इस नियम से दिव्यांग शत प्रतिशत वोट दे सकेंगे। - दुर्गेश प्रजापति

चुनाव में शारीरिक कमजोरी के कारण जब वोट डालने नहीं जा पाते हैं तो कष्ट होता है। मतदान की नई सुविधा सराहनीय है। -कमाल ताहा

आयोग के इस निर्णय से दिव्यांग बूथ तक पहुंचने को मोहताज नहीं होगा, वह स्वतंत्र रूप से अपना मतदान करेगा। -देव नारायण सोनी

इस बार हम जैसे दिव्यांगों को आयोग ने महत्व दिया है। लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी हिस्सेदारी निभाएंगे। मन का सांसद चुनेंगे। -रघुनाथ विश्वकर्मा

दिव्यांग मतदाता एक नजर में

विधानसभा	दिव्यांग मतदाता
हमीरपुर	3841
राठ	3865
महोबा	2525
चरखारी	3692
तिंदवारी	3393
योग	17316

मतदाता जागरुकता रैली में बताए मतदान के फायदे

संवाददाता, सुमेरपुर हमीरपुर

अमृत विचार। ग्राम पंचायत मौहर में सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी (स्वीप) के रूप में रैली निकालकर ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। रैली का शुभारंभ डिप्टी कलेक्टर/ प्रभारी खंड विकास अधिकारी शांतुन कुमार सिनसिनवार ने करके साथ में गांव भ्रमण किया।

मतदाता जागरुकता अभियान के तहत ग्राम पंचायत मौहर में बुधवार को मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी स्वीप कार्यक्रम के तहत रैली का आयोजन हुआ। मतदान का प्रतिशत बढाने के लिए जागरूक किया गया। रैली को डिप्टी कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और गांव का भ्रमणकर मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

मतदाताओं को शपथ दिलाते प्रभारी बीडीओ।

अराकतत्वों को पाबंद करें: एडीजी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन भानु भास्कर ने बैठक की।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी तैयारियों को समय से पूरा कर लिया जाए। समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि सीएपीएफ, पीएसी व होमगार्ड के रुकने की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लिया जाए। रुकने वाले स्थानों पर साफ-सफाई, वाशरूम तथा शुद्ध पेयजल की उपलब्धता मानक रूप में हो।

पोलिंग बूथों का राजपत्रित अधिकारी भौतिक सत्यापन करें। साथ ही प्रत्येक पोलिंग बूथ पर शौचालय और मतदान के दिन शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए। मतदान को प्रभावित करने वाले अराजकतत्वों की पहचान कर उन्हें पाबंद करें। हिस्ट्रीशीटर अभियुक्तों का सत्यापन किया जाए। शस्त्रधारकों से जल्द से जल्द शस्त्र जमा करा लिए जाएं। मादक पदार्थ, अवैध शराब बनाने व बिक्री करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। अवैध शस्त्रों का निर्माण, संग्रहण व बिक्री करने वाले अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। चुनाव में लगने वाले फोर्स के वितरण को देख लिया जाए। यदि अतिरिक्त फोर्स की आवश्यक हो तो संबंधित से पत्राचार करें। सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी की जाए और किसी भी भ्रामक खबर का तत्काल खंडन किया जाए साथ ही भ्रामक पोस्ट करने वालों पर कठोर प्रभावी वैधानिक कार्रवाई की जाए। जनपद की सीमाओं पर बैरियर लगाकर प्रभावी चेकिंग की जाए।मतदान प्रतिशत बढ़ाने तथा लोगों को लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़ कर शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए व्यापक मतदान जागरूकता अभियान चलाएं। रमजान व होली के त्योहार को सकुशल कराने को निर्देशित किया। बैठक में पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूट धाम परिक्षेत्र बांदा अजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा आदि रहे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते एडीजी भानु भास्कर।

- अपर पुलिस महानिदेशक ने अधिकारियों के साथ की बैठक

गठबंधन प्रत्याशी को जिताने की रणनीति बनी

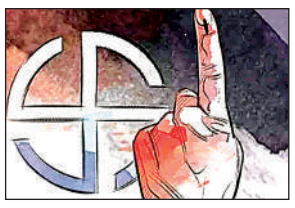

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। इंडिया गठबंधन के नेताओं की संयुक्त बैठक बुधवार को सपा कार्यालय में हुई। नेताओं ने बूथ वार गठबंधन प्रत्याशी को जिताने की रणनीति तैयार कर जिम्मेदारी सौंपीं।

सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु सैनी की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक हुई। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजेंद्र लोधी को जिताने के लिए बूथवार दोनों दलों के साथ गठबंधन में शामिल अन्य दलों के नेताओं , कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करने की रणनीति तैयार करके अलग-अलग जिम्मेदारी सौपे जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में पूर्व विधायक जगदीश नारायन शर्मा, सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नंदकिशोर शिवहरे, शिवशरण सिंह यादव, मुन्नीलाल निषाद, नीलम निषाद, कौशल किशोर, देवेंद्र मोहन चौबे, युसूफ सिद्दीकी, अश्वनी पांडे, सुरेंद्र शुक्ला, देवदत्त भार्गव, लोक भूषण, आसाराम अहिरवार, श्याम सुंदर कुशवाहा, दिनेश सिंह, रचना वर्मा, दिलीप गुप्ता, महेश सिंह राणा, गंगाराम अनुरागी सहित सपा, कांग्रेस के पदाधिकारी रहे।

सपा कार्यालय में बैठक करते नेता। अमृत विचार

वोटर अवेयरनेस फोरम करेगा जागरूक

हमीरपुर। मुख्य विकास अधिकारी एवं नोडल अधिकारी स्वीप चंद्रशेखर शुक्ला ने मतदाता जागरुकता के जरिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कमेटी की बैठक विकास भवन सभागार में ली। बैठक में ग्राम स्तर पर तैनात सरकारी तन्त्र द्वारा ग्रामीणों को जागरूक किए जाने पर बल दिया। ग्राम स्तर पर सबसे बुजुर्ग मतदाता को ब्रांड एम्बेसडर बनाया जाएगा, समूह की महिला महिला को बूथ तक लाकर मतदाता प्रतिशत बढ़ाने को रणनीति बनाई गई। बैठक में डीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव, शांतनु उप जिलाधिकारी, पीडी साधना दीक्षित, जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र मिश्रा, डीआईओएस केके ओझा, बीएसए आलोक सिंह, डीपीओ शैलेंद्र प्रताप सिंह, समस्त खंड विकास अधिकारी, समन्वयक नेहरू युवा केंद्र, ब्लाक मिशन प्रबंधक एवं स्वीप कोऑर्डिनेटर अकबर अली उपस्थित रहे।

परिषदीय स्कूलों की परीक्षाएं शुरू, बीएसए ने किया निरीक्षण

हमीरपुर। परिषदीय विद्यालयों की बुधवार को शुरू हुई परीक्षा में पहली पाली में गणित व द्वितीय पाली में कला की परीक्षा संपन्न कराई गई। बीएसए ने करीब छह विद्यालयों का निरीक्षण कर परीक्षा का जायजा लिया। करीब 85 फीसदी छात्र-छात्राओं ने परीक्षाएं दी हैं।

जिले में कुल 967 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इनमें करीब 1.10 लाख बच्चे पंजीकृत हैं। जिनकी बुधवार से परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने इस बार कक्षा एक को छोड़कर सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए हैं। साथ ही कड़ी निगरानी में पहले दिन परीक्षाएं संपन्न कराई गई। बीएसए आलोक सिंह ने कई स्कूलों में जाकर औचक निरीक्षण किया। बच्चों से सवाल जवाब किए। कहा कि कक्षा एक व दो के बच्चों को मौखिक परीक्षाएं कराई गई हैं। पहले दिन 85 फीसदी बच्चों ने परीक्षाएं दी हैं। अमर उजाला टीम ने परीक्षाओं की पड़ताल कर हकीकत जानी। जहां सभी व्यवस्थाएं चुस्त दुरस्त पाई गईं।

अधिवक्ता हितों पर ध्यान दें सभी पार्टियां

हमीरपुर। चुनावी शंखनाद होते ही हर नुक्कड़ और चौराहे पर चुनावी चर्चा होने लगी हैं। अधिवक्ता भी अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। देश की आजादी से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण में अधिवक्ता समाज हमेशा अग्रणी रहा है, लेकिन बीते लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक देखा जाए तो अधिवक्ता अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। अधिवक्ताओं ने बेबाक होकर अपने विचार रखे।

चुनाव को लेकर चर्चा करते अधिवक्ता।

अधिवक्ता बोले

सरकारों की उपेक्षा के कारण कई बार हड़ताल पर जाना पड़ता है। गाड़ियों को खड़ा करने के लिए कोई स्टैंड नहीं है। अक्सर विवाद की स्थिति बनती है। -विजयेंद्र सिंह

अधिवक्ताओं के शुरुआती दिन काफी संघर्ष के होते हैं। उन्हें अच्छी किताबों की आवश्यकता होती है। युवा अधिवक्ता के लिए पुस्तकालय आर्थिक मदद मिले। -महेश साहू

विधि व्यवसाय एक गरिमापूर्ण पेशा है, लेकिन सरकार अधिवक्ताओं के बैठने की व्यवस्था करने में असफल रही है। अधिवक्ताओं को और चैंबर चाहिए। विगत कई वर्षों से अधिवक्ताओं के चैंबरों के लिए कोई भी बजट पारित नहीं किया गया। -कमलेश तिवारी

अधिवक्ताओं के लिए पुस्तकालय के साथ सेमिनारों की खातिर अलग से वित्तीय सहायता मिलनी चाहिए। इनके कौशल विकास की भी कोशिश होनी चाहिए, जिससे वे और कुशलता से विधिक कार्य संपादित कर सकें। - जागेश्वर

अधिवक्ता हित में हर हाल में किया जाए पीठासीन अधिकारी का तबादला

हमीरपुर। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन एव प्रोग्रेसिव एंड प्रैक्टिसिंग बार एसोसिएशन के तत्वावधान में 30वें दिन भी धरना जारी रहा। जिसमें परिवार न्यायालय की पीठासीन अधिकारी के स्थानांतरण की मांग दोहराई गई। बुधवार को धरने में देवीप्रसाद त्रिपाठी, दीपक कुमार द्विवेदी, ओमप्रकाश राजपूत, अजय कुमार पाण्डेय, अनवेश सिंह आदि बैठे। राघवेंद्र शरण त्रिपाठी, शैलेंद्र सचान, भगवानदास दीक्षित, देवेंद्र शुक्ला, दृगपाल, अश्वनी प्रजापति, अवधेश यादव, लक्ष्मीनारायन त्रिपाठी, आदि ने भी विचार रखे।

रामजन्म की कथा सुन हुये मंत्रमुग्ध

- **सुमेरपुर हमीरपुर।** श्रीराम कथा मंगल महोत्सव के तहत कस्बे के पैलानी मार्ग में आयोजित श्रीरामकथा के चौथे दिन कथा व्यास ने राम जन्म कथा सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कस्बा निवासी आशा गुप्ता ने कस्बे के पैलानी मार्ग में श्रीराम कथा मंगल महोत्सव का आयोजन कराया है। कथा के चौथे दिन कथा व्यास संजय कृष्ण द्विवेदी ने राम जन्म का सुंदर चरित्र सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने रामचरित मानस की चौपाई पढ़ी भए प्रगट कृपाला, दीनदयाला, कौशल्या हितकारी पर श्रोता महिलाएं नृत्य करने लगीं। पूरा पंडाल रामनाम के उद्घोष से गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर डा. सुधीर गुप्ता, तपोभूमि के महंत स्वामी जगन्नाथ महाराज, रामचंद्र शिवहरे, डा. अनिल यादव, मुन्नी देवी गुप्ता सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

तमंचे के बल पर युवती से दुष्कर्म, बनाया वीडियो

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां आरोपी ने घर में घुसकर युवती से तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया और उसका वीडियो भी बना लिया। जिसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार बार दुष्कर्म करने के साथ ही अपने दोस्त से भी दुष्कर्म करवा दिया। इस मामले में पुलिस जांच में जुट गई है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर बताया कि बीते साल 23 दिसंबर की शाम जब वह अपने घर में अकेले थी, तभी इचौली निवासी सोनेलाल प्रजापति पुत्र भवानीदीन तमंचा लेकर घर में घुस आया और तमंचे दिखाकर धमकाया उसके डर जाने पर दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपी ने उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने बताया कि पिछले 18 मार्च की रात करीब दस बजे आरोपी सोनेलाल अपने एक अज्ञात साथी के साथ आ गया और दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर हाथापाई कर दी तब आरोपी के हाथ में भी काट लिया था।

जेसीबी से तालाब की खोदाई, शिकायत

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। मुर्दों के नाम मनरेगा में काम करा पैसे हड़पने के मामले में चर्चित रहे खंडेह गांव में सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब बिना किसी स्टीमेट स्वीकृति के नियमों को नजरअंदाज कर धन उगाई के लिए जेसीबी से रात-दिन तालाब की मिट्टी खोद कर सरकारी स्कूल, गौशाला व एक निजी कालेज में सैकड़ों ट्रैक्टर ट्राली मिट्टी भूमि की ऊंचा करने के नाम पर प्रधान व उसका पति प्रतिनिधि करा रहे हैं।

गांव के समाजसेवी पुत्तन तिवारी सहित कुछ ग्रामीणों ने इसकी शिकायत बीडीओ से की, लेकिन अभी मौके पर जांच नहीं की है।

तालाब से मिट्टी निकालती जेसीबी। अमृत विचार

खुदाई का कार्य अभी जारी है।

विकासखंड अधिकारी और एडीओ से जानकारी चाही तो किसी ने मीटिंग में होने का हवाला देकर फोन ही नहीं उठाया। लेकिन पंचायत सचिव सुनील निगम ने बताया कि उन्हें यह जानकारी है कि कुछ स्कूलों व गौशाला तथा एक निजी स्कूल तालाब की मिट्टी जेसीबी से खोद भराई की जा रही है। तालाब से मिट्टी खुदाई के लिए कोई एस्टीमेट फिलहाल उनकी जानकारी में स्वीकृत नहीं है। यह अवर अभियंता की देखरेख में है।

जब यह पूछा गया किसी क्या तालाब की मिट्टी निजी स्कूलों को बेची जा सकती है और उसे दूसरे स्थान पर पुराई के लिए बिना किसी सक्षम के आदेश के ली जा सकती है। तो संबंधित पंचायत सचिव ने कहा कि तालाब की मिट्टी को न बेचा जा सकता है और न कहीं अन्य स्थान पर दी जा सकती है। इस सबके बाद भी महिला प्रधान के पति प्रतिनिधि कामता प्रसाद ने कहा कि वह मिट्टी खुदाई तालाब से कराकर स्कूलों को ऊंचा करा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी के खेत से भी मिट्टी ले रहे हैं। जबकि किसान का न तो नाम बताया और न किसी के खेत में वहां कोई खुदाई ही की गई। यही नहीं बल्कि प्रधान ने स्वीकृत होना बताया।

फूटा तालाब की किस्मत फूटी, जलकुंभी से पटा

संवाददाता, पौथिया (हमीरपुर)

- पौथिया गांव स्थित तालाब में अतिक्रमण भी हो गया

अमृत विचार। बड़ी आबादी वाले पौथिया गांव स्थित भारी भरकम फूटा तालाब जल कुंभी और गुदला से पटा है। सरकार तालाबों को अमृत सरोवर बना कर सुन्दरीकरण कराने का ढिंढोरा पीट रही है। लेकिन सदर विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति के पैतृक गांव पौथिया का फूटा तालाब अपनी किस्मत पर आंसू बहा रहा है ।

विगत वर्षों से तालाब गन्दगी के साथ साथ अतिक्रमण से घिरा हुआ है। इसी तालाब के आगे एक पुराना आशा माई का प्राचीन मन्दिर है। जहां प्रतिदिन महिलाएं मन्दिर में पूजा अर्चना करने आती हैं। तालाब में गांव के नापदानों का गन्दा पानी आता है। गुदला और जलकुंभी व गंदगी के कारण उठने वाली दुर्गंध से आसपास के लोग एवं श्रद्धालु में बेजा आक्रोश है। ग्रामीणों ने सरकार से फूटा तालाब का सुंदरीकरण कराने की मांग की है। उधर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशीष सचान ने बताया तालाब की साफ-सफाई पंचायत व क्षेत्र पंचायत व अन्य मदों की धनराशि से जल्द कराई जाएगी।

ड्राई फ्रूट के दाम बढ़े | कीमतें बढ़ने से त्योहारी सीजन में लोग परेशान

होली पर महंगाई की मार, कीमतों में उछाल

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। होली पर इस बार लोगों को पकवान बनाने के लिए जेब और ढीली करनी पड़ रही है। खाद्य पदार्थों के दाम में लगभग दस फीसदी उछाल आया है। बेसन के दाम 70 रुपये से बढ़कर 80 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। तेल और डालडा के दाम भी बढ़ गए हैं। मौसम से प्रभावित फसलों के चलते दाम अधिक हो गए हैं। मैदा भी 35 से 40 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। ड्राई फ्रूट के दाम भी बढ़े हैं।

बुंदेलखंड में होली उत्साह के साथ मनाई जाती है। घरों में गुझिया, सेव, मटरी, दही बड़ा, पकौड़ा समेत अन्य पकवान बनाए जाते हैं। इसके लिए खाद्य सामग्री मेंदा, बेसन, तेल, घी, खोवा, चीनी, बूरा के साथ ही मूंग व उड़द की दाल की जरूरत होती है। लोग त्योहार की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन वस्तुओं के बढ़े दाम उनकी जेब पर असर डाल रहे हैं। पिछले वर्ष की अपेक्षा वस्तुओं के दाम अधिक हो गए हैं। सरसों का तेल जहां बीते वर्ष 95 रुपये प्रति किलो था, वह अब 115 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है। चीनी के दाम 38 रुपये प्रति किलो थे, जो अब 40 से 42 हो गए हैं।

मेवा के दाम भी बढ़े: मेवा भी लोगों का बजट गड़बड़ा रहा है। मखाने के दाम जहां 600 रुपये किलो थे, वह अब 1000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। छुहारा 200 से 400 रुपये प्रति किलो हो गया है। इसी प्रकार काजू भी 600 से 800 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है।

कचरी- पापड़ की सजी दुकान। अमृत विचार

खाद्य पदार्थों के दाम

मैदा	35 से 40
बेसन	80
रिफाइंड	110
डालडा	120
सरसों	115
चीनी	42
सूजी	40
बूरा	60
नोट कीमत प्रति किलो कीमत रुपये में है	

पोल्ट्रीफार्म में आग चूजों की हुई मौत

हमीरपुर। बिवांर थानाक्षेत्र के हमीरपुर-राठ मुख्यमार्ग पर नहर पुलिया के पास बने पोल्ट्रीफार्म में बुधवार तड़के अचानक आग लग गई। जिसमें 1530 चूजे व 50 बोरी उनका दाना जलकर राख हो गया। नलकूप चालू कराकर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया।

पोल्ट्रीफॉर्म के मालिक हमीद ने बताया कि खेत में नलकूप के पास उसने पोल्ट्रीफार्म बनाया हुआ है। जो दो सालों से संचालित है। बताया कि 1530 चूजे चार दिन पहले ही खरीद कर लाया था। बुधवार सुबह करीब सात बजे वह अपने बेटे साकिब के साथ खेत जा रहा था। रास्ते में एक व्यक्ति से बात करने लगा और उसका बेटा आगे निकल गया। यह तय है कि आग किसी ने लगाई है। क्योंकि वहां बिजली कनेक्शन भी नहीं है।

कर्ज से परेशान किसान ने लगाई फांसी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- अगले महीने होनी थी बिटिया की शादी
- बैंक व साहूकार का एक लाख से अधिक था कर्ज

अमृत विचार। जरिया थानाक्षेत्र के करियारी गांव निवासी गरीब किसान बेटी की शादी के चिंता में फंदा लगा जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना से परिवार में कोहराम मचा है।

गांव निवासी नंदराम यादव ने बताया कि उसका बड़ा भाई नंदकिशोर यादव (45) के नाम तीन बीघा जमीन है। भाई के पांच बेटी शिवानी, शालनी, कामनी, आरती व पायल है। बड़ी बेटी शिवानी (19) की शादी जनपद जालौन के बम्होरी गांव में तय की थी। 23 अप्रैल को शादी होनी तय थी। लेकिन, भाई बैंक व साहूकारों के करीब एक लाख का कर्ज था। जो बेटी की शादी को लेकर परेशान रहता था। बुधवार सुबह करीब 10 बजे उसने घर में फंदा लगा आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे फंदे में लटका देख आनन-फानन में उसे उतारकर सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उप निरीक्षक रमाकांत शुक्ला ने बताया कि आर्थिक तंगी से परेशान हो जान देने की जानकारी मिल रही है।

मृतक किसान फाइल फोटो

हादसे में युवक की मौत

राठ (हमीरपुर)। उरई मार्ग पर मंगरौठ मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक ने एक आटो में जोरदार टक्कर मार दी। आटो में सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जालौन जिले के कैलिया थाना क्षेत्र के बरहेल गांव निवासी सचिन पुत्र पुष्पेंद्र चिकासी गांव में अपने मामा हरगोविंद के यहां बीते 8 दिन पूर्व आया था। मंगलवार की शाम चिकासी से वह ऑटो में बैठकर राठ आ रहा था। राठ - उरई मार्ग पर मंगरौठ मोड के पास तेज रफ्तार एक ट्रक ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे हुए हादसे में ऑटो में सवार युवक सचिन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि सचिन अविवाहित था। सचिन अपने दो भाईयों में सबसे बडा था।

प्रशिक्षण के बजट को ठिकाने लगाने की कवायद: अखिलेश

प्राशिसं के जिलाध्यक्ष ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय ने सवालिया निशान लगाए हैं। उनका कहना है कि यह मात्र बजट को ठिकाने लगाने की कवायद है।

शिक्षक नेता ने कहा कि जैसे जैसे वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, वैसे वैसे शिक्षक प्रशिक्षणों की बाढ आ गई है। जो प्रशिक्षण पहले हो जाने चाहिए थे, उनको जानबूझकर परिषदीय परीक्षाओं के समय कराया जा रहा है। इससे कई विद्यालय एकल हो गए हैं और परीक्षाएं प्रभावित हो रही हैं। मूल्यांकन भी प्रभावित हो रहा है। जब ठीक से मूल्यांकन न होगा तो परीक्षाएं भी औपचारिकता बन जाएंगी और होनहार बच्चों के साथ नाइंसाफी होगी। अखिलेश ने बताया कि इस समय जिले के तीन ब्लाक संसाधन केंद्रों में समेकित शिक्षा, प्रबंध समिति आदि के प्रशिक्षण व डायट शिवरामपुर में परिषदीय परीक्षाओं के बीच पांच दिवसीय प्रशिक्षण चल रहा है।

बताया कि इसमें डिजिटल जानकारी और कंप्यूटर की जानकारी या रुचि वाले शिक्षकों का प्रशिक्षण होना था पर विज्ञान विषय के शिक्षकों को प्रशिक्षण कराया जा रहा है। जिन विद्यालयों मे कंप्यूटर, स्मार्ट टीवी, स्मार्ट डिजिटल बोर्ड हैं, ऐसे विद्यालयों के शिक्षकों का प्रशिक्षण न करवाकर अन्य का प्रशिक्षण कराया जा रहा है। इससे प्रशिक्षण की उपयोगिता पर ही प्रश्नचिह्न लग रहा है। विभागीय वार्षिक परीक्षा प्रशिक्षण की भेंट चढ़ रही है।

अखिलेश पांडेय ने कहा कि विभागीय अधिकारी डायट द्वारा प्रशिक्षण की रूपरेखा वार्षिक कैलेंडर में देने के बाद भी समय से प्रशिक्षण न करवाने की विफलता का दंड छात्र/छात्राओं को दिया जा रहा है। उनके अधिकार का हनन किया जा रहा है। सवाल किया कि जब जिम्मेदारों द्वारा वार्षिक परीक्षा के समय ऐसी असंवेदनशीलता की जाएगी तो कैसे सुधार संभव है।

21 को नामांकन और 27 मार्च को मतदान होगा

संवाददाता,अतर्रा

अमृत विचार: तहसील अधिवक्ता संघ के चुनाव को लेकर निर्वाचन अधिकारी ने तिथियों का ऐलान कर दिया है। 21 मार्च को नामांकन व 27 मार्च को मतदान होगा।

अधिवक्ता संघ में इस बार चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में मतदाताओं को प्रवासी-अप्रवासी अधिवक्ताओं के नाम काटे जाने पर उपजे विवाद में उत्तर प्रदेश बर काउंसिल के हस्तक्षेप के बाद अब स्थिति संभालती दिख रही है। हालांकि अभी भी अधिवक्ताओं में चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बुधवार को निर्वाचन अधिकारी राममिलन कुशवाहा ने बताया है कि 21 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन व 22 मार्च को जांच व पर्चा वापसी की जा सकेगी। जबकि 27 मार्च को मतदान कराया जाएगा। उसी दिन देर शाम मतगणना के बाद चुनाव परिणाम की घोषणा की जाएगी। निर्वाचन अधिकारी श्री कुशवाहा ने बताया कि गुरुवार को सुबह दस बजे से चार बजे तक अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महासचिव उपाध्यक्ष वरिष्ठ उपाध्यक्ष कोषाध्यक्ष सहित लगभग 22 पदों के लिए नामांकन दाखिल किए जाएंगे। चुनाव की तिथियां घोषित होने के बाद बुधवार को देर शाम अधिवक्ता अपने-अपने गुट के लिए प्रत्याशियों की नब्ज टटोलते दिखे। हालांकि अभी दूसरे गुट में जिस प्रकार से चुप्पी सधी हुई है। सूत्रों की माने तो उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के निर्देश को लेकर कुछ अधिवक्ता हाई कोर्ट गए हुए हैं। जहां से उन्हें पुराने मतदाता सूची के आधार पर चुनाव कराने के आदेश मिलने के आसार हैं।

रंग से सराबोर करने की परंपरा खत्म

संवाददाता सुमेरपुर

● माथे पर गुलाल से तिलक लगाने का बढ़ा चलन

अमृत विचार। आधुनिकता की चकाचौंध में जहां तमाम सामाजिक बदलाव हुए हैं वहीं त्योहारों के मायने भी बदले हैं। पूर्व में रंगों के पर्व में रंगों से सराबोर करने का रिवाज जगह- जगह था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। रंगों से सराबोर करने की जगह लोग अबीर से चेहरे को सुर्ख कर देते हैं। अथवा सूखा रंग हथेली में जरा से पानी में घोलकर चेहरे को पोत देते हैं। अब इसी तरह की होली के रंग जगह जगह दिखाई देते हैं। इससे बुजुर्ग काफी आहत है क्योंकि इस परंपरा में प्रेम उत्साह उमंग कम फूहड़पन कुछ ज्यादा है। यह सामाजिक दृष्टिकोण से शोभायमान नहीं है।

रंगों के पर्व होली की बात चलते ही विदोखर के बुजुर्ग फाग गायक अमर सिंह पुरानी यादों में खो जाते हैं। उन्होंने कुछ याद करते हुए बताया कि तब और अब में बहुत अंतर है। तब लोगों के अंदर उत्साह उमंग प्रेम सौहार्द दिखता था। लोग एक दूसरे के आने का बेसब्री से इंतजार करते थे और सामने आते ही शिष्टाचार के साथ गहरे रंगों से एक दूसरे को सराबोर करके गले से लगा लेते थे। अब ऐसा नहीं है। अब रंगों से सराबोर करने का सिलसिला थम सा गया है।

लोग अबीर लगाकर पर्व की रस्म अदायगी कर लेते हैं। कस्बा निवासी राजेंद्र निगम दद्दा कहते हैं कि प्रेम उत्साह उमंग के इस पर्व को युवा वर्ग ने बुरी तरह से बर्बाद कर दिया है। होली के पर्व को युवाओं ने हुडदंग का रूप दे दिया है जबकि ऐसा नहीं है। यह पर्व हुडदंग मचाने का नहीं बल्कि एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्साह जताने का है। कभी होली पर्व पर रंगों की भरमार होती थी। यह गुजरे जमाने जैसा हो गया है। रंगों की जगह लोग तरह-तरह के अन्य केमिकल रंगों को लाकर होली के रंग को बदरंग कर दिया है।

82 स्थान पर होगा होलिका दहन

सुमेरपुर। थाना क्षेत्र में कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों के 82 स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा। पुलिस ने सभी स्थानों का सत्यापन कराकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में कस्बा सहित 82 स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा। सभी स्थानों का सत्यापन कराकर सुरक्षा की रूपरेखा तय कर दी गई है। किसी भी स्थान पर किसी तरह का विवाद नहीं है। उधर होली पर्व नजदीक आते ही होली बढ़ाने का कार्य तेज हो गया है। पं. उमादत्त शास्त्री ने बताया कि रविवार को रात 10 .28 बजे के बाद से होलिका दहन किया जाएगा।

श्रद्धांजलि दी...

उरई। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद ब्रजलाल खाबरी के पिता आशाराम चौधरी की बुधवार को त्रयोदशी पर राजनीति से जुड़े लोगों का जमावड़ा रहा। त्रयोदशी के भण्डार का आयोजन जालौन चौराहा के पास एक पैलेस में किया गया। जिसमें हजारों लोगों का जनसैलाब देखा गया। यहां पहुंचे लोगों ने चौधरी को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान घनश्याम अनुरागी पूर्व सांसद जिला पंचायत अध्यक्ष, गिरजा चौधरी नगर पालिका अध्यक्ष, नन्नू राजा वरिष्ठ सपा नेता, वीरपाल सिंह यादव पूर्व जिलाध्यक्ष सपा, दीपराज गुर्जर जिला अध्यक्ष सपा, दिपांशु समाधियां जिला अध्यक्ष कांग्रेस, विजय चौधरी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष, ब्रजमोहन अहिरवार अनुसूचित मोर्चा सपा प्रदेश सचिव, राम अवतार शिक्षक प्रदेश प्रान्तीय संघ, झांसी से लेकर भोगनीपुर तक पूरे बुन्देलखण्ड में हर पार्टी और हर समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर भोज भण्डार में हिस्सा लिया। ● अमृत विचार

हर हाल में कन्या भ्रूण हत्या रुके

कार्यालय संवाददाता,बांदा

शिविर को संबोधित करतीं कृषि विश्वविद्यालय की प्रवक्ता। अमृत विचार

अमृत विचार: राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम, द्वितीय व तृतीय इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन स्वयंसेवी छात्राओं को लिंग समानता के साथ अधिकारों, जिम्मेदारी और पीसीपीएनडीटी एक्ट की जानकारी दी गई। कैंप फायर में स्वयंसेवी छात्राओं ने आकर्षक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए देश के विभिन्न राज्यों के संस्कृति की झलक दिखाई।

राजकीय महिला महाविद्यालय एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन बुधवार को तीनों इकाइयों कार्यक्रम अधिकारी डा.सबीहा रहमानी, ज्योति मिश्रा और अंकिता तिवारी की अगुवाई में छात्राओं को लिंग समानता क्या है। अधिकार व जिम्मेदारियां, और पीसीपीएनडीटी एक्ट की जानकारी दी गई। शाम को कैंप फायर कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए मंत्रमुग्ध कर दिया। कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय

● कैंप फायर में छात्राओं ने प्रस्तुत किए मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम

सामुदायिक विज्ञान एसोसिएट प्रो. वंदना कुमारी ने कहा कि समाज के विकास के लिये लैंगिक समानता जरूरी है। महिला और पुरुष समाज के मूल आधार हैं। समाज में लैंगिक असमानता सोच-समझकर बनाई गई एक खाई है। समानता के स्तर को प्राप्त करने का सफर बहुत मुश्किल हो जाता है। बताया कि संसद ने पीसीपीएनडीटी एक्ट पास करके जन्म से पूर्व शिशु लिंग जांच को गैर कानूनी घोषित किया है। प्राचार्य डा.दीपाली गुप्ता ने कहा कि समाज की मानसिकता में परिवर्तन आ रहा है। महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर गंभीरता से विमर्श हो रहा है। कन्या भ्रूण हत्या समाज को असंतुलित कर रही है। महिला सशक्तिकरण को हासिल करने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर भी प्रयास करना होगा। बताया कि सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन गुरूवार को होगा। इस मौके पर डा.जितेंद्र शर्मा, डा.माया वर्मा, डा.जय कुमार चैरसिया, डा.विनोद सिंह चंदेल, डा.जय प्रकाश सिंह, डा.शशिभूषण मिश्र, डा.जयंती सिंह, डा.विनय पटेल रहे।

ट्रेन से गिरे युवक की हुई मौत, कोहराम

बांदा: अंबेडकर नगर एक्सप्रेस से ट्रेन से वापस लौट रहा युवक अचानक ट्रेन से नीचे जा गिरा और चपेट में आकर ट्रेन से कट गया। सुबह उसका शव रेलवे ट्रैक पर मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

देहात कोतवाली क्षेत्र के जारी गांव निवासी प्रेमप्रकाश (29) पुत्र कमतू दिल्ली में रहकर काम कर रहा था। मंगलवार को वह अंबेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रहा था, तभी खुरहंड और गड़रा नाले के बीच वह ट्रेन से नीचे गिरकर कट गया, इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह होने पर लोगों ने शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रेमप्रकाश दिल्ली में काम कर रहा था। तीन माह बाद वह घर वापस आ रहा था। छह भाइयों में तीसरे नंबर का होने के साथ ही अविवाहित था।

मौसम की मार से आम की फसल भी चौपट

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

आम के पेड़ में लगी बौर।

अमृत विचार। मौसम के बदलाव का असर कई फसलों पर पड़ा है। इस वर्ष अब आम के पेड़ों पर बौर आने शुरू हुए हैं। जबकि तापमान भी बढ़ रहा है। इससे आम की फसल भी काफी प्रभावित होने के आसार हैं।

इस वर्ष लगातार बदल रहे मौसम ने कमोवेश सभी फसलों पर असर डाला है। बीते माह में दो बार व इस माह पहले सप्ताह में बेमौसम बारिश ने रबी की सभी फसलों को प्रभावित किया। इसके अलावा सब्जी की अन्य फसलों पर काफी प्रतिकूल असर डाला है। इसके अलावा आम की फसल अपने समय पर तैयार होंगी। लिहाजा आम का साइज छोटा हो सकता है जिससे पैदावार काफी कम हो सकती है। टोलाखंगारन गांव के पवन सिंह परिहार ने बताया कि हर वर्ष अब तक आम के टिकोरे तैयार होने लगते थे जबकि इस वर्ष अब बौर आ रहे हैं। मौसम गर्म होने के कारण आम की फसल प्रभावित होने के आसार हैं। बचरौली निवासी किसान रामसजीवन ने बताया कि एक माह विलंब से आम की फसलों पर बौर आया है। लेकिन इस बीच अचानक तापमान बढ़ने के कारण बौर काफी देर से आया है। नुकसान होना तय है।

> आम की बौर आने लगी है। तापमान बढ़ने से आम की बौर सूखने का डर है। आम की पैदावार पर पड़ सकता है।
>
> – डा हरिशंकर, जिला कृषि अधिकारी

आत्महत्या के लिए उकसाने में तीन भाइयों को कारावास

कार्यालय संवाददाता,चित्रकूट

● सात-सात वर्ष कारावास पांच हजार रुपये अर्थदंड

अमृत विचार। विवाहिता को आत्महत्या के लिए उकसाने में दोषी तीन सगे भाइयों को सत्र न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम ने सात-सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई। प्रत्येक को पांच-पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी दिया। तीनों रिश्ते में मृतका के जेठ हैं। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि 29 मई 2022 को कमासिन (बांदा) के अंदौरा गांव निवासी रोहित कुमार यादव ने पहाड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने वर्ष 2014 में बहन केता देवी की शादी थाना क्षेत्र के भंभौर के महुटा रूपौली लोखरिहापुरवा निवासी रविकरण से की थी। 27 मई 2022 की शाम केता का सास के साथ विवाद हुआ। बहन के जेठ शिवमोहन यादव ने उसे लाठी से मारा।

आत्महत्या का रूप देने के लिए ससुरालीजनों ने उसे आग लगा दी। उसने केता के जेठ शिवमोहन, गोरेलाल व राजा यादव आदि के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

साथ ही न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया था। पुलिस ने विवेचना में पाया था कि जेठ द्वारा पीटे जाने से व्यथित होकर केता ने आग लगाकर जान दे दी थी। इस मामले में मृतका के पति और आरोपियों के सबसे छोटे भाई रविकरण ने भी गवाही दी थी।

बेटी की शादी का कार्ड देने जा रहे पिता की मौत

पैलानी: बेटी की शादी के निमंत्रण कार्ड बांटने गए पिता की बैलगाड़ी पलटने से मौत हो गई। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

जसपुरा थाना क्षेत्र के रामलाल का डेरा मजरा अमारा निवासी जयराम निषाद (45) अपनी बेटी रागिनी की शादी का निमंत्रण कार्ड देने घर से पैलानी थाना क्षेत्र के ग्राम सांडी जा रहा था।अचानक बैलगाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह केन नदी की चढ़ाई में पलट गई और ऊपर से मिट्टी खिसककर उसके ऊपर आ गई जिसमे दबकर उसकी दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों ने जब यह घटना देखी तो मृतक जयराम के जेब मैं पड़े मोबाइल के माध्यम से परिजनों को घटना की सूचना दी। मृतक के बेटे मुन्ना निषाद ने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रत्याशी चंदेल का किया स्वागत

संवाददाता, कुरारा हमीरपुर

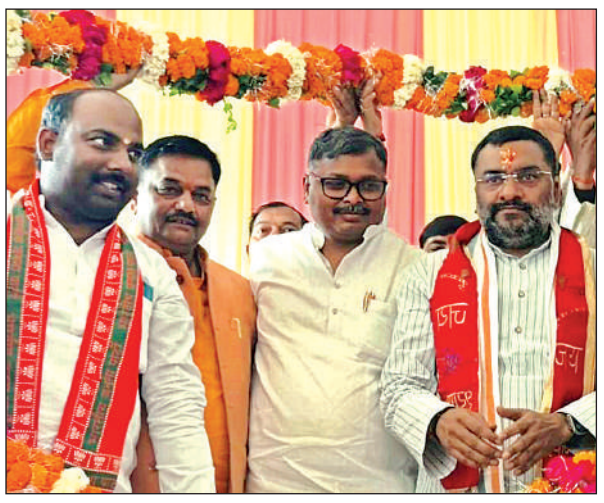

सांसद का माला पहनाकर स्वागत करते विधायक व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बे के एक गेस्ट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल का स्वागत किया।

लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही पार्टी संगठन और घोषित प्रत्याशियों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। वहीं तीसरी बार भाजपा से प्रत्याशी घोषित हुए सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल का कस्बे के एक गेस्ट हाउस में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल ने किया। सांसद ने कहा सभी कार्यकर्ता गांवों में जाकर सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाएं और उन्हें जागरूक करें साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, आयुष्मान गोल्डन कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि, पीएम आवास योजना, मुफ्त सिलिंडर आदि के बारे में जागरूक करने के लिए कहा। आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील की। कार्यक्रम में सदर विधायक मनोज कुमार प्रजापति, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, पूर्व जिला पंचायत महोबा राकेश यादव, केशव बाबू शिवहरे, नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर, मोहन कुशवाहा, प्रवीण कुमार, सूरज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

शराब के साथ युवक गिरफ्तार

राठ। जरिया पुलिस ने अमूंद गांव निवासी संतोष राजपूत के यहां छापा मारा। मौके से पुलिस ने करीब 30 लीटर अवैध शराब बरामद की है। इसके अलावा पुलिस ने शराब बनाने के उपकरण बरामद किए। पुलिस ने आरोपी युवक को जेल भेज दिया है।

छत गिरने से मजूदर घायल

राठ। कोतवाली के धनौरी गांव में मकान निर्माण के दौरान छत गिरने से चार मजदूर घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह करीब 11 बजे धनौरी गांव निवासी जयसिंह पुत्र सुम्मेरा, रमसी पुत्र कढ़ोरा, प्रकाश पुत्र मुन्नी लाल निवासी भरवारा और विश्वनाथ पुत्र हरदयाल एक मकान में काम कर रहे थे। बताया जाता है कि अचानक मकान की छत गिर गई। जिससे मजदूर घायल हो गए।

एसपी ने विवेचकों के काम की समीक्षा की

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने कोतवाली में थाना कोतवाली, बहिलपुरवा, भरतकूप व महिला थाना के विवेचकों के कामों की समीक्षा की। विवेचकों को गुणदोष के आधार पर विवेचनाओं के निस्तारण के लिए निर्देश दिए। इस मौके पर सीओ राजकमल, प्रभारी निरीक्षक उपेंद्र प्रताप सिंह, निरीक्षक अपराध राकेश कुमार सिंह, थानाध्यक्ष बहिलपुरवा राम सिंह, भरतकूप प्रवीण कुमार सिंह, महिला थानाध्यक्ष सविता सरोज, चौकी प्रभारी सीतापुर गौरव तिवारी, शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

नशे में ठेके के पास पड़ा मिला सिपाही

हमीरपुर। चित्रकूट कारागार में लिपिक के साथ मारपीट में निलंबित सिपाही जिला कारागार में संबद्ध है। वह वर्दी में देशी ठेके के बाहर सड़क पर नशे की हालत में पड़ा मिला। बावर्दी सिपाही के पड़े होने पर लोगों ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया।शहर में बस स्टैंड के निकट बंद पड़ी टाकीज परिसर में देशी शराब का ठेका है। यहां एक सिपाही नशे की हालत में पड़ा मिला। काफी प्रयास के बाद सिपाही ने अपना नाम अजय सिंह निवासी मुजफ्फरनगर बताया। उसने बताया कि वह जिला कारागार में निरुद्ध है। इस मामले में जेलर केपी चंदीला ने बताया कि चित्रकूट में इस सिपाही ने एक लिपिक के साथ मारपीट की थी। इस पर निलंबन की कार्रवाई हुई तो यहां संबद्ध कर दिया गया है। इस मामले की वह जांच कर रहे हैं।

गौरैया के संरक्षण को किया जागरूक

राठ। विश्व गौरैया दिवस पर वन विभाग की टीम ने नगर के बारह खंबा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय कि छात्राओं को जागरूक किया। छात्राओं ने गौरैया को बचाने की शपथ ली। वन रेंज अधिकारी सत्येंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि गौरैया हमारे यहां की बहुत प्रिय प्रजाति के पक्षियों में शामिल है। हमें गौरैया के संरक्षण के लिए अपने घरों के दरवाजों, छतों व पेड़ों पर घोसला बनाकर उसमें अनाज के दाना, पानी आदि की व्यवस्था कर इनका बचाव करना है। विद्यालय की वार्डन अलका प्रजापति, डिप्टी रेंजर ऋषभ मिश्रा, वन दारोगा सतीश कुमार, रेंज लिपिक हिरदेश यादव रहे।

रिपोर्ट की धमकी, युवक ने खाया जहर

राठ (हमीरपुर)। जरिया थाना अंतर्गत बीरा गांव के निवासी सुरेश कुमार पुत्र खूबचंद ने घर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। सुरेश कुमार ने बताया गांव के कुछ लोग उससे पुराने झगड़े की वजह से रंजिश मानते हैं। अपने घर की महिलाओं से उसके विरुद्ध थाने में फर्जी छेड़खानी का मुकदमा दर्ज करना चाहते हैं। उन लोगों ने उसके विरुद्ध जरिया थाने में प्रार्थना पत्र भी दिया है। जिससे भयभीत होकर उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर अपनी जान देने का प्रयास किया।

दंपति को दोबारा पीटा, रिपोर्ट

राठ हमीरपुर। पथनौडी गांव की निवासी महिला कस्तूरी पत्नी शिवकुमार ने राठ कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि वह अपने घर में घरेलू कार्य कर रही थी। तभी भारत कुमार और कस्बा खेड़ा का निवासी प्रेमचंद जबरन उसके घर में घुस आए और उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट करने लगे।

अभियान | तहसीलदार ने बताई मोटे अनाज की उपयोगिता,कुर्रा गांव में एनएसएस का कैंप लगा

मोटे अनाज से शरीर को मिलता भरपूर पोषण

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

एनएसएस शिविर को संबोधित करते तहसीलदार भूपेंद्र कुमार। अमृत विचार

अमृत विचार। कुर्रा गांव में चल रहे ब्रह्मानंद महाविद्यालय के एनएसएस कैंप के पांचवें दिन तहसीलदार पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने स्वामी ब्रहमानंद महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर की। इसके बाद स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत और सद्भावना गीत प्रस्तुत किया गया।

तहसीलदार भूपेंद्र कुमार ने खाद्य सुरक्षा और पोषण को लेकर मोटे अनाजों के योगदान विषय पर अपने विचार रखे। कहा

कि मोटे अनाज मक्का, ज्वार, बाजरा, मंडुआ, सावा आदि अनाजों को प्रत्येक व्यक्ति को खाना चाहिए। इस अनाज के खाने से शरीर को समुचित पोषण मिलता है। जिससे डायबिटीज जैसे बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. जितेंद्र सिंह ने कहा कि मोटे अनाज को धान और गेहूं की तुलना में उत्पादन के लिए बहुत कम पानी की जरूरत होती है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दुर्गेश ने कहा की मोटे अनाज मतलब ज्वार बाजरा रागी कोदों आदि से है। आज के समय में लोगों ने गेहूं और चावल को अपनी थाली में सजा लिया और मोटे अनाज को खुद से दूर कर दिया। इस दौरान महाविद्यालय प्रो. हल्के प्रसाद, डा. रामप्रकाश, डा. राजेंद्र, डा. बलवंत सिंह, डा.आरबी शर्मा सहित कुछ स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं ने अपने विचार रखे। इस दौरान स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने मोटे अनाजों को प्रतिदिन के लिए प्रयोग में लाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। गोष्ठी के बाद जागरुकता रैली निकाली गई। नवीन कुमार, प्रिंस कुमार, आशीष, जीतेंद्र कुमार, आशीष सोनी,रिया गुप्ता, मोनिका राजपूत, रत्नेश, प्रशांत, दीपका, संदीप, कृषका, उपासना, आदित्य सक्सेना, महेश, महेंद्र, कामेश, कृष्णकांत, अभिषेक कुमार, अमित, संजीव, विनय आदि लोग रहे।

गुमटी में लगाई आग, 50 हजार का सामान राख

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

आम के पेड़ में लगी बौर।

अमृत विचार। मंगलवार की रात अराजक तत्वों ने एक गुमटी में आग लगा दी। इससे करीब पचास हजार का सामान जलकर राख हो गया। दुकानदार ने थाने में तहरीर दी है।

जानकारी के अनुसार लोहदा रोड स्थित एक जनरल स्टोर की गुमटी में रात में किसी ने आग लगा दी, जिससे गुमटी सहित पचास हजार का सामान राख हो गया।

पीड़ित दुकानदार आकाश कुशवाहा निवासी लोहदा रोड पहाड़ी ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। बताया कि वह अपने घर के पास ही लकड़ी की गुमटी में नमकीन, पानी गुटखा आदि रखकर बेचता था। रोजाना की तरह मंगलवार की रात दुकान बंद कर घर चला गया था। रात में करीब बारह बजे बजरंग चौराहे पर तैनात पुलिसकर्मियों ने गुमटी से आग निकलते देखी तो उसे सूचना दी। जबतक आग पर काबू पाया जाता, गुमटी व सामान जलकर राख हो गया। बताया कि वह गुमटी के सहारे ही जीविकोपार्जन करता था। उसने प्रशासन से मदद की गुहार की है।

सावधान! आप सिंथेटिक खोवा तो नहीं खरीद रहे

अधिकारी बोले, मिलावट करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई, अभियान चलाकर जांच रहे नमूना

संवाददाता कालपी (जालौन)

अमृत विचार। होली पर्व में गुझिया बनाने से लेकर अन्य मिष्ठान में खोवा का भरपूर उपयोग होता है। ऐसे में पर्व पर खोवा की मांग काफी बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटखोर भी सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में लोगों को खोवा खरीदते समय विशेष सवाधानी बरतनी चाहिए।

लोगों ने बताया कि वे बाजार से खोवा खरीदकर लाए तो वह तुरंत खराब हो गया यानि वह मिलावटी और सिंथेटिक खोवा था। चूंकि बुंदेलखंड की विख्यात कालपी मंडी के खोवा के लिए मसहूर है। खोवा के आढ़ती त्योहार का फायदा उठाकर मिलावटी खोवा बेंच कर कालपी के मशहूर खोवा का नाम खराब कर रहे हैं। ज्यों-ज्यों होली का त्योहार नजदीक आता जा रहा है, बाजार में खोया की दुकानें सजने लगी हैं। खोया की इस त्यौहार में आम दिनों की अपेक्षा 50 फीसदी अधिक मांग बढ़ गई है, लेकिन बाजार में बिकने वाला खोवा की गुणवत्ता को लेकर प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। होली मात्र 4 दिन दूर है और परिवारों में इसकी तैयारियां शुरू हो गयी हैं, ऐसे में बाजार में मिलावटी खोवा की भरमार हो गई है। लोग शुद्ध खोवा के नाम पर मिलावटी खरीदने को मजबूर हैं।

मंडी में बिकने के लिए आया खोवा। अमृत विचार

ऐसे बनता है सिंथेटिक खोवा

जानकार बताते हैं कि इसे बनाने में दूध, ग्लूकोस व रिफाइंड का इस्तेमाल किया जाता है। दूध, पानी व ग्लूकोस के घोल में रिफाइंड या पाम ऑयल मिलाकर नकली खोवा तैयार किया जाता है। इसे खराब होने से बचाने के लिए चीनी के साथ केमिकल और हाइड्रोजन परॉक्साइड का प्रयोग किया जाता है। इसकी पहचान प्रयोगशाला में ही संभव है।

लोग बोले, जल्दी खराब हो रहा खोवा

सोचा था कि अभी त्योहार में कुछ दिन शेष हैं, अच्छा खोवा मिल जायेगा, लेकिन खोया कढ़ाई में ही बदबू मारने लगा। -पवन

खोवामण्डी में एक दुकान से खोवा खरीदा, लेकिन फ्रिज में रखने के बाद भी दूसरे दिन बदबू देने लगा। - आशू

बाजार से खरीदे खोवा में चिकनाहट ही नहीं थी, गर्म करने पर कढ़ाई में ही बिखर गया। -आयुष

अगर खोया की यही क्वालिटी रही तो लोग बीमार हुए बिना नहीं रह सकते। -राकेश

क्या कहते हैं अधिकारी

खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कहना है कि बाजार में खाद्य पदार्थों की जांच का अभियान शुरू करा दिया गया है। मिलावट करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। अभियान में सभी खाद्य पदार्थों के नमूने भरे जाएंगे।

खोवा और मिठाइयों के लिए नमूने

कार्यालय संवाददाता, उरई (जालौन)

अमृत विचार। होली पर्व में लोगों को मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मुश्तैद है। विभाग द्वारा दुकानों में जाकर संदिग्ध खाद्य पदार्थों के सैम्पल लिए जा रहे हैं। बुधवार को भी टीम ने अभियान चलाकर उरई नगर पालिका में खाद्य कारोबारियों के प्रतिष्ठान से निरीक्षण कर सैम्पल भरने की कार्रवाई की। टीम ने जवाहर गंज उरई में स्थित राठौर किराना स्टोर प्रो. सन्दीप कुमार के परिसर से खाद्य पदार्थ बेसन व मैदा का नमूना संग्रहित किया गया। जवाहर गंज उरई में स्थित प्रदीप कुमार के परिसर से खाद्य पदार्थ चिप्स का नमूना संग्रहित किया गया। जवाहर गंज उरई में स्थित सुशील टिकरिया के परिसर से खाद्य पदार्थ मैदा, कचरी का नमूना संग्रहित किया गया। जवाहर गंज उरई में स्थित राजाराम राठौर के परिसर से खाद्य पदार्थ सरसों के तेल का नमूना संग्रहित किया गया। खोवा मण्डी बल्दाऊ चौक में स्थित उमाशंकर के परिसर से खाद्य पदार्थ खोवा का नमूना संग्रहित किया गया। खोवा मण्डी बल्दाऊ चौक में स्थित वैभव गुप्ता के परिसर से खाद्य पदार्थ खोवा के 02 नमूने संग्रहित किये गये। गोपालगंज सब्जी मण्डी के पास स्थित फर्म अनिल कुमार के परिसर से खाद्य पदार्थ रिफाइन्ड पाम ऑयल, सरसों का तेल, सोया कन्च, बेसन, पामोलिन ऑयल के 05 नमूने संग्रहित किये गये। राजमार्ग उरई में स्थित बच्चाराम स्वीट हाउस के परिसर से खाद्य पदार्थ इमरती, नमकीन, पेठा, वर्फी के कुल 04 नमूने संग्रहित किये गये। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय डॉ. जतिन कुमार सिंह ने बताया कि संग्रहित खाद्य नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं तथा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। नगर मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल के नेतृत्व में आलोक कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सुनील कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी व कन्हैयालाल यादव खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अनिल कुमार शंखवार मौजूद रहे।

एक प्रतिष्ठान से नमूने लेती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम। अमृत विचार

मध्यस्थ को नोटिस भेजकर बुलाएं

कार्यालय संवाददाता उरई

- राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने की बैठक
- मध्यस्थता कार्य में आ रही बाधाओं को जाना

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सुलह योग्य लम्बित मामलों के शीघ्र निस्तारण और मध्यस्थता के कार्य में गतिशीलता लाये जाने के उद्देश्य से बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव महेन्द्र कुमार रावत ने न्यायिक प्रतिष्ठान स्थित सुलह-समझौता केन्द्र के मध्यस्थों की बैठक ली। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मध्यस्थों से वार्ता करते हुये मध्यस्थता कार्य में आ रही बाधाओं को जाना समझा और उनके समाधान हेतु परामर्श भी दिया। अभी भी कुछ प्रकरण में पक्षकार उपस्थित नहीं हो रहे हैं यह तथ्य संज्ञान में आने पर सचिव महेन्द्र कुमार रावत ने मध्यस्थों का ध्यान आकर्षित कराते हुये कहा कि मध्यस्थता नियमावली की अनुसूची-4 में प्राविधानिक व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। सम्बन्धित पक्षकार को नोटिस प्रेषित कर मध्यस्थता की कार्रवाई में उपस्थित होने हेतु सूचित किया जाये। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा इस बात पर विशेष बल दिया गया कि सभी मध्यस्थगण यह सुनिश्चित करें कि पक्षकारों से अधिक से अधिक सुलह समझौता करवाने का प्रयास किया जाये ताकि कोई भी पीड़ित व्यक्ति या वादकारी न हो जो किसी प्रकार की विधिक सहायता से वंचित रह जाये।

जानकारी देते विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव। अमृत विचार

स्कूटी जलाने पर अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कालपी जालौन। बीती रात को घर के बाहर खड़ी स्कूटी को जलाने की घटना के मामले में पीड़ित महिला के द्वारा अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कोतवाली में आगजनी की धारा में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बैरई निवासिनी गंगाजली पत्नी शिवधार सिंह ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है वादिनी की स्कूटी नंबर यूपी 92 ए ई 8084 अपने घर के बाहर खड़ी हुई थी। तभी रात में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा स्कूटी में को आग लगाकर जला दिया गया है। पुलिस ने जुर्म धारा 435 आईपीसी के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस प्रकरण की विवेचना उप निरीक्षक वसीम अहमद को सौंपी गई है।

बड़े बकायेदारों के काटे बिजली कनेक्शन

संवाददाता कालपी (जालौन)

अमृत विचार। प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन के निर्देश पर विद्युत विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों की 4 अलग अलग टीमों के द्वारा बड़े बकायेदार उपभोक्ताओं से वसूली अभियान चलाया गया। इस दौरान ज्यादा बकायेदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई। उपखंड अधिकारी आदर्श राज ने बताया कि विद्युत देय राशि की वसूली करने के लिए विभाग गंभीर है। उन्होंने कहा कि पॉवर कॉरपोरेशन के निर्देश पर 5 बड़े बकायेदारों को इसबार रडार में लिया गया है। कालपी के अवर अभियंता जितेंद्र कुमार वर्मा, महेवा के अवर अभियंता अमन खान, न्यामतपुर के अवर अभियंता नवनीत कुमार, टीजीटू भूपेंद्र कुमार के नेतृत्व में गठित विभागीय टीमों ने चिन्हित बड़े बकायेदारों के आवासों तथा प्रतिष्ठानों में चेकिंग की तथा बकाया विद्युत देय राशि को जमा करने के लिए अभियान चलाया। उपखंड अधिकारी ने बताया कि चिन्हित बकायदारों के संयोजनों को विच्छेद करने की कार्रवाई की गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक टरनंनगंज, राम चबूतरा, हरीगंज महमूदपुरा, बड़ा बाजार आदि मुहल्लों में वसूली अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभाग के द्वारा चार लाख से अधिक राजस्व वसूली की गई। इस दौरान रिंकू पोरवाल, दिलीप कुमार, फ़हमीद खान, एके निगम आदि लाइन मैन तथा कर्मचारी अभियान में जुटे रहे।

बिजली कनेक्शन काटता कर्मचारी। अमृत विचार

- टरनंनगंज, राम चबूतरा, हरीगंज, महमूदपुरा, बड़ा बाजार में की गई कार्रवाई

कार्रवाई से मचा हड़कंप

संवाददाता माधौगढ़ जालौन, अमृत विचार। माधौगढ़ में एसडीओ अभिषेक सोनकर कि अगुवाई में राजस्व वसूली को लेकर बिजली चेकिंग अभियान चलाया गया। मार्च क्लोजिंग के कारण बिजली विभाग के अधिकारी अब सख्ती पर उतर आये हैं। माधौगढ़ के एसडीओ अभिषेक सोनकर की देखरेख में नगर क्षेत्र में कई जगहों पर गए और बकाया बिल जमा करने के लिए अभियान चलाया और अभियान देर शाम तक चलता रहा साथ ही टीम ने कई बकायेदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन भी काटने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई होने पर उपभोक्ताओं में हड़कम्प मच गया। इस पर निर्देश दिये की बकाया बिल के लिए पूरे मार्च महीने तक डोर टू डोर बिजली चेकिंग करें और राजस्व वसूली जमा करवायें। टीम में एसडीओ अभिषेक सोनकर, जेई संजय कुमार वर्मा, लाईनमैन राघवेंद्र कुमार, राजेश कुमार वर्मा, सनी, दिनेश कुमार सहित कई बिजली कर्मचारी मौजूद रहे।

एक नजर

शस्त्र बनाते दो पकड़े गए

उरई। कोतवाली उरई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर दो शातिर आरोपियों को अवैध शस्त्र बनाते हुये गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से मौके पर निर्मित अवैध शस्त्र व शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किये है। कोतवाली उरई पुलिस द्वारा कोतवाली क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर बुधवार को यूपी एसआईडीसी रोड के किनारे ट्यूटबैल के कमरे से दो आरोपियों को निर्मित अवैध शस्त्र व शस्त्र बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये आरोपियों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। पुलिस द्वारा पकड़े गये आरोपियों में आनन्द राजपूत उर्फ बापू पुत्र श्याम सिंह निवासी ऐर थाना डकोर हाल पता मौनी मन्दिर के पास उरई, रामकिशोर उर्फ हीरो पुत्र सत्यनारायन राजपूत निवासी करमेर थाना आटा हाल पता नया राजेन्द्र नगर रेलवे कालोनी बालघर स्कूल के पास कस्बा उरई बताये जा रहे है।

शराब सहित युवक गिरफ्तार

कालपी जालौन। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब का धंधा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को फिर कालपी पुलिस ने एक युवक को 50 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

दो महिलाओं ने सवा लाख के गहने उड़ाए, जांच शुरू

सीसीटीवी फुटेज में नजर आईं टप्पेबाजी की आरोपित महिलाएं। अमृत विचार

संवाददाता उरई

अमृत विचार। तनिष्क ज्वैलरी की दुकान में दोपहर के समय दो महिलाएं ग्राहक बनकर पहुंची, जिनमें एक महिला का मुंह खुला था और दूसरी महिला घूंघट में थी, दोनों महिलाओं ने तनिष्क ज्वैलर की दुकान में बैठे दुकानदार के लड़के राजा से कान के सोने के टॉप्स दिखाने को कहा, तो ज्वैलर्स ने उन्हें डिजाइन पसंद करने के लिए कई जोड़ टॉप्स दिखाए। एक महिला टॉप्स देखती रही और दूसरी दुकानदार को बातों में उलझाए रही। इसी बीच टॉप्स देख रही महिला ने पांच जोड़ी टॉप्स उड़ा दिए, और टॉप्स पसंद न आने का बहाना बनाकर बिना कुछ खरीदे चली गईं। ज्वैलर्स ने टप्पेबाजी की सूचना कोतवाली पुलिस को दी, पहुंची पुलिस ने दुकान के सीसीटीवी फुटेज देखे, जिसमें दो महिलाएं दिखाई दी, फुटेज के आधार पर पीड़ित ज्वैलर्स की दुकान से चंद्र कुवा चौराहे तक के रास्ते में लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाले, मगर पुलिस को महिलाओं का कोई पता नहीं चला।

एसडीएम, सीओ ने गौशाला का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं देखीं

संवाददाता कालपी

अमृत विचार। बुधवार को कालपी उप जिलाधिकारी हेमंत पटेल और क्षेत्राधिकारी डा. देवेंद्र पचौरी ने कदौरा गल्लामंडी और कान्हा गोशाला कदौरा का औचक निरीक्षण किया। इतना ही नहीं उन्होंने एक एक मामले की गहनता से छानबीन की।

उन्होंने वहां पानी बिजली और स्टॉक आदि के अलावा आने वाली और किसका कहां इस्तेमाल होता है उसकी भी बारीकी से छानबीन की। पटेल और डा पचौरी दोनों अधिकारी जब कान्हा गोशाला कदौरा पहुंचे तो वहां उन्होंने वहां की हर व्यवस्था को गंभीरता से देखा उन्होंने वहां की सड़क, भूसा स्टोर, और स्टॉक भी चेक किया कितने पशु हैं और कितने कर्मचारी किस कार्य में लगाये गए हैं। इसके बाद अधिकारी गल्ला मंडी पहुंचे जहां जिन्स की आवक देखी और हर व्यवस्था को भी देखा जो ठीक मिला उसे और ठीक करने के लिए कहा जहां कमियां मिली उसे बिल्कुल ठीक करने की बात कही।

गाय को दफनाने के लिए गड्ढा खोदते हुए। अमृत विचार

गौशाला में बीमारी से गाय की मौत, दफनाया

संवाददाता कुठौंद जालौन, अमृत विचार। विकास खंड कुठौद के नोरेजपुर की गौशाला में काफी दिन से बीमार चल रही गाय का पशु चिकित्सा अधिकारी के द्वारा काफी इलाज करने के बाद भी गाय ने दम तोड़ दिया। मृत गाय को मिशन अखंड भारत गोरक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेश तिवारी, ग्राम विकास अधिकारी मोहित सचान, ग्राम प्रधान की उपस्थिति में दफन कराया गया।

800 उपभोक्ताओं ने नहीं जमा किया नलकूप का बकाया बिल

संवाददाता कालपी

अमृत विचार। विद्युत विभाग के ज्यादातर नलकूप उपभोक्ता विभाग की मुफ्त बिजली योजना का लाभ नहीं ले सकेंगे। ओटीएस योजना के बाद भी अभी तक 800 उपभोक्ताओं ने अपना बकाया जमा नहीं किया है। विदित हो कि प्रदेश सरकार ने 1 अप्रैल 2023 से नलकूप उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है लेकिन इसके लिए उन्हें 31 मार्च 2023 तक का बकाया जमा करना होगा और विभाग ने किसानों को इस योजना का लाभ लेने के लिए एकमुश्त समाधान योजना भी लागू की थी। इस योजना के लाभ के प्रति गम्भीर नहीं है। आलम यह है कि अभी तक महज 700 नलकूप उपभोक्ताओं ने ही इस योजना का लाभ लिया है और 800 उपभोक्ताओं ने मुफ्त बिजली पाने के क्रम में विभाग का बकाया जमा नहीं किया है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं MOHAMMAD SHABBIR ALI ,मैंने अपनी बेटी का नाम ARIBA ,से बदलकर ARIBA KHAN ,रख दिया है अब मेरी बेटी को ARIBA KHAN, के नाम से जाना व पहचाना जाये। D/O- MOHAMMAD SHABBIR KHAN R/O- 117, PALKA BEHTA THANA GUDAMBA, LUCKNOW

सूचना

यह कि मै दिनेश कुमार पुत्र श्री रामसेवक सेन्चूरी पल्प एण्ड पेपर लालकुआ जिला नैनीताल में सुरक्षा सुपरवाइजर के पद पर तैनात था। इस पद पर मेरा नाम दिनेश कुमार दर्ज हो गया था जबकि सही नाम दीपक कुमार है। दीपक कुमार के नाम से मुझे जाना जाता है। **दीपक कुमार पुत्र रामसेवक निवासी नथापुर्वा, पोस्ट लोहामढ़, जनपद कन्नौज**

सूचना

सूचित हो कि मेरे दो पुत्र राज नारायण मिश्र उर्फ प्रसून और प्रभु नरायन मिश्र अपने परिवार के साथ मुझसे अलग रहते हैं, मुझसे सरोकार नही रखते हैं न ही देखभाल व सेवा करते हैं। राज नारायण मिश्र उर्फ प्रसून और प्रभु नरायन मिश्र की गलत आदतों से तंग आकर मैंने उन्हें अपनी समस्त संपत्ति से बेदखल कर दिया है। **राम विशाल मिश्र पुत्र राम लखन मिश्र ग्राम व पोस्ट पुरुषोत्तमपुर थाना व तहसील जयसिंहपुर जिला सुलतानपुर**

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में उसका नाम त्रुटिवश MOHAMMED AQIB तथा उसकी माता का नाम त्रुटिवश SHAHNAZ BANO दर्ज है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम MOHAMMAD AQIB तथा उसकी माता का सही नाम SHAHNAJ BANO है। अतः मेरे पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में उसका व उसकी माता का सही नाम दर्ज किया जाये। **अब्दुल अलीम पुत्र मोहम्मद नसीम निवासी– छुहियापुरवा, सहारा स्टेट, जानकीपुरम, लखनऊ।**

सूचना

पहले मेरा नाम MAMUNA SHAHEEN था अब मैने बदलकर अपना नाम MAMUNA SHAHIN रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। Add: MM-4/26, VINAY KHAND, GOMTI NAGAR, LUCKNOW, UTTAR PRADESH- 226010

गुमशुदगी सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पति बसन्त कुमार निषाद करीब 20 वर्षो से लापता हैं। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कहीं पता नही चल सका है। पति बसन्त कुमार निषाद की गुमशुदगी की सूचना मैंने थाने और पुलिस अधीक्षक को दी है। **नौरंगी देवी पत्नी बसन्त कुमार निषाद ग्राम मल्हीपुर थाना चांदा जिला सुलतानपुर**

NOTICE

I declare that my daughter Mariyam Ansari has passed ICSE(Class 10) in 2022 with her UID 7676537 and Index No. 1223834/069 and she is persuing ISC(Class 12) 2024 with her Index No.2241745/039 from Jesus & Mary School and College Balrampur and my correct name is MOHD ASHFAQ ULLAH ANSARI. Mohd Ashfaq Ullah Ansari S/O Abdul Qadir AnsariR/O Shekharpur, Balrampur (U.P.) Mob: 8960633678

बच्चों ने किया भ्रमण — विज्ञान एक्सपोजर विजिट में विद्यार्थियों ने देखा तारा मंडल, पार्क में जाकर झूलों का लिया आनंद

झांसी पहुंचे बच्चे, संग्रहालय देखकर 1857 की क्रांति को समझा

कार्यालय संवाददाता उरई

अमृत विचार। एक दिवसीय विज्ञान एक्सपोजर विजिट के तहत ब्लॉक महेवा के छात्रों को झांसी विजिट कराया गया, जहां पर विज्ञान से संबंधी एवं पुरातत्व से संबंधी जानकारी दी गई। विज्ञान एक्सपोजर विजिट के तहत सबसे पहले बच्चों को झांसी का किला दिखाया गया। यहां पर रानी लक्ष्मीबाई का किला देखा, बच्चों ने कहा की आज तक किताब और कहानियों में किले की बातें सुनी थी, आज हकीकत से रूबरू हुए। बच्चों की मिली बुकलेट में उन्होंने यहां के इतिहास को जाना, उन स्थानों को भी देखा जो 1857 की क्रांति की कहानी को बयां करते थे। किले के निर्माण और उसकी गौरव गाथा को शिक्षकों के द्वारा बताया गया। किस प्रकार झांसी में रानी लक्ष्मीबाई ने युद्ध किया। अंग्रेजों को ललकारा और कहा था मैं अपनी झांसी किसी को नहीं दूंगी। युद्ध करते हुए रानी लक्ष्मी बाई शहीद हो गईं। बच्चों ने किले में रखी तोपें भी देखी और इनका किस प्रकार पूर्व में प्रयोग होता था जानकारी प्राप्त की। इसके बाद पार्क में जाकर बच्चों ने झूलों का आनंद लिया। सभी छात्र झांसी संग्रहालय पहुंचे, जहां पर पुराने जमाने की मुद्रा, हथियार, कपड़े, मूर्तियों औजार, सिक्के, डाक टिकट, तोप का सामान आदि देखे।

इस विजिट की सबसे शानदार जो बात रही नया तारामंडल जो अब झांसी में बन गया। छात्रों ने बिंग बैंग थ्योरी से लेकर सुदूर अंतरिक्ष को देखा। सौर मंडल परिवार से परिचित हुए और 3डी के माध्यम से डिजिटल शो देखा, जो अदभुत, अकल्पनीय, शानदार अब बुंदेलखंड के निवासी प्रयागराज के आनंदभवन में बने तारा मंडल का आनंद झांसी में ले सकते है। तारा मंडल में कई जोन बने हैं जिसमें अलग अलग विषय की जानकारी दी गई है। इसरो का भी एक कार्यक्रम है जिसमें इसरो की स्थापना से लेकर आज तक के चंद्रयान, मंगलयान की जानकारी दी गई। साथ में प्राचीन भारत के विज्ञानिकों, दार्शनिकों के अविष्कारों, खोजों सिद्धान्त की जानकारी दी गई।

विजिट का नेतृत्व ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार राजपूत ने किया। साथ में एआरपी राजकुमार, हरिओम द्विवेदी, मनीष राज, शिक्षक मंडल से प्रताप भानू यादव, देवेन्द्र कुमार, पवन कुमार निरंजन, भरतलाल, छाया परमार, नीलम यादव, उमा यादव, एमआईएस ब्लॉक महेवा मिथुन प्रजापति मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी व अन्य। अमृत विचार

- किला देखकर बच्चे बोले, अभी तक हमने किताबों में ही पढ़ा था

एक नजर

पहले व दूसरे चरण के मतदान के लिए ईवीएम का किया गया परीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में पहले व दूसरे चरण के मतदान के लिए तैयारी तेज कर दी है। आयोग के निर्देश पर दोनों चरणों से संबंधित जिलों में ईवीएम का रैंडमाइजेशन किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने वर्चुअल बैठक कर संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान की तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सम्बन्धित जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों व ईवीएम प्रभारी से सम्बन्धित तकनीकी टीम को प्रथम रैन्डमाइजेशन की प्रक्रिया सुचारू रूप से सम्पन्न कराये जाने व उसकी तैयारी से सम्बन्धित अन्य आवश्यक निर्देश दिए गए।

आरोपों से घिरे एडी की जांच करेगा निदेशालय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ पशुपालन विभाग के कर्मियों को प्रताड़ित करने का मामला

अमृत विचार : पशुपालन विभाग में तैनात एक अपर निदेशक पर चिकित्सकों से वसूली और कर्मचारियों से उत्पीड़न का आरोप है। मामला निदेशालय पहुंचा तो निदेशक आरएन सिंह ने जांच के निर्देश दिए हैं। वहीं, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने भी कार्रवाई की बात कही है।

राजकीय पशु चिकित्सालय बीकेटी में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मी राजेंद्र का आरोप है कि पिछले माह एक अपर निदेशक ने धमका कर सादे पेपर पर हस्ताक्षर कराए और मुख्यालय से संबद्ध कर घर पर एक सप्ताह तक चौका-बर्तन व अन्य कार्य कराए। संबद्धीकरण गलत होने के कारण वह अस्पताल लौट आए। इस पर धमकी दी और वेतन रोकने के निर्देश दिए। उत्पीड़न की शिकायत पशुधन मंत्री, प्रमुख सचिव, विशेष सचिव व निदेशक से की। मंगलवार को निदेशक आरएन सिंह ने संज्ञान लिया और अपर निदेशक की गोपनीय जांच की। जांच में एक महिला कर्मी का उत्पीड़न समेत कई और बिंदु भी हैं। इससे पहले अपर निदेशक झांसी व अन्य जिलों में विवादों से घिरे रहे हैं। वहीं, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि शिकायत पत्र नहीं मिला है। इस मामले की निदेशक से रिपोर्ट लेंगे और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षक नियुक्ति के संपन्न साक्षात्कार निरस्त

अमृत विचार, लखनऊ : राजकीय व स्वशासी नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया रोक दी गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सोमवार से केजीएमयू के कलाम सेंटर में शुरू हो चुके साक्षात्कार प्रक्रिया को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। जिसके बाद अभ्यर्थियों में निराशा व्याप्त हो गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सूचना जारी करते हुए करीब 133 पदों के लिए होने वाले साक्षात्कार पर रोक लगा दी है। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होकर साक्षात्कार देने वालों में 18 मार्च को एसोसिएट व असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर साक्षात्कार संपन्न भी हो चुके थे। मालूम हो कि 18 मार्च से 22 मार्च तक विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार प्रस्तावित थे, दिन व पद वार अभ्यर्थियों को बुलाया जा चुका था, पहले दिन साक्षात्कार संपन्न भी हो चुके थे, ट्यूटर पर के लिए 20 से 22 मार्च तक साक्षात्कार होने थे।

जालौन, बरेली व कन्नौज अव्वल, 11 जिले फिसड्डी

योजना व परियोजनाओं की खराब प्रगति पर मुख्यमंत्री ने जताया असंतोष

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ लखनऊ, गोरखपुर, रायबरेली, कानपुर नगर समेत अन्य जिलों की स्थिति खराब

अमृत विचार : सीएम-डैशबोर्ड में विभागों की प्रदर्शित फ्लैगशिप यानी महत्वाकांक्षी योजनाएं, परियोजनाएं व सेवाओं की मॉनीटरिंग की गई तो फरवरी में बेहतरी पर जालौन प्रथम, बरेली द्वितीय व कन्नौज को तीसरा स्थान मिला है। जबकि लखनऊ, गोरखपुर, रायबरेली, कानपुर नगर, औरैया, हापुड़, मेरठ, गाजियाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर व प्रयागराज का सबसे खराब प्रदर्शन होने पर बॉटम में रखा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 11 जिलों की खराब प्रगति पर संज्ञान लेकर असंतोष जताया है और प्रगति सुधार के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि सीएम-डैशबोर्ड से विभागों के पोर्टल एकीकृत किए गए हैं। इससे जो विभागों की प्रगति होती है, वह सीएम-डैशबोर्ड पर दर्शाती है। इसी आधार पर मॉनीटरिंग कर रैंकिंग दी जाती है। इसमें फर्जी आंकड़े दर्शाये नहीं जा सकते हैं, बल्कि पारदर्शिता आने से प्रगति सुधरने लगी है।

तकनीकी समस्या का मुख्यमंत्री कमांड सेंटर करेगा समाधान : शासन से सभी जिलाधिकारी को रैंकिंग की रिपोर्ट भेजी गई है। यह भी दर्शाया कि सीएम-डैशबोर्ड पोर्टल पर आईडी से जिले की मासिक रैंकिंग, योजना, परियोजना व सेवाओं को मिले अंक भी देख सकते हैं। पोर्टल में किसी तरह की कठिनाई होने पर मुख्यमंत्री कमांड सेंटर की प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट के अधिकारी से समाधान के लिए संपर्क किया जा सकता है।

टॉप-10 जिलों को 10 में मिले ये अंक

पहला स्थान जालौन 8.64 अंक, दूसरा बरेली 8.52, तीसरा कन्नौज 8.48, चौथा अंबेडकरनगर 8.44, पांचवां सोनभद्र 8.31, छठा महाराजगंज व कुशीनगर 8.30, आठवां पीलीभीत 8.29, नौवां मुज्जफर नगर 8.28 व 10वें स्थान पर हरदोई को 8.25 अंक मिले हैं।

प्रयागराज और फतेहपुर सबसे पीछे

65वें स्थान पर रायबरेली को 10 में 7.43 अंक, 66 पर औरैया 7.42 अंक, 67 पर लखनऊ व हापुड़ 7.38 अंक, 69 पर मेरठ 7.22 अंक, 70 गोरखपुर 7.21 अंक, 71 पर गाजियाबाद व कानपुर नगर 7.20 अंक, 73 पर प्रतापगढ़ 7.12 अंक, 74 पर फतेहपुर 7.10 अंक व 75वें स्थान पर प्रयागराज को 7.02 अंक मिले हैं।

जातीय व धार्मिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकेंगे राजनीतिक दल व प्रत्याशी

भारत निर्वाचन आयोग ने गाइड लाइन का कड़ाई से पालन कराने का दिया निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कोई भी राजनीतिक दल व प्रत्याशी जातीय व धार्मिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकेंगे। इसके साथ ही प्रत्याशी दूसरे प्रत्याशियों व दलों के नेताओं के निजी जीवन की आलोचना भी नहीं कर सकेंगे। आदर्श आचार संहिता के तहत इन गतिविधियों पर रोक रहेगी। भारत निर्वाचन आयोग ने इसका कड़ाई से पालन कराने का निर्देश दिया है।

आचार संहिता के संबंध में बैठक करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में कोई दल या प्रत्याशी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा, जो भिन्न-भिन्न जातियों और समुदायों, चाहे वे धार्मिक या भाषायी हों, के बीच विद्यमान मतभेद को और अधिक बिगाड़े या परस्पर घृणा उत्पन्न करे या उनके बीच तनाव उत्पन्न करे। कोई भी प्रत्याशी दूसरे दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की निजी जिंदगी संबंधी आलोचना करने से बचेंगे।

निर्वाचन के दौरान वोट हासिल करने के लिए किसी जाति या संप्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों और पूजा के अन्य स्थानों का चुनाव प्रचार के मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। सभी राजनीतिक दल और अभ्यर्थी ऐसी किसी भी गतिविधि जो भ्रष्ट आचरण व अपराध की श्रेणी में आते हैं, जैसे मतदाताओं को घूस देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, मतदाताओं का प्रतिरूपण करना, मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के भीतर प्रचार करना, मतदान समाप्ति के पहले 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना, और मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए परिवहन आदि की व्यवस्था करना जैसे कार्य नहीं करेंगे।

▸▸ दूसरे प्रत्याशियों के निजी जीवन की आलोचना पर रहेगी रोक

आदर्श आचार संहिता के दौरान शांतिपूर्ण स्थिति बनाये रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार का सम्मान किया जाएगा, फिर चाहे राजनीतिक दल और प्रत्याशी उसके विचारों या गतिविधियों से सहमत हों या न हों। कोई भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी अपने अनुयायियों को किसी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी निजी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों आदि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने की अनुमति नहीं होगी।

दूसरे दलों में जाकर बाधा उत्पन्न करने वालों पर होगी कार्रवाई

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया, राजनीतिक दल और प्रत्याशी यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके समर्थक दूसरे दलों द्वारा आयोजित बैठकों और जुलूसों में न तो बाधा खड़ी करें और न ही उन्हें भंग करेंगे। किसी भी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता द्वारा अन्य दल द्वारा आयोजित सार्वजनिक बैठकों में मौखिक या लिखित रूप में प्रश्न पूछकर या अपनी स्वयं की पार्टी के पर्चे बांटकर अव्यवस्था उत्पन्न नहीं करेंगे। किसी भी दल द्वारा उन स्थानों के आसपास जुलूस न निकाला जाएगा, जहां दूसरे दल द्वारा बैठकें आयोजित की जा रही हो। किसी भी दल के द्वारा लगाए गए पोस्टर दूसरे दल के कार्यकर्ताओं के जरिए नहीं हटाए जाएंगे। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में डेढ़ हजार छात्रों की लटक गई छात्रवृत्ति

अमृत विचार, लखनऊ : कॉलेज की लापरवाही का खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। प्रदेश में डेढ़ हजार छात्रों की छात्रवृत्ति लटक गई है। छात्रवृत्ति के लिए छात्र अब समाज कल्याण निदेशालय के चक्कर काट रहे हैं और अधिकारियों से फरियाद कर रहे हैं।

पिछले वर्ष अक्टूबर माह से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने का सिलसिला शुरू हुआ था। जनवरी में छात्रवृत्ति आवेदन के लिए दो बार तिथि भी बढ़ाई गई। पोस्ट मैट्रिक्स छात्रवृत्ति के लिए छात्रों ने पूरा विववरण भरकर आवेदन किया। आवेदनों को कॉलेज स्तर से सत्यापित करके दोबारा भेजा जाना था। छात्र और कॉलेज स्तर पर सत्यापित कर भेजे गए आवेदनों के प्राप्तांक में गड़बड़ी मिली। प्राप्तांक में गड़बड़ी मिलने पर समाज कल्याण निदेशालय ने छात्रों की छात्रवृत्ति रोक दी। वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में छात्रवृत्ति का भुगतान निदेशालय से हो रहा है मगर डेढ़ हजार छात्र छात्रवृत्ति के लिए भटक रहे हैं।

समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि कॉलेज की गलती से छात्रों को परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र से छात्रों का विवरण मांगा गया है। विवरण आने के बाद ब्योरा शासन को भेजा जाएगा। शासन से अनुमित मांगी जाएगी कि छात्रों की ओर से भरे गए विवरण को सही मानते हुए छात्रवृत्ति दे दी जाए। शासन से अनुमित मिलने पर ऐसे छात्रों को भुगतान किया जाएगा।

बदायूं हत्याकांड के बाद गर्मायी राजनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की चल रही प्रक्रिया के बीच उत्तर प्रदेश की राजनीति बदायूं में दो बच्चों की हत्या पर गरमा गई है। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को जहां इस घटना का संज्ञान लेते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सांप्रदायिक तनाव पैदा करवा रही है। वहीं भाजपा की तरफ से पलटवार करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री दानिश अली अंसारी ने सपा को ही कटघरे में खड़ा किया है।

भाजपा ने कहा कि सपा अपराधियों को संरक्षण देती है। पार्टी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने बदायूं की घटना पर कहा कि योगी सरकार में अपराधियों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई हो रही है। बदायूं कांड में भी अपराधी के साथ पूरी कठोरता बरती गई है। इससे पहले बदायूं कांड पर सपा मीडिया सेल के अकाउंट से लिखा गया, 'भाजपा उत्तर प्रदेश में दंगा-फसाद, सांप्रदायिक तनाव खड़ा करके चुनाव जीतना चाहती है। इसी कारण से ऐसी घटनाओं को खुद अंजाम दिलवा रही। भाजपा के इशारे पर ही ऐसी वारदातें हो रहीं।'

इसी मुद्दे पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, 'सपा में नैतिकता नाम की कोई चीज बची है तो बदायूं मामले में राजनीति न करे, दो अबोध बच्चों की निर्मम हत्या की गई है। पुलिस कार्रवाई कर रही है। केशव ने इसी के साथ लोगों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील भी की।

जितनी तरजीह हिंदुओं को, उतनी मुसलमानों को भी

वहीं, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को बेगुसराय में रहते हुए बयान दिया कि, अब अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी समझ रहे हैं कि उनका जनाधार खिसक रहा है इसलिए अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। योगी सरकार में जितनी तरजीह हिंदुओं को मिली, उतनी ही मुसलमानों को भी मिली है। इसी बीच मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि प्रशासन से जो भी आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए वो की है। योगी सरकार कानून व्यवस्था के लिए जानी जाती है।

कानून व्यवस्था फेलः शिवपाल यादव

सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भी बदायूं घटना को दुखद बताते हुए पुलिस-प्रशासन से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। दरअसल, शिवपाल यादव बदायूं लोकसभा सीट से उम्मीदवार हैं। बुधवार को संभल दौरे पर रहते उन्होंने कहा कि सरकार अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की बात करती है लेकिन ऐसी घटनाओं से पता लगता है कि इस सरकार में कानून व्यवस्था फेल हो गई है। लॉ-एंड-ऑर्डर पूरी तरह से ध्वस्त है।

वर्ग पहेली-16

बाएं से दाएं

2. 1. वह सफ़ेद या हलका पीला तरल पदार्थ जो गाय भैंस से प्राप्त होता है
3. 1. खुरखुर शब्द होना 2. छूने में ऊबड़-खाबड़ या खुरखुरा लगना।
4. 1. गोश्तख़ोर, मांसाहारी 2. 'निरामिषभोजी' का विलोम।
8. दे. तलुवा।
10. 1. पेंदी 2. हाथ और पैर का तल 3. तलवा 4. तलछट।
11. 1. चिह्न लगाने वाला 2. हिसाब लिखने वाला, आंकने वाला, मूल्य निरूपक 3. गिनती करने वाला, गणक 4. चिह्न या निशान लगाने का यंत्र।

ऊपर से नीचे

1. गंगा, भागीरथी।
5. 1. वधिक, ज़ल्लाद 2. बहेलिया, चिड़ीमार।
6. 1. धनुष 2. रुई धुनने वाला यंत्र, धुनकी।
7. 1. दोस्त, मित्र, साथी 2. प्रेमी 3. पति।
9. 1. मिट्टी के बरतनों पर चमक लाने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला एक चमकीला रोगन या वार्निश 2. आग की लपट, लौ, ज्वाला, चिनगारी।

वर्ग पहेली -15 का हल

					1 सी	2 सा
3 अ	4 भ	या		5 चं		र
	ड़		6 पं	च	को	सी
7 म	क	ड़	जा	ल		
	दा		बी			8 पु
9 फ़ि	र	क़ा				छा
			10 स	नी	च	र

तैयारी: एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने तैयार किए दो खास हर्बल गुलाल

कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे रामलला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अवधपुरी के भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में विराज रहे श्रीरामलला इस बार कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे। विरासत को सम्मान देने के भाव के साथ सीएसआईआर-एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने कचनार के फूलों से बने गुलाल को खास तौर पर तैयार किया है। यही नहीं, वैज्ञानिकों ने गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर के चढ़ाए हुए फूलों से भी एक हर्बल गुलाल तैयार किया है।

▸▸ गुरु गोरखनाथ को अर्पित फूलों से भी बनाया हर्बल गुलाल औषधीय गुणों से परिपूर्ण

▸▸ संस्थान के निदेशक ने मुख्यमंत्री योगी को भेंट किए दोनों हर्बल गुलाल, मिली सराहना

बुधवार को संस्थान के निदेशक ने दोनों खास गुलाल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से प्रदेश के साथ-साथ देश के कई स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अधिक अवसर एवं रोजगार प्रदान करेगा।

निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या में रामायणकालीन वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। विरासत को सम्मान और परंपरा के संरक्षण देने के यह प्रयास हमारे वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणास्पद है। इसी के तहत, संस्थान द्वारा श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या के लिए बौहिनिया प्रजाति जिसे आमतौर पर कचनार के नाम से जाना जाता है, के फूलों से हर्बल गुलाल बनाया गया है।

त्रेतायुग में अयोध्या का राज्य वृक्ष था कचनार

कचनार को त्रेतायुग में अयोध्या का राज्य वृक्ष माना जाता था और यह हमारे आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की सुस्थापित औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल आदि गुण भी होते हैं। इसी तरह, गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर में चढ़ाए हुए फूलों से हर्बल गुलाल को तैयार किया गया है। इन हर्बल गुलाल का परीक्षण किया जा चुका है और यह मानव त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है।

चुनाव ध्यान में रखते हुए हज यात्रियों के फ्लाइट शेड्यूल बने

अमृत विचार, लखनऊ : सामाजिक कार्यकर्ता हाजी शिराज उद्दीन ने अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति ईरानी को पत्र लिख कर इस बात से अवगत कराया कि मुख्य चुनाव आयोग ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 7 चरणों में चुनाव कराने का ऐलान किया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज फ्लाइट शेड्यूल संभावित है मई के माह से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा जाने वाले हज यात्रियों के फ्लाइट शेड्यूल को लोकसभा चुनाव के मतदान की तिथियों को ध्यान में रखते हुए बनाया जाए। इसके बाद भी यदि कुछ शहरों के हज यात्री छूट रहे हों तो उनके लिए चुनाव आयोग से कह कर अग्रिम मतदान सुविधा उपलब्ध कराने का कष्ट करें। इस पत्र की एक कॉपी निर्वाचन आयोग दिल्ली और हज कमेटी ऑफ इंडिया मुम्बई भी भेजी गई है।

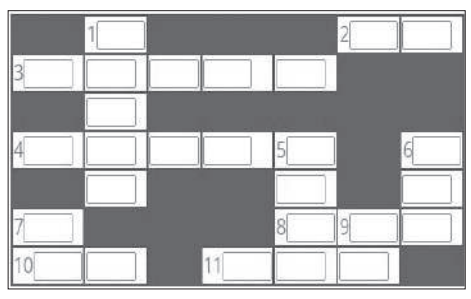

सुडोकू-95

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				2			6
		7				4		1
	6				5		9	
6			4					5
9								7
	3			7	9			
8			6				7	
		3				2		
4			9				8	

सुडोकू -94 का हल

1	6	5	9	4	2	7	3	8
4	3	7	8	6	5	1	2	9
9	2	8	1	3	7	5	4	6
6	5	2	4	8	9	3	7	1
8	7	1	5	2	3	9	6	4
3	9	4	6	7	1	8	5	2
5	8	6	7	1	4	2	9	3
7	4	3	2	9	8	6	1	5
2	1	9	3	5	6	4	8	7

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 मार्च, गुरुवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-द्वादशी 22 मार्च 04.44 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

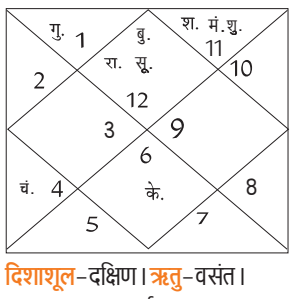

दिशाशूल-दक्षिण। ऋतु-वसंत।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्लेशा 22 मार्च 01.27 तक तत्पश्चात मघा।

मेष: आज आपको बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। उच्च अधिकारी आपकी निष्ठा की सराहना करेंगे। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भरा समय बितायेंगे। आपके विचारों को समाज में ख्याति मिलेगी। विपरीत परिस्थितियों का सामना मजबूती से करें।

वृष: आज धन-सम्मान और कीर्ति में वृद्धि होगी। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे। आपके मन में एक साथ कई सारे विचार जन्म लेंगे। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ सकती है।

मिथुन: आज अपनी जीवनशैली में बदलाव ला सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में आनंद बढ़ेगा। धन कमाने के नए स्रोत मिल सकते हैं। मित्रों के साथ बैठकर चर्चा करेंगे। पैतृक व्यवसाय में अच्छी उन्नति होने के योग बन रहे हैं।

कर्क: आज आप एकांत में रहने का प्रयास करेंगे। व्यापार की परिस्थितियों में सुधार होगा। किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर परेशानी हो सकती है। मांसपेशियों में जकड़न होने की संभावना है। प्रेम संबंधों को विवाह की सहमति मिल सकती है।

सिंह: आज दिन की शुरुआत आपके लिए शुभ नहीं रहेगी। निजी रिश्तों को लेकर तनाव में आ सकते हैं। हिंसात्मक विचारों से आपको बचना चाहिए। जॉब में लक्ष्य को समय को तय समय पर पूर्ण कर लेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को नुकसान हो सकता है।

कन्या: आज क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। वाहनों के प्रयोग में सावधानी रखें। परिवार के सदस्य आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। इसका दबाव भी आपके ऊपर काफी ज्यादा रहेगा। कारोबार को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

तुला: आज व्यापार में नए सौदे कर सकते हैं। जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेंगे। करियर में आप बदलाव का विचार बना सकते हैं। लोग आपकी प्रतिभा के कायल रहेंगे। आपको कोई प्रपोज कर सकता है।

वृश्चिक: आज पिता आपके प्रति गर्व का अनुभव करेंगे। परिजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। लव लाइफ का तनाव दूर होगा। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। बड़े अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु: आज आपके मन में यह धारणा उत्पन्न हो सकती हैं कि लोग आपसे झूठ बोल रहे हैं। बेकार की बातों में अपना समय बर्बाद न करें। परिजनों से किसी कारण बहस हो सकती है। करियर में उतार-चढ़ाव की सम्भावना है।

मकर: आज आलस्य को अपने ऊपर हावी न होने दें। महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर दुविधा की स्थिति उभर सकती है। यदि आप कुछ नया सीखने के इच्छुक हैं तो समय बेहतरीन है। अप्रिय व्यक्तियों के कारण आपका मूड खराब हो सकता है।

कुंभ: आज कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। आपका आत्मविश्वास आपके लिए काफी सहयोगी रहेगा। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से उत्तम है। आय के कई स्रोत बन सकते हैं।

मीन: आज अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर प्राप्त होगा। आप किसी सहयोगी कर्मचारी के ऊपर कुपित हो सकते हैं। अहंकार के कारण आपसे मित्र एवं संबंधी दूर हो सकते हैं। अनुभवी व्यक्ति आपका सही मार्गदर्शन कर सकते हैं।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- आखरी गुलाम — दोपहर : 12.00
- जख्मी सिपाही — रात : 07.00

SONY PIX
- रश ऑवर 3 — सुबह : 09.21
- द वॉटर हॉर्स — रात : 09.00

SONY MAX
- सूरमा — सुबह : 09.52
- पीकू — रात : 07.00

ZEE CINEMA
- सरफरोश — सुबह : 09.15
- घायल : वन्स अगैन — रात : 08.55

colors CINEPLEX
- आरक्षण — सुबह : 11.25
- देवदास — रात : 07.04

आज की सुपरहिट फिल्म

सोनी मैक्स पर रात : 07.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

एक लड़का स्कूल से जल्दी घर आ गया।
दादा- क्या हुआ बेटा, तुम बहुत जल्दी घर आ गए।
लड़का- हां दादा, मैंने एक मच्छर को मारा तो टीचर ने भगा दिया।
दादा- तुम सच बोल रहे हो, एक मच्छर मारने के लिए स्कूल से भगा दिया।
लड़का- मच्छर टीचर के गाल पर बैठा हुआ था।

टीचर- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए?
मोटू- क्योंकि पता नहीं एग्जाम में कब किसके पीछे बैठना पड़ जाए।
मोटू की बात सुनकर टीचर की बोलती हो गई बंद।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

नाप्राप्यमभिवाञ्छन्ति नष्टं नेच्छन्ति शोचितुम्।
आपत्सु च न मुह्यन्ति नरा : पण्डितबुद्धय : ॥

जो व्यक्ति दुर्लभ वस्तु को पाने की इच्छा नहीं रखते, नाशवान वस्तु के विषय में शोक नहीं करते तथा विपत्ति आ पड़ने पर घबराते नहीं हैं, डटकर उसका सामना करते हैं, वही ज्ञानी हैं।

संपादकीय

प्रधानमंत्री की भूटान यात्रा

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर भूटान जा रहे हैं। इस दौरान वह भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और उनके पिता जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (भूटान के पूर्व नरेश) से मुलाकात करेंगे। बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि यह यात्रा दोनों पक्षों को पारस्परिक हित के द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान करने और दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए हमारी अनुकरणीय साझेदारी को विस्तारित एवं मजबूत करने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगी। यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा और सरकार की 'पड़ोसी प्रथम की नीति' पर जोर देने की कवायद के अनुरूप है। चीन के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री की इस यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भूटान पारंपरिक तौर पर भारत के करीब रहा है। भारत और चीन भूटान में अपने सामरिक और सीमाई हित देखते हैं। बीते सालों में भूटान में भारत से निर्भरता घटाने और अपने हितों में विस्तार के लिए इतर भी संभावनाएं तलाशने पर राय बन रही है। भूटान भारत और चीन के मध्य अवस्थित है। चीन ने हाल के दशकों में वैश्विक स्तर पर तरक्की की है और भूटान पर उसके साथ सीमा विवाद को सुलझाने का दबाव बढ़ रहा है। भूटान चीन के साथ 477 किमी का बॉर्डर साझा करता है। चीन 1961 से ही भूटान के एक इलाके पर दावा करता आ रहा है। भूटान और चीन 1984 से सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

इस बीच भूटान ने अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखते हुए भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ किए और चीन के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने का मार्ग अपनाया। चीन और नेपाल की नजदीकियां सामरिक और व्यापारिक तौर पर बढ़ी हैं तथा चीन अपने पूर्वी तट से भी सामरिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में भूटान को अपने आंतरिक घेरे में लेने की चीन की कवायद गौर करने लायक है। जबकि भूटान की विकास परियोजनाओं का भारत ने न सिर्फ खाका खींचा है, बल्कि उनमें भारी निवेश भी किया है। भारत ने भूटान में अरबों डॉलर का निवेश किया है। अपनी तरफ से भारत भूटान का सबसे बड़ा विकास साझेदार बना रहेगा। विश्लेषकों के मुताबिक यह यात्रा दोनों पक्षों को अनूठी साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करने और भारत भूटान के बीच मित्रता व सहयोग के स्थायी संबंधों का विस्तार करने के तरीकों साधनों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

अभी बहुत दूर है लोकतंत्र की मंजिल

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

राष्ट्रीय आंदोलन पर विचार करें तो महात्मा गांधी ने पहचान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत लोक चेतना में होता है। उन्होंने जनता को जनार्दन कहा था। कहा ही नहीं था, हृदय से स्वीकार किया था। यह विश्वास उनके चिंतन का और सत्याग्रह आंदोलन का आधार था।

भारत के संविधान की अवधारणा स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतिफल है। स्वतंत्रता का आंदोलन सत्ता परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, वह लोकतंत्र का आंदोलन बन चुका था। राष्ट्रीय आंदोलन ने लोकतंत्र के मूल्य विकसित किए थे। उस समय वे मूल्य समूचे राजनैतिक-सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इस प्रकार व्याप्त थे कि कोई चाहकर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया और मान लिया कि संप्रभुता का स्रोत जनता है, लोक जीवन है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और आंदोलन शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया था और मान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत जनता है।

अभी हम लोकतंत्र के मार्ग पर चल रहे हैं, फिर भी लोकतंत्र की मंजिल अभी बहुत दूर है। रास्ते में अनेकानेक रुकावटें और बाधाएं आ रही हैं और हमारा संघर्ष उन बाधाओं से चल रहा है, लेकिन हम लोकतंत्र के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। ये बाधाएं और रुकावटें बहुत ही शक्तिशाली हैं। सामंती मानसिकता हो या व्यक्ति और वर्ग के स्वार्थ हों। कदम-कदम पर कांटों की तरह चुभते हैं। कोई दल ऐसा नहीं, जहां जनता के प्रति निष्ठा का महत्व हो। कहने को तो सभी यही कहते हैं कि हम जनता के सेवक हैं और जनता के लिए प्राण न्यौछावर कर देंगे, किंतु वास्तविकता यह है कि प्रत्येक दल में नेता या सुप्रीमो के प्रति व्यक्तिगतनिष्ठा का महत्व है। नेता के जयजयकार और यश-गायन से ही मेवा मिलती है तो कोई जनता की सेवा भला क्यों करेगा?

हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी समस्या है, लोक से अपरिचय। लोक के प्रति हमारे शासकों का अंग्रेजों के जमाने से चला आया नजरिया। महात्मा गांधी ने भारत की पैदल यात्राएं भी कीं, लोक को जगाया और लोकमानस में जगह बनाई, लेकिन उनके बाद लोक संपर्क के सरकारी विभाग बन गए। चुनाव के समय जनता में गए जरूर पर लोकजागरण के लिए नहीं, भ्रमित करके वोट पाने के लिए। अनेक देशों में लोकतंत्र का विस्तार और उसकी प्रकृति को समझने के लिए विश्वविद्यालयों में लोकवार्ता के स्वतंत्र विभाग हैं। भारत के अधिकांश विश्वविद्यालयों में लोकवार्ता के स्वतंत्र विभाग नहीं हैं।

हमारे लोकतंत्र की समस्याओं के समाधान का रास्ता विदेशों से होकर आता है। विशेषज्ञों के दल विदेशों में जाते रहे हैं, अभी भी जाते हैं। वे कुछ शब्द विदेशों से आयात कर के ले आए, लोकतंत्र के प्रतिनिधियों ने कमर कस ली कि भारत के लोकतंत्र को इन शब्दों के चौखटे में जड़ के ही मानेंगे। हथौड़ा चला रहे हैं, परेशान हैं कि भारत का लोकतंत्र इन शब्दों के चौखटे में क्यों नहीं आता? दूसरों को देखकर हम चलना सीख सकते हैं, दूसरों के पैरों से नहीं चल सकते। चलने के लिए पैर भी अपने होंगे और रास्ता भी अपना होगा। ग्लोबल युग है तो संसार के देशों से मेलजोल, आदान-प्रदान जरूरी है, होगा। विशेषज्ञों के दल आएंगे और जाएंगे, ठीक है, सवाल यह है कि क्या किसी एक विशेषज्ञों के दल ने भी इस विशाल देश के लोगों के जीवन में गहरे स्तरों पर पंहुचकर लोकमानस की विषमताओं, विडंबनाओं, संगतियों, विसंगतियों, आस्थाओं, कल्पनाओं, सपनों को समझने का कोई एक भी सच्चा और योजनाबद्ध प्रयास किया?

राष्ट्रीय आंदोलन पर विचार करें तो महात्मा गांधी ने पहचान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत लोक चेतना में होता है। उन्होंने जनता को जनार्दन कहा था। कहा ही नहीं था, हृदय से स्वीकार किया था। यह विश्वास उनके चिंतन का और सत्याग्रह आंदोलन का आधार था। उन्होंने जान लिया था कि जनता उनको शासक मान रही है, तभी तक वे शासक हैं, जिस क्षण जनता उनको अस्वीकार कर देगी, उसके बाद वे शासक नहीं रह जाएंगे। इसलिए उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया। नमक कानून को तोड़ना तो एक प्रतीक भर था, लेकिन यह साम्राज्य को एक चुनौती थी। हम तुमको और तुम्हारे कानून को अस्वीकार करते हैं, तुम्हारी अवज्ञा करते हैं, हम तुमसे अब नहीं डरते। लोगों का मन बदल गया, लोग निर्भय हो गए। शासक भय दिखाकर शासन करता है, किंतु जब उसके सामने यह चुनौती आ गई कि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है। भय समाप्त, शासन समाप्त। भारत छोड़ो आंदोलन वाले दिन गांधीजी ने बतला दिया कि संप्रभुता के स्रोत तुम स्वयं हो। तय कर लो कि अब अंग्रेज तुम्हारे शासक नहीं हैं।

भारत के संविधान की अवधारणा स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतिफल है। स्वतंत्रता का आंदोलन सत्ता-परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, वह लोकतंत्र का आंदोलन बन चुका था। राष्ट्रीय आंदोलन ने लोकतंत्र के मूल्य विकसित किए थे। उस समय वे मूल्य समूचे राजनैतिक-सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इस प्रकार व्याप्त थे कि कोई चाहकर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया और मान लिया कि संप्रभुता का स्रोत जनता है, लोक जीवन है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और आंदोलन शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया था और मान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत जनता है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और जनतंत्रात्मक शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। आज हम लोकतंत्र के युग में जी रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय जीवन की सामजिक-राजनैतिक, सांस्कृतिक-आर्थिक-साहित्यिक समस्त गतियों का केन्द्र लोकजीवन है। विचार कीजिए कि क्या यह लोकतंत्र किसी राजा-बादशाह अथवा सम्राट ने कृपा पूर्वक दे दिया था। क्या यह लोकतंत्र एक दिन आसमान से बरस पड़ा था। क्या संविधान सभा ने किसी सनक या उत्तेजना में लोकतंत्र के मार्ग का वरण कर लिया था। वास्तव में लोकतंत्र लोक जीवन के युगयुगीन संघर्ष का प्रतिफल है। संप्रभुता राज सिंहासन या राजमुकुट में से नहीं निकलती, संप्रभुता का स्रोत तो लोकचेतना ही है। लोकमानस की स्वीकार्यता। लोकमानस अस्वीकार कर दे तो सम्राटों के सिंहासन भी हिल जाते हैं।

देशी हों या विदेशीः क्रूर राजाओं आक्रांताओं, दस्युओं, बादशाहों, सामंतों, जमींदारों ने क्या-कुछ कम जुल्म ढाए थे? लोक जीवन-लोक संस्कृति, लोक आस्था एवं लोकविश्वास को कुचलने में कोई कसर छोड़ी थी क्या? बार-बार निर्मम प्रहार किया, परंतु वे प्रहार करने वाले इतिहास के मलबे में दबकर खाद बन गए और विजयिनी लोक संस्कृति का विटप महक रहा है। संप्रभुता का स्रोत अस्त्र-शस्त्रों में नहीं होता। अस्त्र-शस्त्रों या सैन्यबल से कुछ समय के लिए जनता को दबाया तो जा सकता है, किंतु जैसे ही जनता अपनी एकता की शक्ति को पहचान कर खड़ी हो जाती है, तब वह सैन्य बल बिखर जाता है। संप्रभुता का स्रोत लोकचेतना में है। आज हम लोकतंत्र के युग में जी रहे हैं। हमारी आधारभूत समस्याओं का मूल है, तंत्र की लोक से अनपहचान। तंत्र में वे सभी बुद्धिजीवी भी हैं, जो लोक को अभी भी रैयत या प्रजा समझ रहे हैं।

एक न्यायमूर्ति के मुंह से तंत्र के मन की बात रपट पढ़ी थी, जब उसने कहा था कि देश की 90 जनता ईडियट है और क्या सामंतवाद के सींग होते हैं? यही वृत्ति उन शिक्षाशास्त्रियों की है, जो अपने राजनैतिक आश्रयों के मत-वाद को परम-तत्व के समान मानकर उनका साहित्यिक भाष्य करते रहे हैं।

प्रसंगवश

उम्र के जालिम जाल-फरेब

लोगों की उम्र उनकी जन्मतिथि से निकाली जाती है। वैज्ञानिक दायरों में इसे समयबद्ध आयु (क्रोनोलॉजिकल एज) कहते हैं। इस नाप के साथ कुछ बुनियादी मुश्किलें जुड़ी हैं। पचास-पचपन साल का एक इंसान मजे से हाफ मैराथन दौड़ लेता है। जबकि उसी उम्र के दूसरे मनुष्य के लिए अक्सर बाजार से सब्जी लाना भी पहाड़ हो जाता है। इस फर्क को समझने के लिए जैविक उम्र (बायोलॉजिकल एज) की धारणा आई जिसका इस्तेमाल सेक्सोलॉजी, संतानोत्पत्ति और जीवनशैली से जुड़े चिकित्सा क्षेत्रों में किया जा रहा है, लेकिन इंसान की उम्र का खेल समझना उसकी शारीरिक बारीकियों में जाने से कहीं ज्यादा कठिन है।

चंद्रभूषण
वरिष्ठ पत्रकार

क्या इस खेल में कुछ भूमिका उसके मन की भी होती है? यदि हां तो कितनी? इसे ठोस रूप में समझने के लिए आत्मगत आयु, सब्जेक्टिव एजिंग की शब्दावली चलन में आई जिसके दो पहलू हो सकते हैं। एक यह कि आप खुद को कितने साल का महसूस करते/करती हैं (फेल्ट एज) और दूसरा यह कि आप कितने साल के होना/दिखना चाहते/चाहती हैं (आइडियल एज)। इस बारे में कामकाजी आंकड़ें पूरी दुनिया में अभी केवल एक संस्था नॉर्वेजियन लाइफ कोर्स, एजिंग एंड जेनरेशन स्टडी (नोरलाग) के पास हैं जिसने सन् 2001 में 40 से 80 साल की उम्र वाले विविध संस्कृतियों और शैक्षिक स्थिति के कुल 6292 स्त्री-पुरुषों से फोन पर फॉर्म भराकर उनकी राय लेना शुरू किया और इस क्रम में 2002, 2007 और 2017 में यानी पहले एक, फिर पांच और दस साल के अंतर पर उनके आयु संबंधी सारे वस्तुगत और मनोगत ब्यौरे इकट्ठा किए।

दुनिया की कई नामी शोध संस्थाएं फिलहाल इन आंकड़ों पर काम करके महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाल रही हैं जिनमें सन् 2020 में आई कैंब्रिज यूनिवर्सिटी की एक स्टडी बहुत खास है। उम्र के उत्तरार्ध में पैदा होने वाली समस्याओं पर केंद्रित इसके विशद निष्कर्षों में एक यह है कि हर इंसान खुद को अपनी वास्तविक उम्र से छोटा महसूस करता है और उससे भी छोटा होना/दिखना चाहता है, लेकिन कमसिन होने की यह इच्छा जीवन को लेकर उसका असंतोष बढ़ा देती है। नतीजा यह कि उसके जीवन की गुणवत्ता और कम हो जाती है।

विलुप्ति की कगार पर कई वन्यजीव प्रजातियां

पहाड़ी क्षेत्रों के संदर्भ में विकास के कथित मॉडल को पहाड़ के लोगों के उत्थान से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन स्थानीय जैव विविधता से खेलकर बनाई जा रही सड़कें, बांध व कंक्रीट के बढ़ते जंगल दरअसल विकास की दोषपूर्ण अवधारणा की उपज है। हिमालय ने देश के उत्तरी भाग में जीवन और सभ्यता के विकास के लिए आवश्यक जलतंत्र की रचना सहित वन और जैव संपदा के विशाल भंडार से हमें नवाजा है, लेकिन बीते कुछ दशकों में हमने अपने हितों के लिए जिस बेरहमी से हिमालय और उसकी उपत्यकाओं से अंधाधुंध छेड़छाड़ की, उसी का परिणाम है कि आज कई वन्य जीवों की प्रजातियां या तो पूरी तरह से लुप्त हो गई हैं या फिर विलुप्ति की कगार पर हैं।

दीपक नौगांई
शिक्षक, नैनीताल

हिमालय की ऊंची पहाड़ियों में भूरा भालू और लाल लोमड़ी भी देखी गई थी, पर आज शायद ही कभी किसी को ये दिखलाई देते हों।

उत्तराखंड के संदर्भ में जिन पशु-पक्षियों के जीवन पर वन व वनस्पतियों के विनाश, मौसम परिवर्तन, जंगल की आग, हिम रेखा के सिकुड़ने, भोजन की कमी तथा वन तस्करों की बढ़ती सक्रियता के कारण संकट उत्पन्न हुआ है, उनमें हिमबाघ, गुलदार, कस्तुरी मृग, भालू, जंगली सुअर, काकड़, घुरड़, जंगली मुर्गी, मोनाल, चितराल, जंगली बिल्ली, खरगोश, चकोर, बटेर, मछलियों में महासीर आदि शामिल हैं। वन पक्षी एवं पशु संरक्षण अधिनियम, भारतीय वन अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम आदि कई कानून जंगल के जानवरों की सुरक्षा के लिए बने हैं, परंतु कथित विकास के सामने ये तमाम कानून बेअसर हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे सड़क व बांध निर्माण तथा पर्यटन विकास के नाम पर हो रहे कार्यों से जहां पहले से ही अस्थिर भू-क्षेत्र में अनेक खतरे पैदा हो रहे हैं, वहीं कभी हजारों की संख्या में पाई जाने वाली विशिष्ट हिमालयी प्राणियों की नस्लें लुप्त होने को अभिशप्त हैं। हिमालय में मौसम परिवर्तन तथा वन्य क्षेत्र में मानव की बढ़ती दखलंदाजी की सर्वाधिक मार हिमबाघ पर पड़ी है। ऊपरी हिम आच्छादित क्षेत्र में हिमबाघ अब दिखाई नहीं देते। अस्सी के दशक में उत्तराखंड में छह हिमबाघ पाए जाने की सूचना वन विभाग के पास थी।

इसी तरह भागीरथी, मंदाकिनी व अलकनंदा के जल ग्रहण क्षेत्र में पाई जाने वाली जंगली बिल्ली व पैंथर भी अब दिखलाई नहीं देते। घटते वन क्षेत्र, नदियों से छेड़छाड़, अवैध अतिक्रमण तथा मानव प्रभाव से भयभीत ये वन्य जीव लुप्त होने को बाध्य हैं। यदि सरकार ने समय रहते गंभीरता से इनके संरक्षण के प्रयास किए होते तो ये जीव आज हिमालय के अपने प्राकृतिक आवासों पर विचरण रह होते। अनेक सुंदर हिमालयी जीव अपने को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन्हीं में से एक है, उत्तराखंड का राज्य पशु कस्तुरी मृग। इसकी नाभि में मौजूद सुगंधित कस्तुरी के कारण इसका बहुत महत्व है, पर यह कस्तुरी ही इस खुबसूरत जीव के विनाश का कारण बन रही है। एक कस्तुरी मृग से एक समय में 25 से 30 ग्राम कस्तुरी प्राप्त होती हैं जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लाखों में है। यही कारण है कि यह खुबसूरत मृग शिकारियों द्वारा मारे जा रहे हैं। कभी पहाड़ में इनकी अच्छी खासी संख्या थी, पर आज ये अंगुलियों में गिनने लायक रह गए हैं। जाड़ों में भारी हिमपात के कारण मृग निचले इलाकों में चले आते हैं और आसानी से मारे जाते हैं।

हिमालय की ऊंची पहाड़ियों में भूरा भालू और लाल लोमड़ी भी देखी गई थी, पर आज शायद ही कभी किसी को ये दिखलाई देते हों। सड़क निर्माण के लिए हो रहे विस्फोटकों की भयावह आवाज से भयभीत वन्य जीव पलायन को विवश है। प्रतिकूल परिस्थितियों को सहनकर जो विजयी है, वही जीवित भी है। जंगली बकरा भी विलुप्त होने के कगार पर है। यह बुरांस तथा बेतुला के वृक्षों से आच्छादित जंगल में रहना पसंद करता है, पर मानवीय हस्तक्षेप और हर साल जंगलों में आग लगने से कई वन्यजीवों की तरह यह जीव भी जल कर मरने को शापित है। अगर गुलदार और बाघ की बात करें तो ये नरभक्षी हो चले हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि जंगल में न तो इनके लिए सघन वन क्षेत्र रह गया है और न ही शिकार के लिए पर्याप्त जानवर। कहीं संसाधनों की कमी है तो कहीं मैनपावर की। एक अन्य रक्षित प्रजाति का जीव हिमालयी थार भी अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रहा है। 90 से 100 सेमी ऊंचे इस जीव का वजन सौ किलो से अधिक होता है। यह भी अब विलुप्त हो रही प्रजातियों की सूची में है। अधिकांश वन्यजीव अब राष्ट्रीय अभयारण्यों तक ही सीमित होकर रह गए हैं। इनकी संख्या कम होती देखकर लगता है कि उजड़ना और खत्म होना ही वन्य जीवों की नियति बनकर रह गई है। यह क्रम जारी रहा तो एक दिन हिमालय की घाटियों में पशु-पक्षियों के कलरव व चहचहाट के स्थान पर केवल सन्नाटा ही सुनाई देगा।

सोशल फोरम

अब तो कहानी हो गई गौरैया

गौरैया! हां, जानी-पहचानी चिड़िया। एक जमाना था जब ढेर दिखती थीं। बिजली और टेलीफोन की लाइव लाइनों पर दूर तक एक लाइन से बैठीं दिखती थीं। मुंडेरों पर, खिड़कियों पर और आंगन में कपड़े सुखाने के लिए बंधी रस्सी पर भी।

घर से स्कूल जाने के रास्ते और फिर स्कूल में ढेर चिड़ियां इधर-उधर बैठी दिखतीं। कभी-कभी ऐसा भी होता कि मास्साब पढ़ा रहे होते और मैं ऊपर रोशनदानों में बैठी चिड़ियों के कार्यकलाप देख रहा होता था। मास्साब जाने कब आकर कान उमेठ कर डपट देते-ये चिड़ियां इम्तिहान पास कराने नहीं आएंगी।

वीर विनोद छावड़ा
वरिष्ठ लेखक, लखनऊ

दुमंजिले पर घर में एक स्टोर। उसकी खिड़की बाहर की ओर खुलती है। ये कभी-कभार ही खुलती। खिड़की के ऊपर के हिस्से में कांच था। एक दिन कांच थोड़ा सा टूट गया। यानी चिड़ियों के आने जाने के लिए पर्याप्त रास्ता बन गया। किताबों से भरे घर में और किताबें रखने की जगह कम पड़ गई तो पिताजी ने स्टोर में दो रैक टांगकर पुस्तकें भर दीं। चिड़ियों को मौका मिल गया। पुस्तकों के पीछे एक जोड़े ने तिनका-तिनका जोड़कर घौंसला बनाया। थोड़ी मदद मैंने भी कर दी। थोड़ी सूखी घास-फूस लाकर खिड़की पर रख दी। ताकि चिड़िया को तिनका बीनने दूर न जाना पड़े। फिर वो दिन भी आया कि चिड़िया का घोंसला पूर्ण हुआ। उसने अंडे दिए। कुछ दिन बाद उसमें से तीन बच्चे निकले। चिड़िया कहीं से दाना-दुनका चुग कर लाती। बच्चे मां की आहट पाते ही चीं-चीं करके शोर मचाना शुरू कर देते।

बच्चे थोड़ा बड़े हुए। चिड़िया मां ने उन्हें उड़ना सिखाया। चिड़िया का चिड़ा कुछ नहीं करता था। बस बैठा देखा करता था। एक दिन मैंने देखा तीन की जगह दो ही बच्चे हैं। एक पता नहीं कहां चला गया। मां ने आशंका जताई बिल्ली इधर-उधर घूमती रहती है। स्टोर बंद रखा करो। फिर वो दिन आया, बच्चे बड़े हो गए। उन्होंने अपना जोड़ा बना लिया। पुराना जोड़ा जाने कहां फुर्र हो गया। वक्त आगे बढ़ता रहा और उधर पेड़ों के साथ-साथ चिड़ियों की संख्या भी कम होती रही। आज मुझे दूर-दूर चिड़ियां नहीं दिखाई देती हैं। पेड़ भी कट गए हैं।

-फेसबुक वॉल से

पशु पालना स्वास्थ्य संबंधी मुसीबत को निमंत्रण

आजकल जानवर पालने का फैशन सा चल पड़ा है। गांवों में रोजी-रोटी के लिए तो शहरों में आधुनिकता की आड़ में अभी यह फैशन चलन में बहुत है। सिर्फ कुत्ता या बिल्ली पालने का शौक होता तो गनीमत भी थी, लोग तो खरगोश, सफेद चूहा, कबूतर, तोता, गिरगिट तक पालने लगे हैं। इनके पालने से जानलेवा बीमारियों का खतरा बना रहता है। पालतू पशुओं से विभिन्न रोगों के मानव तक फैलने के रास्ते अलग-अलग हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, श्वास नली, आहारनाल, त्वचा और कीट।

पक्षियों का निमोनिया श्वांस नली के जरिए ही पक्षी से मानव तक फैलता है। किसी भी पक्षी से इस रोग का फैलाव होने की संभावना रहती है। बत्तख और हंस के जरिए तक यह रोग फैल सकता है। आहारनाल के जरिए टाइफाइड रोग फैल सकता है। अगर कोई आदमी अक्सर पशुओं को चूमता है तो उसे इस रोग का खतरा हो सकता है। श्लेषमा के जरिए पागल कुत्ते का रोग होने का खतरा होता है। पागल कुत्ते के काटने या बिल्ली के पंजे से चोट लगने के बाद मनुष्य के शरीर में रोग के विषाणु पहुंचते हैं। कुछ वैज्ञानिक शोध की माने तो कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवर पालने वाले ज्यादातर लोग किसी न किसी उन बीमारीयों का शिकार/ ग्रसित हुए रहते हैं, जो पालतू जानवरों से आती है। पालतू बिल्लियों से एक बीमारी फैलती है जिसे वैज्ञानिक भाषा में "कैट स्क्रैच डिसीज" कहा जाता है, जो बिल्लियों की खरोंच से फैलती है, जरूरी नहीं है कि बिल्ली गुस्से में ही खरोंचे, वह आप से खेलते और प्यार जताते हुए भी खरोंच सकती है और इस बीमारी को फैला सकती है। पालतू जानवरों से इंसानों में "रिंगवर्म" जैसी बीमारी का खतरा कुछ ज्यादा ही होता है। यह बीमारी आम तौर पर कुत्तों के द्वारा फैलती है। घरों में कुत्तों के साथ सोने बैठने वाले लोगों में त्वचा संबंधित इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है। यह एक प्रकार के फंगस की बीमारी है। त्वचा पर चकते, दाने और लगातार खुजली इसके प्रमुख लक्षण है। घरेलू पक्षी जैसे तोता, कबूतर, मैना पालने वाले लोगों को आम तौर पर "सिटाकोसिस" नामक बीमारी का खतरा बना रहता है। इसे पैरट फीवर भी कहते हैं, ये बीमारी संक्रमित पक्षी के शरीर से हवा के जरिए फैलती है और अगर हम भी उसी हवा में सांस ले रहे हैं तो बीमारी के वायरस नाक के जरिए हमारे फेफड़ों में पहुंच जाते हैं। बीमारी के लक्षणों में बुखार, डायरिया, सूखी खांसी और शरीर में ठिठुरन शामिल है। इस के लिए एंटीबायोटिक की खुराक लेनी पड़ती है वरना इसे नजर अंदाज करने पर लेने के देने पड़ सकते है।

डॉ.धीरज सिंह
मुंबई

पालतू पशुओं से विभिन्न रोगों के मानव तक फैलने के रास्ते अलग-अलग हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, श्वासनली, आहारनाल , त्वचा और कीट।

भारत में दूध, दही के लिए गाय और मांस के लिए बकरी व ऊन के लिए भेड़ का पालन किया जाता है। एक बीमारी है, ब्रुसेलोसिस जो बीमार गाय, बकरी और भेड़ से होती है। आमतौर पर संक्रमित गायों या बकरियों का दूध पीने पर ये बीमारी हो सकती है, लेकिन अगर आप इन पशुओं को पालने के शौकीन हैं तो शरीर पर हुए हल्के-फुल्के जख्मों के जरिए भी इस बीमारी के बैक्टीरिया भीतर पहुंच जाते हैं। इसके लक्षण मौसमी फ्लू से मिलते-जुलते होते हैं। बूढ़े-बुजुर्ग लोगों को इससे सबसे ज्यादा खतरा होता है, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है। साल 2015 से 2018 में दक्षिण, उत्तर और यूरोप में "मैड काऊ डिजीज" फैली थी। तब मनुष्य ने अपनी जान बचाने के लिए ही लाखों गायों को बेवक्त ही गला काट दिया था। यह बेहद खतरनाक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जो मरीज की जान भी ले सकती है। पूरी दुनिया को दहशत जदाकर तब इस बीमारी नें सैकड़ों जानें ली थीं। रेबीज पालतू जानवरों से होने वाली सबसे खतरनाक बीमारियों में गिनी जाती है। वायरस से फैलने वाली ये बीमारी पालतू जानवरों में आसपास रहने वाले जंगली जानवरों से आती है और जानवरों की सफाई के दौरान इंसानी शरीर में इसके वायरस प्रवेश कर जाते हैं। याद रखें असावधान होकर पशु पालना जहरीला सांप पालने के बराबर है। सांप काटेगा तो जहर ही निकलना है और जहर जानलेवा होता है।

व्यंग्य

सीटें आईं हैं

चुनाव की घोषणा हो गई है। छल-दंभ, द्वेष-पाखंड, झूठ-अन्याय से निस दिन लिप्त रहने वाला गाना प्रत्येक बोलेरो में सुनने को मिलेगा। सीटों का सवाल। हर पांच साल में सीट मिलती हैं। कहीं न कहीं कोई उस पर बैठता है। पंचवर्षीय सीटें पंचकोसी परिक्रमा के बाद प्राप्त हो जाती हैं। दूर से दिखने में कठिन लगता है, पर सीटें मिलना आसान है। जनता है किसी न किसी को सीट दे ही देती है। खुद हमेशा अपने पैरों पर खड़ी रहती है। पैरों पर खड़े रहना काफी अच्छा बताया गया है। खासकर अगर पैर खुद के हों, जो अपने पैरों पर खड़ा है, वो होनहार है।

मृदुल पांडेय
सहायक अध्यापक

कहावतें कितनी झूठी बना दी गई हैं। होनहार वो है, जो खुद बैठा रहे और दूसरों को खड़ा रखे। शायद इसीलिए बड़े-बड़े ऑफिसों में साहब के आगे सिर्फ दो कुर्सी होती हैं। खैर अब सीटों का बंटवारा होगा। कुछ सीटें इधर जाएंगी, कुछ उधर जाएंगी। सीटों के पैर होते हैं। हर पांच साल में कहीं न कहीं भागदौड़ लगाती रहती हैं, लेकिन कुछ सीटें हैं, जो जल्दी नहीं मिलती। सत्तर सालों में तो नहीं मिली। इनको पाने में बहुत मशक्कत है। पहले प्रधान के घर जाना पड़ता है, प्रधान ब्लॉक भेजता है, ब्लॉक जिले पर भेजता है और जिला फिर वापस स्कूल। हां, ये प्राथमिक विद्यालय की सीटें हैं जिसको पाना सांसद की सीट पाने से मुश्किल काम है। क्योंकि इस पर विधायक नहीं बैठते, सांसद नहीं बैठते, अधिकारी नहीं बैठते। खेत मे हाड़-तोड़ मेहनत करने वाले हल्कू का लड़का बैठता है, शहर जाकर 500 रुपये की दिहाड़ी करने वाले आत्माराम की बिटिया बैठती है। बप्पा को खेत में काम पर सीट नहीं मिली और उनके संतानों को स्कूल में। यही बप्पा-अम्मा हर पांच साल में सबको एक-एक करके सीट देते हुए आएं हैं और इनका खुद का भविष्य जाड़ा-गर्मी बरसात में चटाई पर बैठ सरस्वती की उपासना कर रहा है। क्या किसी को कभी खाक मतलब रहा है? भारत जहां चुनाव को पर्व माना जाता है, वहां सीटें प्रसाद हैं, जो गिन-गिन कर लोगों को दी जाती है। ऐरे गैरे बच्चों को बैठने के लिए नहीं। ऊपर बैठे लोग भी जानते हैं, अगर इनको बचपन में ही सीटें दे दी गईं तो शायद ये हर जगह सीट की ही मांग करेंगे। फिर उनको विश्वविद्यालय में भी सीट चाहिए होगी, नौकरी की भी सीट चाहिए होगी, चुनाव में भी सीट चाहिए होगी। सीट की आदत ही ऐसी है कि अगर लग जाए तो आदमी बिना सीट के नहीं रह पाता। फिर क्यों न उसे कुछ भी करना पड़ जाए। इसलिए इनको सीट नहीं देना है, पर सीटें आई हैं सत्तर साल बाद ही सही सीटें आई हैं। लड़-झगड़कर ही सही। बच्चे खुश हैं। अपनी सीटें ढो रहे हैं। रिक्शे से क्लास तक ले जा रहे हैं। ललचाई आंखो से देख रहें हैं। साफ कर रहे हैं। बंटवारा कर रहे हैं। इनका बंटवारा चुनाव की सीटों से ज्यादा कठिन है, क्योंकि ये पूरा ख्याल रखा गया है कि सीटें पर्याप्त न हों, सबको सीट न मिल सके, कुछ न कुछ कमी जरूर रखनी है। देश के बच्चों में एडजस्ट करने की आदत बचपन से ही डालना है। इसलिए सीट सिर्फ इतनी हों कि लटक-लटक कर एक पर चार-पांच बैठ सकें। किसी स्कूल में सिर्फ कुछ क्लास के बच्चे ही बैठ सकें। ताकि उनको अपने कर्तव्यों का अहसास हमेशा बना रहे कि उनको बस एडजस्ट करना है। आधे में लटकना है और दिखावा करना है कि उनके पास भी सीट हैं। भारत सीटों का देश है और सीटें आईं हैं।

लोकसभा चुनाव
महासंग्राम 2024
अमृत विचार
11
गुरुवार, 21 मार्च 2024
www.amritvichar.com

बाहुबल के साए में चुनाव, अब बीते दिनों की बात

चुनाव प्रभावित करने वाले कई बाहुबली जेल में, योगी सरकार ने खत्म किया बाहुबलियों का दबदबा

विनय सिंह, लखनऊ

अमृत विचार। यह पहली बार है कि 2024 का लोकसभा चुनाव बाहुबलियों के बगैर होने जा रहा है। दूर-दूर तक कोई बाहुबली मैदान में नहीं दिख रहा है। आलम यह है कि चुनावों को प्रभावित करने वाले बाहुबली भी अपने-अपने क्षेत्रों से गायब हैं। ज्यादातर बाहुबली या तो जीवित नहीं हैं या फिर जेलों में बंद हैं। ऐसे में 2024 का चुनाव नजीर बनेगा। जाहिर है सरकार ने वादे के अनुरूप प्रदेश में बाहुबलियों का साम्राज्य लगभग खत्म कर दिया।

प्रदेश के कई बड़े अपराधी, जो चुनाव में देते थे दखल

चार बार से ज्ञानपुर सीट से विधायक रहने वाले बाहुबली विजय मिश्रा का कद इतना बड़ा था कि वह मोदी लहर में भी चुनाव जीते। विजय का कद इतना बड़ा था कि आसपास की सीटों पर भी प्रभाव पड़ता था। योगी सरकार आने के बाद विजय मिश्रा के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करने की छूट मिली। इस समय विजय मिश्रा जेल में हैं और राजनीतिक रूप से भी प्रभावहीन हो चुके हैं।

मुख्तार अंसारी का जरायम की दुनिया में बड़ा नाम है। मुख्तार मऊ निर्वाचन क्षेत्र से पांच बार विधायक रहे, जिसमें दो बार बसपा के टिकट पर जीते। एक वक्त था जब मुख्तार को टिकट देने के लिए विभिन्न पार्टियां बेचैन रहती थी, क्योंकि मुख्तार जीत की गारंटी थे। जलवा इतना कि मुख्तार के वरदस्त पर कई मऊ के कई विधानसभा सीटों पर जीत तय होती थी। इन दिनों मुख्तार सजायाफ्ता हैं। किसी भी पार्टी में दखलंदाजी नहीं है।

माफिया और नेता रहे अतीक अहमद तत्कालीन इलाहाबाद और फूलपुर में खासा दबदबा रहता था। अतीक इलाहाबाद पश्चिमी सीट से लगातार पांच बार विधायक चुने गए। 14वीं लोकसभा के लिए समाजवादी पार्टी ने फूलपुर से उम्मीदवार चुना। अतीक अहमद का कद इतना बड़ा था कि वह जेल से चुनाव लड़ते और जीतते थे। अप्रैल 2023 में एक गोलीकांड में अतीक की हत्या होने के बाद इलाहाबाद और फूलपुर बाहुबल की राजनीति से पूर्णतया मुक्त हो गया।

तीन बार विधायक और दो बार सांसद रहे यूपी के टॉप टेन माफिया रिजवान जहीर का दबादबा भी लगभग खत्म हो गया। रिजवान जहीर के दबदबे का आलम यह था कि एक समय उन्होंने सपा मुखिया रहे मुलायम सिंह यादव को भी चुनौती दे डाली थी। बसपा, कांग्रेस और सपा में भी प्रभाव रहा। रिजवान के बुरे दिन तबसे शुरू हुए जब यूपी में योगी के नेतृत्व में सरकार बनी। योगी सरकार में रिजवान का नाम यूपी के टॉपटेन माफियाओं में था। सरकार की कार्रवाई में ही रिजवान के राजनैतिक कॅरियर का लगभग अंत हो गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र के रूप में छात्रसंघ की राजनीति में दखल से धनंजय सिंह का राजनैतिक कॅरियर भी शुरू हुआ। 2002 से 2009 तक निर्दल रारी से विधायक रहे। 15वीं लोकसभा में बसपा के टिकट पर सांसद बने। धनंजय सिंह का जौनपुर संसदीय सीट व विधानसभा क्षेत्रों में दबदबा रहता था। हत्या, लूट जैसे अपराधों को अंजाम देकर धनंजय जरायम की दुनिया में पहुंचे थे। 2024 के चुनावों में ताल ठोकने की तैयारी कर रहे थे, तभी अदालत के एक फैसले से जेल चले गए।

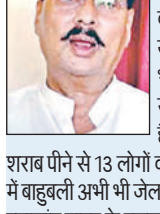

आजमगढ़ की राजनीति में बाहुबली रमाकांत यादव का दबदबा भी लगभग खत्म हो चुका है। जहरीली शराब पीने से 13 लोगों की मौत के मामले में बाहुबली अभी भी जेल में निरुद्ध हैं। रमाकांत यादव के रसूख का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह आजमगढ़ सीट से चार बार सांसद रह चुके हैं। प्रदेश में सक्रिय लगभग सभी पार्टियां रमाकांत को टिकट देने के लिए आतुर रहती थी। लेकिन अदालती और कानूनी कार्रवाइयों ने रमाकांत के बाहुबल का लगभग खात्मा कर दिया।

पश्चिमी उप्र. की राजनीति में भी खत्म हुआ बाहुबल

पूर्वांचल ही नहीं बल्कि, पश्चिमी यूपी की राजनीति में भी माफियाराज इतिहास का विषय बन चुका है। यहां के माफियाओं में बदन सिंह, डीपी यादव, हाजी याकूब कुरैशी, सुनीर, यशपाल तोमर, अमरपाल उर्फ कालू, संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा, विनय त्यागी, एजाज, सुंदर भाटी, अमित कसाना, विक्रांत उर्फ विक्की जैसे माफियाओं का चुनावों में पूरा हस्तक्षेप रहता था। पुलिस अफसरों के मुताबिक उक्त अपराधी स्थानीय चुनावों को अपने हिसाब से प्रभावित करने में सक्षम थे। सरकार की कार्रवाइयों से यहां के माफियाराज का लगभग अस्त हो चुका है। पूर्वांचल में वृजेश सिंह, संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवेदी, अब्बास अंसारी पर भी खूब कानूनी कार्रवाई हुई। अदालतों ने भी सख्ती दिखाई।

कभी इनके चेहरे पर ही था चुनाव

इस बार न कल्याण न मुलायम

सक्रिय राजनीति में न होने के बावजूद भी समर्थकों में रहता था जोश

2021 में कल्याण व 22 में मुलायम की मृत्यु के बाद हो रहा पहला लोकसभा चुनाव

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचार। इस बार के लोकसभा चुनाव में पीडीए बनाम एनडीए के चुनावी संघर्ष के अब तमाम चेहरों की गुटबंदी आमने-सामने है। एक गठबंधन 'पीडीए' के तो दूसरा 'कमण्डल' के साथ नजर आता है। अब जनता ही तय करेगी हर स्तर पर विकास का मुद्दा बड़ा या जाति और धर्म का?

बहरहाल, एक समय था जब कल्याण सिंह, मुलायम सिंह यादव और छोटे चौधरी कहे जाने वाले अजित सिंह के लिए लगने वाले नारे रोंगटे खड़े देते। जिसका जलवा कायम है, उसका नाम मुलायम है। कल्याण सिंह तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं। अजित सिंह आए हैं, हरित प्रदेश लाए हैं। हालांकि मौजूदा राजनीतिक हस्तियों को लेकर नारे अब भी लगते हैं लेकिन रोंगटे खड़े कर देने को आत्मसात नहीं होते।

बहरहाल, चुनावी बिगुल फुंकने के साथ उत्तर प्रदेश के राजनीतिक पटल पर सरगर्मी तेज है। भाजपा आत्मविश्वास से लबरेज है तो सपा उत्साहित। कांग्रेस कन्फ्यूज़ड है तो बसपा में रहस्मयी चुप्पी पसरी है। निकट भविष्य में सभी की राजनीतिक तकदीर लॉक होने को है। लेकिन इससे पहले होने जा रहे चुनावी संघर्ष में इस बार लगभग चार दशक तक अपनी रणनीतियों, तौरतरीकों, दांवपेचों से विरोधियों को पटखनी देने वाले मुलायम-कल्याण नहीं होंगे। अंतिम दिनों में भले दोनों हस्तियां सक्रिय राजनीति से दूर रहीं हों, पर उनके होने के एहसास मात्र ही दोनों दलों के एक बड़े समर्थक वर्ग के दिलो-दिमाग में राज करता था। उप्र. की राजनीति का अतीत देखें तो 90 के दशक से ही मुलायम और कल्याण इस राज्य की राजनीति के केन्द्र बिन्दु बने रहे। अगस्त 2021 में कल्याण सिंह तो अक्तूबर 2022 में मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया। सपा की स्थापना के बाद मुलायम की गैर-मौजूदगी में पार्टी का यह पहला चुनाव होगा। वहीं राम मंदिर निर्माण से भले भाजपा का बहुप्रतिक्षित एजेंडा पूरा हुआ हो पर इस अभियान के असल हीरो कल्याण की कमी तो खलनी स्वाभाविक है। वहीं, तीन दशक से हर लोकसभा चुनाव में भागीदारी करने वाले राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया रहे चौधरी अजित सिंह की भी मृत्यु मइ्र 2021 में हुई। अजित सिंह तो रहे नहीं लेकिन इस चुनाव में चौधरी खानदान का भी कोई चेहरा नहीं उतरेगा। उनके बेटे जयंत चौधरी इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रहे।

कल्याण सिंह को याद करें तो, नब्बे के दशक की शुरुआत में राजनीति का जो दौर था, उसे मण्डल और कमण्डल यानी आरक्षण और राम मंदिर आंदोलन के तौर पर जाना जाता है। देश भर में एक ओर मण्डल आयोग की सिफारिशों का समर्थन और विरोध चल रहा था, तो दूसरी ओर अयोध्या में राम-जन्मभूमि के लिए आंदोलन चल रहा था। मुख्यमंत्री थे मुलायम सिंह यादव। इस बीच भाजपा ने कल्याण सिंह को आगे किया। कल्याण सिंह ने एक साल में ही भाजपा को उस स्थिति में ला दिया कि पार्टी ने 1991 में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली। मुख्यमंत्री बनने के बाद कल्याण सिंह ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अयोध्या का दौरा किया और राम मंदिर का निर्माण करने के लिए शपथ ली थी।

...फिर भी नहीं बढ़ा मतदान प्रतिशत

2014 में मोदी लहर के कारण बढ़ा था मतदान प्रतिशत

अधिक मतदान के लिए चलाया गया अभियान

राजीव शुक्ला, लखनऊ

अमृत विचार: लोकतंत्र के महापर्व पर भीषण गर्मी के बीच मतदाताओं को मतदेय स्थलों तक ले जाना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। लोकसभा, विधानसभा और निकाय के चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर तमाम जतन किए जाते हैं मगर अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं आते हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में 70 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य है। लक्ष्य हासिल होता है या नहीं यह तो भविष्य के गर्त में छुपा है और इसका जवाब 20 मई को मिलेगा।

किसी भी चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग की ओर से दिशा-निर्देश दिए जाते हैं। इसके बाद प्रदेश और जिले स्तर पर इसका अनुपालन होता है। मताधिकारी को लेकर सबको जागरूक किया जाता है और चुनाव के दौरान बहुमूल्य मत का प्रयोग करने की अपील भी की जाती है। लगातार होने वाली इस कवायद के बाद भी मतदान प्रतशित में कोई खासी बढ़ोतरी नहीं हुई। 2004 और 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में तमाम प्रयास करने के बाद महज दो प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जबकि 2014 के चुनाव में सत्ता के बदलाव की बयार बह रही थी और मोदी लहर के कारण मतदान प्रतिशत 53.1 प्रतिशत पहुंच गया था। जबकि 2019 के चुनाव में महज छह प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और मत प्रतिशत 59.11 रहा।

इस बार 70 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य है, 20 मई को पता चलेगा कितना बढ़ा मतदान प्रतिशत

घर से मतदान करेंगे 60 हजार मतदाता

संवाददाता, लखनऊअमृत विचार : लोकसभा चुनाव में मत प्रतिशत बढ़वाने के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग से लेकर राज्य और जिला स्तर तक की टीमें सक्रिय हो गई हैं। 85 वर्ष से अधिक के लगभग 60 हजार मतदाता इस बार घर बैठकर मतदान कर सकते हैं। खास बात यह है कि अगर कोई बुजुर्ग मतदाता अगर मतदेय स्थल तक जाना चाहते हैं तो उनके लिए प्रशासन की ओर से व्यवस्था कराई जा सकती है। बता दें कि चुनाव आयोग ने घर से वोट डालने की सुविधा सिर्फ बुजुर्गों और दिव्यांगों को दी है। 85 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग और 40% से ज्यादा दिव्यांग घर बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। दिव्यांग व्यक्तियों के पास डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट होना आवश्यक है। जिसमें इस बात का जिक्र हो कि डिसेबिलिटी कितने प्रतिशत है। जो बुजुर्ग अथवा दिव्यांग मतदाता घर बैठे वोट डालना चाहते हैं उन्हें केंद्रीय चुनाव आयोग के सक्षम एप पर इस विकल्प का चुनाव करना होगा। एप पर विवरण के साथ परेशानी भी बतानी होगी। लोकसभा क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के घर फार्म भिजवाया जाएगा।

पहली बार मतदान को लेकर काफी उत्साहित हूं। लोकसभा चुनाव में वोट करने का मौका मिला है। मैं अपना वोट शिक्षा, बेरोजगारी और विकास पर ही करूंगी। जनपद में जो भी प्रत्याशी विकास को लेकर सजग होगा उसे ही मेरा वोट जाएगा। शिक्षा, बेरोजगारी, महिलाओं को सुरक्षा देने वाली सरकार चुनने के लिए मतदान करूंगी।

पूनम, सेन
पहितीपुर बाजार विधानसभा क्षेत्र कटेहरी अंबेडकरनगर।

बाहरी ही सुलतानपुर में खिला सके 'कमल'

अजय कुमार पांडेय, सुलतानपुर

अमृत विचार: सुलतानपुर लोकसभा सीट पर अब तक हुए चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय उम्मीदवारों पर बाहरी प्रत्याशी भारी पड़े हैं। बाहरी प्रत्याशियों ने जहां यहां पर कमल खिलाया है, वहीं स्थानीय प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा सके है।

सुलतानपुर लोकसभा सीट अधिकतर कांग्रेस के ही पास रही। इस बार उसका प्रत्याशी यहां नहीं है। इंडिया गठबंधन में सपा के पाले में यह सीट गई है। भगवा ब्रिगेड की बात करे तो 1991 में पहली सफलता अयोध्या के संत विश्वनाथ दास शास्त्री ने जीत कर यहां पर भाजपा का खाता खोला था। शास्त्री को 1,73,485 और निकटम प्रतिद्वंदी जनता दल के राम सिंह को 64,529 वोट मिले थे। 1996 और 1998 में भाजपा के उम्मीदवार बाबरी ध्वंस के समय फैजाबाद के पुलिस अधीक्षक रहे देवेंद्र बहादुर राय (डीबी राय) थे। 1996 में राय को 2,38,843 और निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के कमरुज्जमा फौजी को 1,20,559 वोट मिले। 1998 में राय को 2,69,9510 और डा. रीता बहुगुणा जोशी सपा के वोट 2,05,5030 थे।

1999 में भाजपा बिना लड़े ही मैदान के बाहर हो गई थी। उसके प्रत्याशी सत्यदेव सिंह (गोंडा) समय से नामांकन नहीं दाखिल कर सके थे। इस चुनाव में सुलतानपुर लोकसभा सीट पर बसपा से जयभद्र सिंह निर्वाचित हुए। 2004 और 2009 में भाजपा ने स्थानीय उम्मीदवारों को अवसर दिया। दोनों ही बार पार्टी चौथे स्थान पर रही। 2004 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने स्थानीय उम्मीदवार डा. वीणा पांडेय पर भरोसा दिखाया तो वह 91,328 मत ही पा सकी। वहीं, बसपा के मो. ताहिर खान ने 2,61,564 मत पाकर दुबारा सुलतानपुर लोक सभा सीट बसपा के झोली में डाल दिया। 2009 के लोक सभा चुनाव में भाजपा ने फिर स्थानीय उम्मीदवार सूर्यभान सिंह को टिकट दिया। सूर्यभान सिंह 44,425 वोट पाकर चौथे स्थान पर रहे और जमानत जब्त हो गई। वहीं कांग्रेस के डा संजय सिंह 3,00,411 मत पाकर एक बार फ़िर यह सीट कांग्रेस के झोली में डाल दी। 2014 और 2019 में भाजपा की कामयाबी बाहरी उम्मीदवारों के जरिए मिली। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर पैराशूट उम्मीदवार वरुण गांधी को प्रत्याशी बनाया। वरुण गांधी 4,10,348 मत पाकर बसपा के पवन कुमार पांडेय को 1,78,902 मतों से हरा सुलतानपुर की सीट भाजपा के खाते में डाल दी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बिना कोई गलती किए मेनका संजय गांधी को प्रत्याशी बनाया। मेनका संजय गांधी 4,59,196 मत पाकर सपा समर्थित बसपा प्रत्याशी चंद्र भद्र सिंह को 14,526 मतों से हरा सीट भाजपा के खाते में डाल दिया।

विभिन्न आयुवर्ग के मतदाता

80-89 आयुवर्ग	90-99 आयुवर्ग	100-119 आयुवर्ग	120 आयुवर्ग से अधिक
5300	1189	48	01
4797	867	42	02
7789	1094	27	02
4721	597	27	02
5934	936	19	00
7894	1137	29	00
5732	978	07	00
4461	490	01	00
4937	1166	18	03

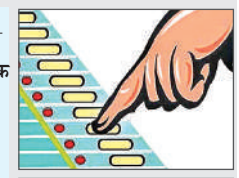

वर्ष मतदान प्रतिशत

2004	35.00
2009	37.00
2014	53.1
2019	59.11

रमाबाई अंबेडकर मैदान में बनेगा स्ट्रांग रूम

लखनऊ, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू कर दी है। रमाबाई अंबेडकर मैदान और रैन बसेरा में अधिग्रहीत किए गए कक्षों में ईवीएम ओर वीवीपैट रखे जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने रमाबाई अंबेडकर मैदान में कक्ष संख्या एक से दस, रमाबाई अंबेडकर मैदान मुख्यालय स्मारक समिति में कक्ष 11 एवं 12 को अधिग्रहीत किया गया है। इनमें ईवीएम और वीवीपैट रखे जाएंगे। साथ ही रैन बसेरा आशियाना में कक्ष संख्या 36 से 38 तक अधिग्रहीत किए गए हैं। इनमें प्रयोग में न आने वाली ईवीएम, महत्वपूर्ण अभिलेख और अन्य सामग्री रखी जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से इसकी सूचना मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त और लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को भेजी गई है।

---

33 साल से लखनऊ सीट नहीं हारी भाजपा

दिव्यभान श्रीवास्तव, लखनऊ

विश्लेषण

- लखनऊ और मोहनलालगंज सीट पर मतदान 5वें चरण में 20 मई को होगा
- लोकसभा की दोनों संसदीय सीट पर 39 लाख 53 हजार 287 मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

अमृत विचार : लखनऊ लोकसभा सीट की खासियत अलग है। यहां अटल बिहारी वाजपेयी का बोया बीज बरगद का रूप ले चुका है। इस सीट पर हर क्षेत्र के पुरोधा अपनी किस्मत आजमा चुके हैं। मगर 33 साल से लखनऊ लोकसभा सीट भाजपा की झोली में है और इस बार भी चुनौती नहीं के बराबर है।

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी लखनऊ मध्य से विधायक रविदास मेहरोत्रा जरूर दौड़ में हैं। सपा कैंडीडेट रविदास मेहरोत्रा सिर्फ एक सीट से विधायक हैं, जबकि राजनाथ सिंह लखनऊ की कई सीट पर बीजेपी उम्मीदवारों को जिता चुके हैं। मेयर सुषमा खर्कवाल भी बीजेपी की है, इसलिए राजनाथ सिंह का विस्तार रविदास मेहरोत्रा या इंडिया गठबंधन से निश्चित तौर पर ज्यादा है। उधर बसपा के लिए प्रत्याशी चयन ही संकट बन गया है। राजधानी लखनऊ में मतदाताओं ने भी बदलते दौर के साथ अपना मिजाज बदला, जिसके परिणाम भी चौंकाने वाले सामने आए। 80 लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दो लोकसभा सीटें है। लखनऊ और मोहनलालगंज लोकसभा सीट। इन पर 20 मई को 5वें चरण में वोटिंग होनी है। दोनों संसदीय सीट पर 39 लाख 53 हजार 287 मतदाता हैं। 20 मई को कुल 1545 मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। दोनों संसदीय सीट पर 18 से 29 वर्ष के युवा मतदाताओं की संख्या 7 लाख 2 हजार 860 है।

वहीं मोहनलालगंज लोकसभा सीट पर बीजेपी ने कौशल किशोर पर फिर से भरोसा जताया है जबकि समाजवादी पार्टी ने पूर्व मंत्री आरके चौधरी को प्रत्याशी घोषित किया है। इस लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी होंगे। बसपा ने अभी लखनऊ की दोनों ही सीट पर प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है।

- इसमें सबसे अधिक युवा (18 से 29 वर्ष) मतदाताओं की संख्या लगभग 7 लाख 2 हजार 860 है

पहली जीत विजय लक्ष्मी को मिली थी

आजादी के बाद लखनऊ संसदीय सीट पर कुल 16 बार लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 7 बार भाजपा और 6 बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है। इसके अलावा जनता दल, भारतीय लोकदल और निर्दलीय ने एक-एक बार जीत दर्ज की है। पहले चुनाव में लखनऊ सेंट्रल से जहां मशहूर नेता विजय लक्ष्मी पंडित विजयी हुई थी वहीं लखनऊ-बाराबंकी सीट पर कांग्रेस के ही उम्मीदवार मोहन लाल सक्सेना को जीत मिली थी।

1991 में अटल बिहारी की जीत के बाद भाजपा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा

लखनऊ लोकसभा सीट को बीजेपी का गढ़ माना जाता है। इस सीट पर 1991 से बीजेपी का कब्जा है। भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने पहली बार इस सीट को 1991 में जीतकर बीजेपी की झोली में डाल दिया था। जीत का सिलसिला अभी भी जारी है। भाजपा 8 बार लोकसभा चुनाव जीत चुकी है। जिसमें अटल जी 5 बार, लाल जी टंडन एक और राजनाथ सिंह दो बार सांसद चुने जा चुके हैं। राजनाथ सिंह 2014 और 2019 में रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीत चुके हैं। अटल जी ने 8 बार चुनाव लड़ा, जिसमें लगातार उन्हें 3 चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। लखनऊ लोकसभा सीट में कुल 5 लखनऊ पश्चिमी, उत्तरी, पूर्वी, मध्य और कैंट विधानसभा सीट आती है। 2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 3 और सपा ने दो सीट जीती थीं। वर्ष 1967 के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी आनंद नारायण मुल्ला ने बाजी अपने नाम की। हालांकि1971 में शीला कौल ने कांग्रेस को जीत दिलाई। इसके बाद जनता पार्टी से हेमवती नंदन बहुगुणा सांसद रहे। हालांकि उन्हें हराकर शीला कौल लगातार दो बार सांसद रहीं। 1989 में जनता दल से मांधाता सिंह ने जीत दर्ज की, लेकिन 1991 में अटल बिहारी वाजपेयी के जीतने के बाद भाजपा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

लखनऊ सीट पर अब तक लोकसभा के सदस्य

नाम	वर्ष	दल
शिवराजवती नेहरू	1951-53	कांग्रेस
विजयलक्ष्मी पंडित	1953-57	कांग्रेस
पुलिन बिहारी बनर्जी	1957-60	कांग्रेस
बीके धवन	1962-67	कांग्रेस
आनंद नारायण मुल्ला	1967-71	निर्दलीय
शीला कौल	1971-77	कांग्रेस
हेमवती नंदन बहुगुणा	1977-80	लोकदल
शीला कौल	1980-84	कांग्रेस
शीला कौल	1984-89	कांग्रेस
मंधाता सिंह	1989-90	जनता दल
अटल बिहारी वाजपेयी	1991-96	भाजपा
अटल बिहारी वाजपेयी	1996-98	भाजपा
अटल बिहारी वाजपेयी	1998-99	भाजपा
अटल बिहारी वाजपेयी	1999-2004	भाजपा
अटल बिहारी वाजपेयी	2004-2009	भाजपा
लालजी टंडन	2009-2014	भाजपा
राजनाथ सिंह	2014-2019	भाजपा
राजनाथ सिंह	2019-2024	भाजपा

कौशल किशोर कर रहे जीत की हैट्रिक लगाने का हर संभव प्रयास

मोहनलालगंज सीट पर 1962 में पहली बार कांग्रेस ने चुनाव जीता था, कांग्रेस सबसे ज्यादा 5 बार चुनाव जीत चुकी है, लेकिन अब बीते 40 साल से जीत के लिए तरस रही है। बीजेपी और सपा ने 4-4 बार चुनाव जीता है। 1991 में लखनऊ लोकसभा सीट और मोहनलालगंज सीट पर बीजेपी ने एक साथ खाता खोला था। बीजेपी के छोटेलाल ने 1991 में चुनाव जीता था। 1998 में सपा ने पहली बार जीत दर्ज की थी। इस सीट से जनता दल और जनता पार्टी के कैंडिडेट 1-1 बार चुनाव जीत चुके हैं। बीजेपी कैंडिडेट कौशल किशोर कांग्रेस सांसद गीता देवी की बराबरी करने के लिए जीत की हैट्रिक लगाने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसमें सिधौली, मोहनलालगंज, मलिहाबाद, बख्शी तालाब और सरोजनीनगर विधानसभा सीट शामिल हैं। यह सभी सीटें भाजपा के पास है।

एम बी हनीफा ने बनाई थी ईवीएम

- पांचवी बार ईवीएम के जरिए लोकसभा चुनाव होने जा रहा है। जिस भारतीय ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं उसका आविष्कार 1980 में 'एम बी हनीफा' के द्वारा किया गया था। जिसे उसने 'इलेक्ट्रॉनिक संचालित मतगणना मशीन' के नाम से 15 अक्टूबर 1980 को पंजीकृत करवाया था। एकीकृत सर्किट का उपयोग कर "एम बी हनीफा" द्वारा बनाये गये मूल डिजाइन को तमिलनाडु के छह शहरों में आयोजित सरकारी प्रदर्शनियों में जनता के लिए प्रदर्शित किया गया था। अगस्त, 1980 में राजनीतिक दलों के समक्ष पहली बार प्रदर्शन के बाद आयोग ने इसके इस्तेमाल के निर्देश जारी किए थे। 1982 में केरल में हुए चुनाव में पहली बार ईवीएम का उपयोग हुआ। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती मिलने के बाद चुनाव रद कर दिए गए। 1998 में चुनाव कराने के लिए इसके उपयोग पर सहमति बनी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के 25 विधानसभा क्षेत्रों में ईवीएम का उपयोग किया गया। 2004 के लोकसभा चुनावों में पहली बार देश के सभी 543 निर्वाचन क्षेत्रों में ईवीएम का उपयोग किया गया था।

चुनाव कमाल का...

- 1971 में विपक्ष के 'इंदिरा हटाओ' नारे पर इंदिरा गांधी का 'गरीबी हटाओ' नारा भारी पड़ा। उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस ने लोकसभा की 545 सीटों में से 352 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस (ओ) के खाते में सिर्फ 16 सीटें ही आई। भारतीय जनसंघ ने चुनाव में 22 सीटें जीतीं। सीपीआई ने चुनाव में 23 सीटें जीतीं। जबकि सीपीआईएम के खाते में 25 सीटें आईं।
- 1977 जनवरी 23 ही वो दिन था जब अचानक इंदिरा गांधी ने आकाशवाणी के जरिए देश में आम चुनाव की घोषणा की। देश में तीन दिन में ही चुनाव संपन्न हो गए। चुनाव 16 से लेकर 19 मार्च 1977 के बीच हुए।
- 22 मार्च 1977 को आए चुनाव नतीजे ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया। चुनाव में कांग्रेस गठबंधन को मात्र 153 सीटें ही मिली थीं। इस चुनाव में पूरा विपक्ष समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में गोलबंद हुआ था। जनता पार्टी को चुनाव चिन्ह नहीं मिल पाया था, जिसकी वजह से पार्टी ने 'भारतीय लोक दल' के चिन्ह "हलधर किसान" पर चुनाव लड़ा और 298 सीटें जीतीं।

चुनावी तीर

मध्यप्रदेश में 29 लोकसभा सीट हैं, लेकिन कांग्रेस के बड़े से बड़े नेता चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस ने पद यात्रा निकाली, जहां-जहां से यात्रा निकली, लोग कहते हैं कांग्रेस छोड़ो यात्रा थी और वो जहां-जहां गए लोग कांग्रेस छोड़ते चले गये।

-डॉ मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भाजपा ने जे.पी. पटेल को खूब सम्मान दिया और सचेतक भी बनाया। भाजपा में उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल था। लेकिन, जब वह अपने राजनीतिक करियर को डुबोने के लिए डूबते जहाज पर सवार होना चाहते हैं तो हम क्या कर सकते हैं? उनके कांग्रेस में शामिल होने से चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

-प्रतुल शाहदेव, भाजपा प्रवक्ता

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन स्वार्थ पर आधारित है और इसका उनकी पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वह राजधानी की सातों लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगी। हम बहुत सकारात्मक अभियान चला रहे हैं और 10 साल के रिपोर्ट कार्ड के साथ लोगों के बीच जा रहे हैं। अबकी बार 400 पार केवल नारा नहीं है बल्कि एक संकल्प है जिसे वास्तविकता में बदला जाएगा।

- बांसुरी स्वराज, भाजपा प्रत्याशी दिल्ली

● मनोज त्रिपाठी, कानपुर

सल्तनत समाजवादियों की, अब भाजपा के पक्ष में

सियासी समीकरण

7 बार जसवंतनगर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए मुलायम सिंह

1989 में बसपा के संस्थापक कांशीराम को इसी सीट से मिली थी एकलौती जीत और पहुंचे थे संसद में

पिछले चार चुनावों में प्रमुख दलों को मिले मत (प्रतिशत में)

चुनाव	भाजपा	सपा	बसपा	कांग्रेस
2022 विस	41.6	37.0	17.3	1.10
2019 लोस	51.1	44.8	----	----
2017 विस	40.7	28.8	25.3	----
2014 लोस	46.8	28.4	20.5	1.4

विधानसभा	भाजपा	सपा
इटावा सदर	1,21,783	89,704
भरथना सु.	1,07,551	1,20,940
दिबियापुर	90,461	88,849
औरैया सु.	95,564	84,239
सिकंदरा	1,04,315	72,225

अमृत विचार। लोकसभा की सूबे में हॉट सीट इटावा में चौथे चरण में 13 मई को वोट डाले जाएंगे। कानपुर मंडल का यह जिला कभी प्रदेश की राजनीति की धुरी था। नेताजी मुलायम सिंह यादव और वर्तमान में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की जन्म और कर्मस्थली के रूप में पहचान वाले इस जिले को यादव लैंड भी कहा जाता है। मुलायम सिंह जिले की जसवंतनगर विधान सभा सीट से सात बार विधायक चुने गए, जबकि उनके भाई शिवपाल सिंह यादव चार बार इसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। हालांकि जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र इटावा लोकसभा में नहीं आता है और मैनपुरी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है।

इटावा सुरक्षित लोकसभा सीट है। इसमें तीन ज़िलों की पांच विधानसभा सीटें शामिल है। कानपुर देहात की सिकंदरा विधानसभा, औरैया जिले की औरैया और दिबियापुर तथा इटावा जिले की भरथना और सदर विधान सभा सीट को मिलाकर इटावा लोकसभा क्षेत्र का गठन किया गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में इनमें से तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। दो सीटों पर सपा ने कब्जा जमाया था। 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के डॉ राम शंकर कठेरिया विजयी रहे थे। उन्होंने सपा के कमलेश कठेरिया को 64,359 वोटों से हराया था।

इटावा लोकसभा सीट कांग्रेस के एकाधिकार वाले जमाने में भी समाजवादियों के गढ़ जैसी रही है। 1957 में यहां से सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर कमांडर अर्जुन सिंह भदौरिया ने जीत हासिल की थी। हालांकि 1962 में कांग्रेस के गोपीनाथ दीक्षित ने सोशलिस्ट पार्टी को मात दी, लेकिन 1967 में अर्जुन सिंह भदौरिया ने वापस सीट कांग्रेस से छीन ली। 1971 में कांग्रेस के श्रीशंकर तिवारी विजयी रहे पर 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर एक बार फिर अर्जुन सिंह भदौरिया ने जीत का परचम लहरा दिया। इसके बाद 1980 में जनता पार्टी के राम सिंह शाक्य फिर 1984 में कांग्रेस के चौ. रघुराज सिंह जीते। 1989 के चुनाव में जनता दल से दोबारा राम सिंह शाक्य के बाद इटावा ही वह एकलौती लोकसभा सीट रही जहां से 1989 में बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को जीत मिली और वह संसद में पहुंचे। 1996 में यहां से सपा के टिकट पर तीसरी बार राम सिंह शाक्य सांसद बने। लेकिन 1998 में भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरीं सुखदा मिश्रा ने जीत के साथ पहली बार यहां भाजपा का झंडा फहरा दिया। लेकिन 1999 और 2004 के चुनाव में सपा के रघुराज सिंह तो 2009 में प्रेमदास कठेरिया सफल रहे। 2014 की मोदी लहर में भाजपा ने पुनः इस सीट पर कब्जा किया और उसके प्रत्याशी अशोक दोहरे विजयी रहे। 2019 में भाजपा ने आगरा से दो बार सांसद रहे डॉ राम शंकर कठेरिया को इटावा से टिकट दिया तो उन्होने पार्टी का कब्जा इस सीट पर बरकरार रखा। इस बार फिर भाजपा ने भरोसा जताते हुए उन्हें प्रत्याशी घोषित किया है। सपा ने इस बार यहां से जितेंद्र दोहरे को टिकट दिया है।

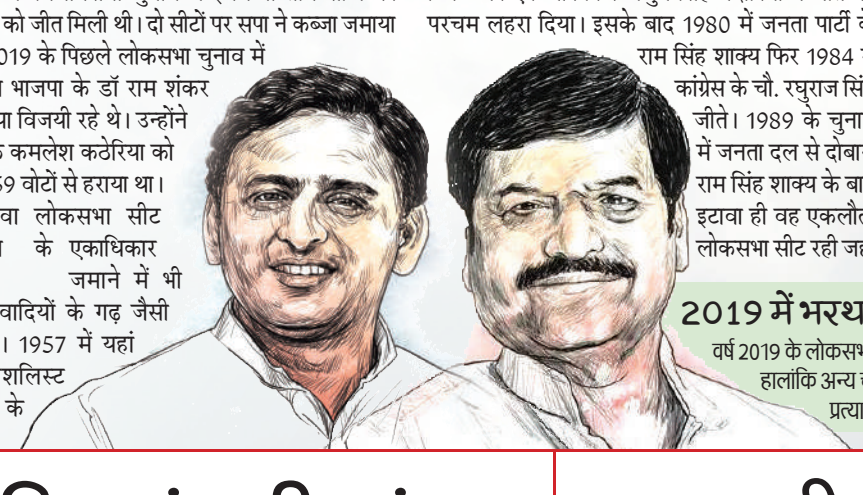

दलित बाहुल्य पर यादव-मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में

इटावा लोकसभा सीट पर 18 लाख से ज्यादा कुल मतदाताओं में अनुसूचित जाति के मतदाताओं की संख्या लगभग पांच लाख है। ब्राह्मण मतदाता दो लाख से कुछ ज्यादा तो यादव वोटर लगभग दो लाख और मुस्लिम मतदाता डेढ़ लाख तक हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इटावा में 58 फीसदी से अधिक मतदान हुआ था। सपा के कमलेश कठेरिया को 4 लाख 57 हजार 454 वोट प्राप्त हुए थे। भाजपा के डॉ रामशंकर कठेरिया को 5 लाख 21 हजार 815 वोट मिले थे। भाजपा ने सांसद अशोक कुमार दोहरे का टिकट काटकर डॉ. राम शंकर कठेरिया को मैदान में उतारा था। कांग्रेस ने भाजपा छोड़कर आए अशोक कुमार दोहरे को टिकट थमा दियाथा। 2014 के लोकसभा चुनाव में इटावा सीट पर 55.04 फीसदी मतदान हुआ था। भाजपा के अशोक कुमार दोहरे ने सपा के प्रेमदास कठेरिया को एक लाख 72 हजार 946 वोटों से मात देकर जीत हासिल की थी। अशोक कुमार दोहरे को 4,39,646 वोट मिले थे, जबकि प्रेमदास कठेरिया ने 2,66,700 वोट पाए थे। बसपा के अजय पाल सिंह जाटव को 1,92,804 वोट हासिल हुए थे। कांग्रेस उम्मीदवार हंस मुखी कोरी 13397 वोटों के साथ चौथे नंबर पर रहे थे।

2019 में भरथना विधानसभा पिछड़ गई थी भाजपा

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भरथना सुरक्षित विधान सभा क्षेत्र में सपा ने बढ़त बनाई थी, हालांकि अन्य चार विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा आगे रही थी। विधानसभा वार दोनों दलों के प्रत्याशियों को मिले मत इस प्रकार थे।

नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों से हारे थे धर्मेंद्र यादव

● प्रदीप सक्सेना, बदायूं

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। जिले में तीसरे चरण 7 मई को मतदान होना है। सपा ने धर्मेंद्र की जगह शिवपाल यादव प्रत्याशी घोषित किया है। अभी भाजपा और बसपा के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा होना शेष है। बदायूं लोकसभा सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। हालांकि 2019 में सपा उम्मीदवार को 18 हजार से कुछ अधिक मतों से हार का सामना करना पड़ा था। तब करीब 19 हजार वोट नोटा और निर्दलीय उम्मीदवारों को तिले थे। वहीं राजनीतिक पंडित सपा बसपा के बीच गठबंधन होने से लोगों की नाराजगी को भी सपा उम्मीदवार की होने की वजह बता रहे हैं। बहरहाल शिवपाल के आने से मुकाबला दिलचस्प होगा।

1951 से 2014 तक हुए लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी ने सबसे अधिक छह बार जीत दर्ज की है। 2014 में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव एक लाख 40 हजार से अधिक वोटों से जीते थे। 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने 28 वर्षों से चले आ रहे सूखे को खत्म करते हुए जीत दर्ज की थी। सपा के धर्मेंद्र यादव की हार में नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों को बजह माना जा सकता है। उस समय चार निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। उन्हें 10621 वोट मिले थे। वहीं 8606 लोगों ने नोटा का बटन दबाया था। निर्दलीय और नोटा को कुल 19,227 वोट पड़े थे। जबकि भाजपा प्रत्याशी संघमित्रा मौर्य की जीत 18,454 वोटों से हुई थी।

2019 के चुनाव में 18000 से अधिक मतों से सपा प्रत्याशी की हुई थी हार

19,000 से अधिक मिले थे वोट नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों को

2019 के चुनाव में यह रहा था परिणाम

भाजपा	5,11,352
समाजवादी पार्टी	4,92,898
कांग्रेस	51,947
ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लाक	4,347
निर्दलीय उम्मीदवार	10,621
कल्याणकारी जनता पार्टी	1,336

कैराना से चार बार महिलाएं बनी सांसद

सहारनपुर

- किसी भी प्रमुख पार्टी ने इस बार महिला को नहीं बनाया है अपना उम्मीदवार
- सहारनपुर सीट कभी भी कोई महिला सांसद नहीं हुई निर्वाचित

पहले नंबर की लोकसभा सीट सहारनपुर को इस बात के लिए भी जाना जाता है कि आजादी के बाद से हुए लोकसभा चुनावों में कभी भी यहां से कोई महिला सांसद निर्वाचित नहीं हुई है। दूसरी ओर इसी मंडल की कैराना सीट इस मामले में सौभाग्यशाली है कि वहां से चार बार महिलाएं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। इनमें सबसे पहले 1980 में प्रधानमंत्री रहे चौधरी चरणसिंह की पत्नी गायत्री देवी, रालोद से अनुराधा चौधरी और दो बार तबस्सुम हसन लोकसभा चुनाव जीती।

तबस्सुम हसन एक बार समाजवादी पार्टी से और दूसरी बार राष्ट्रीय लोकदल से सांसद बनीं। महत्वपूर्ण है कि इस बार भी कैराना सीट पर प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी से इकरा हसन मैदान में हैं। आजादी के बाद से सहारनपुर लोकसभा सीट से कभी भी कोई महिला सांसद लोकसभा में नहीं पहुंची है। इस बार भी किसी प्रमुख पार्टी ने महिला को अपना उम्मीदवार नहीं बनाया है। छह बार कांग्रेस, तीन बार बसपा, तीन बार भाजपा के सांसद बने जबकि पांच बार रसीद मसूद सांसद निर्वाचित हुए। इस चुनाव में रसीद मसूद के भतीजे इमरान मसूद कांग्रेस-सपा गठबंधन से प्रत्याशी हो सकते हैं। दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व उनके नाम पर मोहर लगा चुका है।

सहारनपुर लोकसभा में महिला सांसद भेजने में तो नाकाम रहा है लेकिन जहां तक विधानसभा का सवाल है तो कई महिलाएं जैसे दलित समाज की शकुंतला देवी, विमला राकेश, राजपूत समाज से शशिबाला पुंडीर, रानी देवलता, बसपा प्रमुख मायावती और सत्तो देवी विधायक रही हैं। शकुंतला देवी कांग्रेस की दिग्गज महिला नेत्री रही हैं। वह चार बार विधायक बनीं। विमला देवी विपक्ष में रहीं और छह बार विधायक चुनी गईं। सहारनपुर मंडल के मुजफ्फरनगर से बहन मालती शर्मा भाजपा की ओर से राज्यसभा सदस्य रही हैं। वहां से भी कभी कोई महिला लोकसभा में नहीं गई है। पड़ौस की बिजनौर लोकसभा सीट से मुख्यमंत्री मायावती, लोकसभा अध्यक्ष कांग्रेस की मीरा कुमार और ओमवती तीनों दलित समुदाय से सांसद चुनी गईं और बिजनौर की प्रतिष्ठा बढ़ाई।

18वीं लोकसभा के चुनाव में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और बिजनौर से कोई भी महिला उम्मीदवार नहीं है। केंद्र सरकार ने आगामी चुनावों के लिए महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण का कानून बना दिया है। लेकिन वर्तमान स्थिति बेहद दयनीय है। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या पुरूषों की तुलना में थोड़ी-बहुत ही कम है लेकिन उनकी मतदान में भागीदारी पुरूषों से कहीं भी पीछे नहीं है।

युवा व महिला के हाथ सियासी घमासान की बागडोर

● बृजेश तिवारी, अल्मोड़ा

- दोनों वर्गों को साधने के लिए राष्ट्रीय दलों का गणित हुआ तेज
- छह विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों से महिला मतदाता अधिक

महिला मतदाताओं की संख्या में कितना हुआ इजाफा

जिला	2019	2024	कुल वृद्धि
अल्मोड़ा	2,57,573	2,60,529	2,956
पिथौरागढ़	1,84,143	1,85,292	951
बागेश्वर	1,02,701	1,06,647	3,946
चंपावत	91,090	98,209	7,119
कुल	6,35,705	6,50,677	14,972

चारों जिलों में युवा मतदाताओं की स्थिति

18 से 19 साल	21,000 से अधिक
20 से 29 साल	2,60,000 के पार
30 से 39 साल	3,37,000 के ऊपर

लोकसभा चुनावों की तिथि और मुख्य राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों की घोषणा के बाद अब सियासी दलों ने भी अपने राजनीतिक दावपेच चलने शुरू कर दिए हैं। कुमाऊं के चार पहाड़ी जिलों वाली अल्मोड़ा लोकसभा सीट की बात करें तो यहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही रहा है। इसलिए इस बार भी दोनों राष्ट्रीय दल एक दूसरे को पटखनी देने के लिए तैयार बैठे हैं। अगर बात सत्ता की बागड़ोर की करें तो इस सीट पर इसका फैसला यहां की महिला और युवा मतदाता करेंगे। क्योंकि चार इस सीट पर सबसे अधिक संख्या महिला और युवा मतदाताओं की है।

हिमालयन रीजन की अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर इस बार कुल 13,59,815 मतदाता हैं। जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 6,50,677 है। जो करीब कुल मतदाताओं का 48 फीसद के आसपास है। चौदह विधानसभाओं वाली इस सीट में से छह विधानसभाएं ऐसी हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से काफी अधिक है। इससे भी मजबूत स्थिति इस सीट पर अलग-अलग आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की भी है। ऐसे में इन दो वर्गों का रुझान जिस दल की तरफ सबसे अधिक होगा। जीत का परचम लहराने में उसी दल को कामयाबी मिलेगी। इसलिए सियासी दलों की नजर महिला और युवा मतदाताओं पर सबसे अधिक है। सियासी दल इन चुनावों के प्रति महिलाओं और युवाओं में उत्साह जगाने के लिए कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं।

इस चुनाव में बढ़ गई 15 हजार के करीब महिला मतदाता

अल्मोड़ा सीट पर इस बार कुल 6 लाख 50 हजार से अधिक महिला वोटर्स हैं। यह आंकड़ा बीते लोकसभा चुनावों को देखते हुए तकरीबन 15 हजार अधिक है। अल्मोड़ा जिले में 2,60,529 महिला मतदाता हैं। पिथौरागढ़ जिले में 1,85,292 , बागेश्वर जिले में 106647 और चंपावत जिले में 98209 महिला मतदाता हैं। सबसे कम महिला मतदाता वाले जिले चंपावत में पिछली बार के बजाय इस बार सबसे अधिक 7119 महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

चार दशक पहले बदली राजनीति फिर पटरी पर नहीं लौटी

● राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- अयोध्या के इर्द गिर्द घूमती रही सूबे की सियासत
- आंदोलन के समांनांतर चला जातीय सियासत का दौर
- भगवा संग विकास ने बदल दी सियासी तस्वीर

अमृत विचार: चार दशक पहले प्रदेश की राजनीति बदली तो फिर पटरी पर नहीं लौटी। सत्ता और सियासत, अयोध्या के इर्द-गिर्द घूमती रही। कई उतार-चढ़ाव आए। राम मंदिर आंदोलन के समांनांतर जातीय सियासत का दौर चला तो सत्ता आती-जाती रही। तीन दशक तक प्रदेश की सियासत में पहले जैसी स्थिरता नहीं रही। भगवा संग विकास ने एक बार फिर प्रदेश को सियासत की नई दिशा दी है।

सियासी उथल-पथल का यह दौर अयोध्या से ही शुरू होता है। राम मंदिर निर्माण को लेकर साल 1984 में अयोध्या से दिल्ली के लिए रथयात्रा निकली। उस दौरान प्रदेश में प्रचंड बहुमत वाली कांग्रेस की सरकार थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के चलते यात्रा रोकनी पड़ी, लेकिन आंदोलन की तासीर गर्म ही रही। उन दिनों कांग्रेस के साथ जनता दल की रस्साकशी शुरू हो गई थी। 1989 में प्रदेश के चुनाव में मंदिर आंदोलन और मंडल कमीशन की सियासत कुछ इस तरह गरमाई की विधानसभा चुनाव में जनता दल 208 सीटों तक पहुंच गई। कांग्रेस को झटका लगा। वह 54 पर ठहर गई। बीजेपी का 57 सीटों के साथ उदय हुआ। मंदिर आंदोलन परवान चढ़ा। अयोध्या छावनी बनी। 30 अक्टूबर व 2 नवंबर 1990 की घटनाओं ने कई मायनों में नया इतिहास रच दिया। जनमानस को झकझोरा।

वर्ष 1991 के चुनाव में रामलहर ने भाजपा को 425 में से 221 सीटों तक पहुंचा दिया। जनता दल जेडी 92 पर सिमट गई। यह दौर आंदोलन के चरम का था। राजनीति के महारथियों ने आंदोलन से उपजी सहानुभूति को रोकने की कोशिश शुरू कर दी। जातीय सियासत के चलते बसपा और सपा का प्रभाव बढ़ा। 1996 के विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखा। आंदोलन के बावजूद भाजपा 174 पर ठहर गई। सपा के 110 के साथ बसपा ने 67 सीटें हथिया लीं। साझा सरकारों का दौर शुरू हुआ। सत्ता की चासनी में सियासत करवट लेने लगी। अयोध्या के मंदिर आंदोलन से शुरू हुए दो ध्रुव भाजपा और सपा के साथ बसपा कदमताल करने लगी। 2002 का चुनाव आते-आते जातीय समीकरणों ने भगवा ब्रिगेड को 88 सीटों पर समेट दिया। आमने-सामने सपा और बसपा आ गईं। सपा के 143 के सामने बसपा 98 सीटों के साथ खड़ी हो गई। वोटों के आंकड़ें बताते है कि अंतरधारा में अयोध्या आंदोलन का प्रभाव बरकरार रहा, लेकिन बसपा की जातीय सियासत ने पांच साल में सपा को भी पीछे छोड़ दिया। नए ध्रुव के रूप में 2007 में बसपा 206 सीटों के साथ सत्ता में पहुंच गई। राम मंदिर आंदोलन के साथ खड़ी भाजपा 51 पर और विरोध करने वाली सपा 97 पर ठहर गई, लेकिन राजनीति की अंतरधारा में इन दोनों के टकराव ने अयोध्या को केंद्र में बनाए रखा। जातीय समीकरण के साथ आंदोलन पर सपा के रुख का प्रभाव बढ़ गया। 2012 में सपा सत्ता की शीर्ष पर फिर एक बार पहुंच गई। उसे 224 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिला गया। 80 सीटों के साथ बसपा सत्ता से फिसल गई। 1991 में 221 सीटें हथियाने वाली भाजपा 47 पर आ गई।

क्रिकेट के खेल और राजनीति में कुछ भी संभव है। यह 2017 के विधानसभा चुनाव में दिखा। राम मंदिर आंदोलन की पृष्टभूमि और विकास के नए नारे ने 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्तासीन कर दिया। असर यह हुआ कि 2017 में एक बार फिर भाजपा को प्रदेश में सत्ता शीर्ष तक पहुंच गई। ऊफान पर चढ़ी जातीय सियासत जमीन की ओर लुढ़कने लगी। सत्ता में रहने वाली सपा 47 सीटों पर सिमटी तो बसपा का हाल इससे भी खराब रहा, वह 19 पर अटक गई। विकास और भगवा का चटख रंग न केवल केंद्र बल्कि प्रदेश में बरकरार रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव के साथ 2022 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भगवा ब्रिग्रेड 255 सीटों के साथ सत्ता पर काबिज रह गई। सपा 111 तक पहुंच पाई। बसपा परिदृश्य से ओझल होने की स्थिति में पहुंचने लगी। 90 के दशक के पहले राजनीति के एक ध्रुव पर कांग्रेस और दूसरे ध्रुव पर विपक्षी हुआ करते थे लेकिन अयोध्या की सियासी ऊर्जा ने कांग्रेस और विपक्ष के बीच होने वाली सियासी जंग को अतीत की बात तक सीमित कर दिया। 40 साल बाद भी उत्तर प्रदेश की राजनीति उस दौर में नहीं लौट पाई।

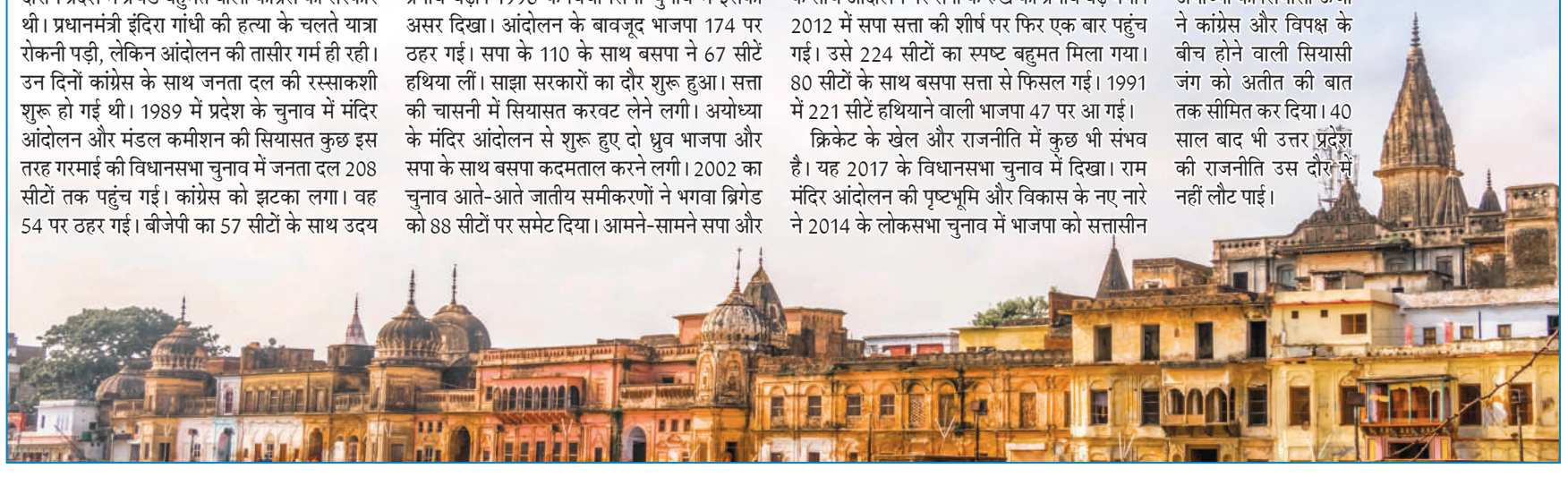

लोस चुनाव के लिए आयकर विभाग का नियंत्रण कक्ष

नई दिल्ली

चुनाव आयोग को चुनाव में काले धन के उपयोग को रोकने के लिए सहायता करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत आयकर विभाग निवासियों को लोकसभा आम चुनाव, 2024 में स्वच्छ और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए राजधानी दिल्ली में सातों दिन और चौबीस घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है और टॉल फ्री नंबर जारी किया जिसके माध्यम से शिकायत की जा सकती है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार आयकर निदेशालय (अन्वेषण), दिल्ली ने आदर्श आचार संहिता के दौरान चुनावी उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली संभावित / संदिग्ध बेहिसाब नकदी, सर्राफा और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की आवाजाही पर निगरानी रखने के लिए एनसीटी दिल्ली में कई व्यवस्थाएं की हैं। लोकसभा आम चुनाव, 2024 के संबंध में, अन्य उपायों में, निदेशालय ने सिविक सेन्टर, नई दिल्ली में नियंत्रण कक्ष खोला है एवं एक टोल-फ्री नंबर 1800112300, लैंडलाइन नंबर 011-23232312/31/67/76 और मोबाईल नंबर 9868168682 भी जारी किया है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति एनसीटी दिल्ली में बेहिसाब नकदी, बूलियन और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की संदिग्ध आवाजाही/वितरण के संबंध में आयकर विभाग से बातचीत कर सकता है और जानकारी भी दे सकता है। निवासी टोल-फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं, और फोन करने वाले को नियंत्रण कक्ष के समक्ष किसी भी व्यक्तिगत विवरण, जैसे नाम या पहचान के अन्य विवरण, का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि प्राप्त जानकारी विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य हो।

नियंत्रण कक्ष आदर्श आचार संहिता की संपूर्ण अवधि के दौरान दिल्ली में क्रियाशील रहेगा यानी आम चुनाव, 2024 की घोषणा की तारीख से, जब तक दिल्ली में ये खत्म नहीं हो जाते। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की भावना के साथ नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे दिल्ली एनसीटी के संबंध में, प्रासंगिक जानकारी उपर्युक्त नंबरों के माध्यम से निदेशालय से साझा करके, अपनी सहायता प्रदान करे। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। (एजेंसी)

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1015 फ्लैग 1120 डीएमओ 895 बोल्ड 1185, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 1010 फ्लैग 1130 बोल्ड 1180 डीएमओ 900 ।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि .)-

गेहूंदड़ा	2525-2550
आरआर 21	2700-2750
गेहूंफ़ारम	2800-2850
जौ	2000 -2100
ज्वार	2600 -4000
बाजरा	2125-2175
मकाई	2000 -2200

दलहन (प्रति क्वि .)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5800 -5900
अरहर	7500 -8000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	10000 -10200
उड़दकाला	6000 -8000
मूंग	8500 -8800

दाल (प्रति क्वि .)

अरहरफूल	14500-14700
अरहरस्पेशल1	12200-12300
चनादाल	7100-7200
मटरदाल	4950-5050
मसूरमलका	7000-7100
मसूरदाल	7100-7200
उड़ददाल	9000- 12000
उड़द धोवा	10500- 13000
मूँगदाल	8800 -10300
मूँग धोवा	9800-11500

चावल (प्रति क्वि .)

अरवा	2000 - 2300
बासमती नं .1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं .2	6500 - 7500

आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा .)

आटा	1490-1550
मैदा	1450-1500
सूजी	1500-1550

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा .)

शाहपसंद	1430-1475

तिलहन (प्रति क्वि .)

लाही	4900-4950
अलसी	4500 -4600 रुपये।

डायरेक्ट सेलिंग 21 हजार करोड़ रुपये के पार

आईडीएसए की सर्वेक्षण रिपोर्ट से हुआ खुलासा, भारत में कुल 86 लाख हैं विक्रेता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री (भारत में डायरेक्ट सेलिंग) उद्योग कोरोना महामारी के दौर की चुनौतियों से उबर कर फिर तेजी की राह पर है और इसका कारोबार वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 21282 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इंडियन डायरेक्ट सैलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) की सर्वेक्षण रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। यह रिपोर्ट बाजार अनुसंधान फर्म कंतार द्वारा संकलित की गई है।

आईडीएसए के एक आयोजन में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी. कमला वर्धन राव ने यह रिपोर्ट जारी करते हुए इसके लिए आईडीएसए को बधाई दी। रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग की कुल बिक्री में वर्ष 2021-22 के मुकाबले वर्ष 2022-23 में 2252 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। आईडीएसए के अध्यक्ष विवेक कटोच ने बताया कि इस उद्योग के कारोबार में वर्ष 2019-20 से लेकर 2022-23 तक के चार वर्षों के दौरान वर्ष-दर-वर्ष औसतन 8.3 प्रतिशत की संचयी वार्षिक दर (सीएजीआर) से वृद्धि की है। आईडीएसए अध्यक्ष को विश्वास है कि भारत अनुमानों से पूर्व ही प्रत्यक्ष बिक्री में विश्व के पांच शीर्ष बाजारों में जल्द अपनी जगह बना लेगा। वर्ष 2022 में भारत का स्थान 11वां था। वहीं भारत में इस कारोबार में कुल 86 लाख विक्रेता शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार कुल बिक्री में उत्तरी क्षेत्र ने सर्वाधिक 30 प्रतिशत का योगदान किया। पूर्वी, पश्चमी, दक्षिणी तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र का योगदान क्रमशः 25, 22, 15 और नौ प्रतिशत है। राज्यों में महाराष्ट्र 12 प्रतिशत योगदान के साथ लगातार शीर्ष पर बना हुआ है जबकि उत्तर प्रदेश शानदार प्रदर्शन कर दस प्रतिशत की भागीदारी के साथ पश्चिम बंगाल के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री बाजार में वेलनेस और न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद लगातार उपभोक्ताओं के पसंदीदा बने हुए हैं। सौंदर्य प्रसाधन और व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद इस वर्ग में दूसरे स्थान पर है। दोनों वर्गों का कुल कारोबार में क्रमशः 73.5 और 11.3 प्रतिशत योगदान रहा है। इस दौरान लगभग दो लाख और प्रत्यक्ष विक्रेता इस कारोबार से जुड़े और यह संख्या वर्ष 2021-22 के 84 लाख के मुकाबले बढ़ कर लगभग 86 लाख पहुंच गई है। इनमें लगभग 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं हैं।

वैश्विक रैंकिंग में भारत 11वें स्थान पर पहुंचा

आईडीएसए के अध्यक्ष कटोच ने कहा-मुझे यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि मजबूत वृद्धि दर के बलबूते भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग ने वैश्विक रैंकिंग में वर्ष 2022 में एक और पायदान का सुधार कर 11वां स्थान हासिल कर लिया है, जो 2019 में 15वां था।

रिजर्व बैंक के गवर्नर ने वित्त मंत्री सीतारमण से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार मुलाकात की। वित्त मंत्री के साथ दास की यह बैठक मौद्रिक नीति समिति की बैठक से करीब एक पखवाड़ा पहले हुई है। दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक तीन से पांच अप्रैल को होगी। यह वित्त वर्ष 2024-25 की पहली मौद्रिक समीक्षा बैठक होगी। माना जा रहा है कि एमपीसी की बैठक में एक अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति और वृद्धि की परिदृश्य पर अनुमान पेश किया जाएगा। आरबीआई ने फरवरी में जारी अपनी आखिरी नीतिगत बैठक में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वृद्धि दर सात प्रतिशत और मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया था।

नौकरियों के सृजन के लिए 8% की वार्षिक वृद्धि दर रखने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक सुब्रमण्यम ने कही बात

भारत को गरीबी और असमानता को कम करने तथा पर्याप्त संख्या में नौकरियों के सृजन के लिए निरंतर आधार पर आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने की जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) में भारत के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमण्यम ने यह बात कही है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह पिछले डेढ़ साल में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

ओएमआई फाउंडेशन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यम ने कहा-भले ही हम सात प्रतिशत की दर से बढ़ें, हमें इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें आठ प्रतिशत और उससे अधिक की दर हासिल करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि देश को बहुत सारा बुनियादी ढांचा बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आठ प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने से हमारे पास बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा करने की क्षमता होगी। इससे गरीबी और असमानता घटेगी। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर में वृद्धि दर पिछले तीन वर्षों की 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है।

सर्राफा

कानपुर

चॉदी 999 (प्रति किलो)	75,900
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	67,250
गिन्नी (प्रति नग)	50,100-50,300

लखनऊ

सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	65,950
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	65,800
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	75,000
चांदी तैयार	75,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000

बरेली

सोना जेवरात पक्के	65,750
सोना जेवरात गिन्नी	64,750
चांदी पक्की	740 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	65,800
चांदी आभूषण	75,000 ।

भारत का सौर कचरा 2030 तक 600 किलोटन तक पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का सौर कचरा 2030 तक 600 किलोटन तक पहुंच सकता है। बुधवार को जारी एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, यह ओलंपिक आकार के 720 स्वीमिंग पूल (तरणताल) को भरने के बराबर है।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और स्वतंत्र शोध संस्थान काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायर्नमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया कि इस कचरे का लगभग 67 प्रतिशत पांच राज्यों- राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से आएगा। "भारत के सौर उद्योग में एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को सक्षम करना: सौर अपशिष्ट मात्रा का आकलन" शीर्षक वाले अध्ययन में कहा गया है कि भारत में मौजूदा (बीते वित्त वर्ष तक) स्थापित 66.7 गीगावाट क्षमता से पहले से ही 100 किलोटन कचरा पैदा हो रहा है, जो 2030 तक बढ़कर 340 किलोटन हो जाएगा। इसमें लगभग 10 किलोटन सिलिकन, 12 से 18 टन चांदी और 16 टन कैडमियम और टेलरियम होगा। इन सामग्रियों को दोबारा प्राप्त करने के लिए सौर कचरे का पुनर्चक्रण करने से आयात निर्भरता कम होगी और खनिज सुरक्षा बढ़ेगी।

खराब गुणवत्ता वाली चाय के आने से छोटे उत्पादक चिंतित

कोलकाता। छोटे चाय उत्पादकों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने बाजार में कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाली चाय की बाढ़ पर चिंता व्यक्त की है और इस संबंध में चाय बोर्ड के हस्तक्षेप का आग्रह किया है। चाय बोर्ड के चेयरमैन ए एस भाटिया को लिखे एक पत्र में सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि चाय पीने के स्वास्थ्य लाभों पर केंद्रित एक सामान्य अभियान उन युवाओं के बीच खपत को बढ़ावा देने के लिए जरूर चलाया जाना चाहिए।

4जी यूजरों के मुकाबले 5जी यूजरों का औसतन डाटा उपभोग 3.6 गुना अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

- दूरसंचार कंपनी नोकिया की रिपोर्ट में दी गई जानकारी

भारत में 5जी सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले मोबाइल ग्राहक 4जी उपभोक्ताओं की तुलना में मोबाइल डेटा का इस्तेमाल 3.6 गुना अधिक कर रहे हैं। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी नोकिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत अक्टूबर, 2022 में हुई थी। नोकिया की बुधवार को जारी 'मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स' रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का योगदान 15 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट कहती है, 5जी ग्राहक 4जी की तुलना में लगभग 3.6 गुना अधिक मोबाइल डेटा ट्रैफिक का उपयोग कर रहे हैं। 2023 में उपयोगकर्ताओं ने 17.4 एक्साबाइट प्रति माह की खपत की। पिछले पांच साल की तुलना में डेटा इस्तेमाल की सालाना वृद्धि 26 प्रतिशत रही है। एक एक्साबाइट एक अरब गीगाबाइट (जीबी) के बराबर होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में डेटा इस्तेमाल में बढ़ोतरी में 5जी ने उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का हिस्सा 15 प्रतिशत रहा।

नोकिया इंडिया के विपणन और कॉरपोरेट मामलों के प्रमुख अमित मारवाह ने कहा-भारत में डेटा की खपत साल-दर-साल आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 17.4 एक्साबाइट प्रतिमाह हो गई है।

राष्ट्रीय

पुलिसकर्मियों के साथ खेली लट्ठमार होली...

मथुरा में बुधवार को एक महिला ने पुलिसकर्मियों के साथ विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली खेली। होली खेलने के दौरान आसपास लोगों की भारी भीड़ लगी रही। ● एजेंसी

मोदी की गारंटी एक विश्वासघात है: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लद्दाख में पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश को लेकर दी गई 'मोदी की गारंटी' एक विश्वासघात है तथा यह 'चीनी गारंटी' है। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी की चीनी गारंटी! लद्दाख में संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय समुदायों की सुरक्षा की मांग के पक्ष में समर्थन की एक मजबूत लहर है।

राजनीति में कुछ लोगों को बार-बार लॉन्च करने की पड़ती है जरूरत : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में राहुल गांधी पर कसा तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति में कुछ लोगों को बार-बार लॉन्च करने की जरूरत पड़ती है जबकि स्टार्ट-अप की दुनिया में जब कोई एक असफल होता है तो इस स्थिति में दूसरा रास्ता अख्तियार कर लेता है। मोदी ने यहां स्टार्ट-अप महाकुंभ में किसी का नाम लिए बिना स्टार्ट-अप और राजनीति की तुलना करते हुए कहा, ''स्टार्ट-अप लॉन्च तो बहुत लोग करते हैं, राजनीति में तो ज्यादा... और बार-बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उनमें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं, एक अगर एक बार लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं।

मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने और एक अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए पूर्ण बजट पेश करने का विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि सामान्य स्थिति में कारोबारी चुनाव संपन्न होने तक बड़े आयोजनों को टाल देते हैं लेकिन आम चुनावों की घोषणा के कुछ दिन बाद तीन दिवसीय महाकुंभ में स्टार्ट-अप उद्यमियों और उस पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े लोगों का विशाल जमावड़ा आने वाली चीजों का संकेत है। उन्होंने 19 अप्रैल से चार जून तक होने वाले आम चुनावों के बाद भी शासन में बने रहने का विश्वास जताते हुए कहा- आप जानते हैं कि अगले पांच साल में क्या होने जा रहा है।

भारत एआई में दुनिया की अगुवाई करेगा: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को युवा उद्यमियों और स्टार्टअप से दुनियाभर में आ रही चुनौतियों पर 'वैश्विक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय समाधान' पर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमता में दुनिया का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'स्टार्टअप महाकुंभ' को संबोधित करते हुए कहा कि एआई, सेमीकंडक्टर और क्वॉन्टम पर पहले शुरू किए गए तीन मिशन युवाओं के लिए रोजगार और वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा- हम एआई प्रौद्योगिकी के एक नए युग में हैं और दुनिया मानती है कि एआई में भारत का पलड़ा भारी रहेगा। अब यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है कि हम इस अवसर को जाने न दें। उन्होंने कहा कि एआई युवा नवप्रवर्तकों और वैश्विक निवेशकों के लिए असीमित संभावनाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा- एआई क्षमताओं का नेतृत्व भारत के हाथों में रहेगा और रहना चाहिए।

एक नजर

मणिपुर के राहत शिविर में रह रहे चार बच्चे नदी में डूबे

चुराचांदपुर। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में एक राहत शिविर में अपने परिवार के साथ रह रहे चार बच्चे नदी में डूब गए। पुलिस ने बताया कि बच्चों की उम्र चार से नौ वर्ष के बीच है जिनमें तीन लड़कियां और एक लड़का शामिल है। वे राज्य में जातीय संघर्ष के कारण तुईबुआंग में 'ईसीए कनान' राहत शिविर में रह रहे थे। वे मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे अपने शिविर के पास तुइथा नदी में नहाने गये थे। जब वे काफी देर तक वापस नहीं लौटे तो उनके परिवार वालों ने शिविर में रह रहे अन्य लोगों के साथ मिलकर उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस को भी सूचित किया गया, जिसके बाद पुलिस भी उनकी खोजबीन में जुट गई और बुधवार सुबह करीब छह बजे बच्चों के शव नदी में मिले।

मुर्मू ने मंत्री पारस का इस्तीफा स्वीकार किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति भवन ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने कहा कि पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सियासी गर्मी बढ़ी, एबीवीपी के विरुद्ध वाम दलों ने बनाया संयुक्त मोर्चा

नई दिल्ली, ब्यूरो

जेएनयू छात्र संघ चुनाव

- 22 मार्च होगा मतदान और मतगणना 24 मार्च को

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव में कई सियासी दिग्गज भी गहरी रुचि ले रहे हैं। भाजपा समर्थित छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सभी पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। उनके शक्ति प्रदर्शन को देखते हुए वामपंथी दलों ने इस बार संयुक्त मोर्चा गठित कर अपने उम्मीदवारों का प्रचार शुरू किया है। मतदान 22 मार्च एवं मतगणना 24 मार्च को होगी।

जेएनयू छात्र संघ में शुरू से ही वाम दलों के छात्र संगठनों का कब्जा रहा है। लेकिन 2019 के चुनाव में जिस तरह से एबीवीपी ने छात्रों के बीच घुसपैठ बनाई थी और इस बार सभी पदों पर उम्मीदवार उतारकर चुनाव अभियान छेड़ा है। उसका मुकाबला करने के लिए वाम दलों के प्रमुख छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), डेमोक्रेटिक स्टूडेंट फेडरेशन (डीएसएफ), एवं ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ) ने संयुक्त मोर्चा का गठन कर छात्र संघ में कब्जा करने के लिए साझा मंच तैयार किया है।

एबीवीपी ने उमेश चंद्र अजमीरा-अध्यक्ष, दीपिका शर्मा-उपाध्यक्ष, अर्जुन आनंद-महासचिव एवं गोविंद दांगी को संयुक्त सचिव के पद पर उम्मीदवार बनाया है। एबीवीपी नेता विकास पटेल के मुताबिक छात्र संघ में काउंसलर के 42 पदों के लिए भी उम्मीदवार घोषित किए गए हैं।

वहीं वाम दलों के संयुक्त मोर्चा ने धनंजय को अध्यक्ष, अभिजीत घोष को उपाध्यक्ष, स्वाति सिंह को महासचिव एवं साजिद को संयुक्त सचिव पद का उम्मीदवार बनाया है। अभी तक चुनाव प्रचार के दौरान दोनों गुटों के बीच कई बार तीखी नोक-झोंक भी हो चुकी हैं और मामला पुलिस तक पहुंच चुका है। कुछ लोगों ने प्रत्याशियों की आयु सीमा बढ़ाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया था। दोनों गुटों ने जवाबी शक्ति प्रदर्शन करते हुए मसाल जुलूस भी निकला है। जिसमें भारी संख्या में छात्रों की भीड़ देखने को मिली।

राहुल गांधी को झारखंड उच्च न्यायालय से मिली राहत

रांची, एजेंसी

मानहानि मामला

झारखंड में मानहानि मामले में चाईबासा स्थित एमपी,एमएलए की विशेष अदालत द्वारा कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ 27 फरवरी 2024 को जारी गैर जमानती वारंट को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई आज झारखंड उच्च न्यायालय में हुई। मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा की एमपी ,एमएलए कोर्ट द्वारा जारी गैर जमानती वारंट को एक माह के लिए शर्त के साथ स्थगित कर दिया। साथ ही गांधी को ट्रायल फेस करने के लिए कानून सम्मत उपयुक्त कदम उठाने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही न्यायालय ने राहुल गांधी की याचिका को निष्पादित कर दिया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी को लेकर राहुल गांधी द्वारा एक आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। जिसे लेकर भाजपा के नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा कोर्ट में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में शिकायतवाद दायर किया गया था।बाद में मामले को चाईबासा में एमपी,एमएलए कोर्ट में इसे ट्रांसफर कर दिया गया था।

कांग्रेस ने कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के खिलाफ न्यायालय का किया रुख

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उसके खिलाफ कर पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही किए जाने के विरोध में बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस मामले का उल्लेख राजनीतिक दल के वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष किया, जो इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हुए। पीठ में न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोरा भी शामिल हैं। वकील ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने चार साल का मूल्यांकन फिर से खोला है। साथ ही उन्होंने अदालत से याचिकाओं को बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तीन अलग-अलग वर्षों से संबंधित ऐसी तीन याचिकाएं आज सुनवाई के लिए पहले से ही सूचीबद्ध हैं।

बीआरएस नेता कविता को बेटों और मां से मिलने की मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को अपने दो बेटों, मां और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की अनुमति दे दी है। कविता फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं। विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने कविता की ओर से पेश अधिवक्ता नीतेश राणा द्वारा दायर आवेदन पर यह आदेश पारित किया। वकील ने अनुरोध किया था कि पिछले आदेश के अनुसार आरोपी से मिलने की अनुमति पाने वालों की सूची में परिवार या संबंधियों के सात और नाम जोड़े जाएं।

मुफ्त सौगात संबंधी याचिका पर सुनवाई करने को कोर्ट सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी

- जनहित याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का किया गया अनुरोध

उच्चतम न्यायालय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सौगातों और सुविधाओं का वादा करने के चलन के खिलाफ एक जनहित याचिका को बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। आगामी 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जनहित याचिका में निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह ऐसे राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद करने और चुनाव चिह्न जब्त करने के अपने अधिकारों का उपयोग करे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को कहा-यह महत्वपूर्ण है। हम इसे कल लेंगे।

शीर्ष अदालत ने जनहित याचिका दायर करने वाले वकील अश्विनी उपाध्याय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया की दलीलों पर संज्ञान लिया कि याचिका पर लोकसभा चुनाव से पहले सुनवाई की जरूरत है। याचिका में कहा गया कि मतदाताओं से अनुचित राजनीतिक लाभ पाने के लिए लोक-लुभावन घोषणाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध होना चाहिए क्योंकि ये संविधान की अवहेलना करते हैं और इस मामले में निर्वाचन आयोग को उचित कदम उठाने चाहिए। इसमें अदालत से यह घोषित करने का भी अनुरोध किया गया है कि चुनाव से पहले सार्वजनिक धन से अतार्किक तरीके से मुफ्त सौगातों का वादा मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, समान अवसर को अवरुद्ध करता है और चुनाव प्रक्रिया की शुचिता को नुकसान पहुंचाता है।

याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता का कहना है कि चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुफ्त सुविधाएं देकर मतदाताओं को प्रभावित करने की राजनीतिक दलों की हालिया प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है, बल्कि संविधान की भावना को भी चोट पहुंचाती है। उसने कहा- यह अनैतिक प्रवृत्ति सत्ता में बने रहने के लिए सरकारी खजाने से मतदाताओं को रिश्वत देने के समान ही है और लोकतांत्रिक सिद्धांतों तथा परंपराओं के संरक्षण के लिए इससे बचना चाहिए।

संघर्ष विराम में कूटनीति ही आगे का रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पांचवीं बार राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच साथ काम करने को लेकर सहमति बनी है। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और रूस के विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

गौरतलब है कि रूस में हुए राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद पुतिन को 87 फीसदी से अधिक वोट मिलने की बात सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन के विरोधियों का जनाधार बेहद खोखला है, ऐसे में पुतिन को बड़ी जीत हासिल हुई है। 87 फीसदी वोट हासिल कर जीत दर्ज

● पुतिन और जेलेंस्की से प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर की बात, जंग और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

करने वाले पुतिन बीते दिनों विपक्ष के नेता नवलनी की मौत के कारण भी विवादों में घिरे थे। हालांकि, तमाम नकारात्मक सुर्खियों के बावजूद पुतिन लगातार पांचवीं बार राष्ट्रपति बनने में कामयाब रहे। दोनों नेता आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस प्रयास करने पर सहमत हुए।

युद्ध को लेकर भारत पुराने रुख पर कायम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-यूक्रेन साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत-यूक्रेन साझेदारी को मजबूत करने पर राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ अच्छी बातचीत हुई। शांति के लिए सभी प्रयासों और चल रहे संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए भारत के निरंतर समर्थन से अवगत कराया। भारत निर्देशित मानवीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। यूक्रेन-रूस युद्ध पर पीएम मोदी ने भारत के पुराने रुख को दोहराया कि इस विवाद का समाधान कूटनीति व वार्ता से ही हो सकती है। साथ ही दोनो नेताओं ने मौजूदा द्विपक्षीय रिश्तों के विभिन्न आयामों की भी समीक्षा की, क्षेत्रीय व वैश्विक हालातों पर भी चर्चा हुई।

चीन की चाल पर भारी पड़ रही भारत की नीति

1,126
किमी लंबी सीमा अरुणाचल प्रदेश की चीन से लगती है

जून, 2020 में लद्दाख के गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच शुरू हुई तनातनी लगातार बढ़ती नजर आ रही है। अब हाल ही में पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरे के बाद चीन बौखला गया है। एक ओर चीन कभी इस राज्य के कई इलाकों के नाम बदलता है तो कभी केंद्रीय नेताओं के दौरे और जी 20 की बैठक पर आपत्ति जताता रहा है। अरुणाचल प्रदेश की 1,126 किमी लंबी सीमा चीन से लगी है। आईए जानते हैं क्या मामला...

सेला सुरंग के निर्माण से बौखलाया चीन

अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा के पास ही सेला सुरंग का निमार्ण हुआ है। सीमा पर निर्माण को लेकर चीन ने आपत्ती जताई। बता दें, इस सुरंग का निर्माण 825 करोड़ रुपये में हुआ है, जो तेजपुर से तवांग को जोड़ने वाली सड़क पर पश्चिम कामेंग जिले में 13,700 फीट की ऊंचाई पर है। इसकी आधारशिला फरवरी 2019 में रखी थी। सेला सुरंग भारत की सबसे ऊंची पहाड़ी सुरंग सड़क है जो भारतीय सेना को अरुणाचल प्रदेश में दोनों देशों के बीच विवादित सीमा तक हर मौसम में संपर्क बनाए रखने में मदद करेगी। इस सुरंग के प्रोजेक्ट को अंजाम सीमा सड़क संगठन ने दिया है, जिसमें दो सुरंगें और एक लिंक रोड शामिल है।

बकवास है चीन का अरुणाचल पर दावा

चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता आया है। वहीं, चीन के इस दावे को भारत ने हमेशा नकारा है। एक बार फिर ड्रैगन के इस दावे को भारत सरकार ने बकवास बताया है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से चीन के साथ अरुणाचल प्रदेश का कोई संबंध नहीं है। वहीं, यह राज्य भारत का अभिन्न अंग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "ऐतिहासिक रूप से हमारा चीन के साथ कोई जुड़ाव या संबंध नहीं है। इसलिए अरुणाचल के चीन का हिस्सा होने का कोई सवाल ही नहीं है। राज्य के क्षेत्र पर दावा करने से जमीन पर स्थिति नहीं बदलेगी। हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। अरुणाचल प्रदेश एक भारतीय क्षेत्र है। रिजिजू ने कहा, अपने क्षेत्र को विकसित करना हमारा संप्रभु अधिकार है और कोई भी हम पर आपत्ति नहीं कर सकता हाल ही में पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था, जिसके बाद चीन बौखला उठा। चीन के विदेश मंत्रालय वांग वेनबिन ने कहा कि इससे भारत-चीन का सीमा विवाद और बढ़ेगा।

भारत का रुख

भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को बार-बार खारिज किया है। भारत ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। भारत ने चीन की ओर से क्षेत्र नया नाम गढ़े जाने के कदम को खारिज किया है और कहा है कि इससे सच्चाई में कोई बदलाव नहीं आया है।

चीन क्यों करता है अरुणाचल पर दावा

अब सवाल ये है कि आखिर चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा क्यों करता है। अरुणाचल को 1987 में एक राज्य बनाया गया था। दरअसल अरुणाचल ने जब से तिब्बत पर कब्जा किया, उसके बाद से ही वो अरुणाचल पर अपना दावा पेश करता है और इसे साउथ तिब्बत बोलता है। तिब्बत पर चीन के कब्जे को लेकर दुनियाभर में बहस है। खुद दलाई लामा तिब्बत को चीन का हिस्सा बताने से इनकार करते हैं और इसे चीन की दादागीरी बताते हैं। ऐसे में चीन का तिब्बत के सहारे अरुणाचल पर दावा करना काफी खतरनाक माना जा रहा है।

एक नजर

पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट पर गोलीबारी, आठ आतंकी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी कॉम्प्लेक्स को बुधवार को आतंकियों ने निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की। बता दें कि आतंकियों की गोलीबारी का सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब भी दिया। इस हमले से पहले पोर्ट पर एक धमाका हुआ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ग्वादर पोर्ट पर आठ आतंकियों ने हमला किया था और सभी आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मौत के घाट उतार दिया। बलूचिस्तान प्रांत के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी।

इमरान की संघीय-प्रांतीय चुनावों की न्यायिक आयोग से जांच की मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनावों में धांधली के आरोपों की जांच को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। जिसमें उन्होंने एक न्यायिक आयोग के जरिए जांच की मांग की है। गौरतलब है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने आठ फरवरी के आम चुनाव के नतीजों में हेरफेर का आरोप लगाकर नतीजों को मानने से इनकार कर दिया था। पीटीआई नेता और वरिष्ठ वकील हामिद खान ने इमरान खान की ओर से याचिका दायर की, जिसमें कहा गया कि न्यायिक आयोग को आठ फरवरी को हुए आम चुनावों की प्रक्रिया और आचरण से संबंधित मामलों की जांच, ऑडिट और समीक्षा करनी चाहिए।

गाजा शहर में इजराइली हमले में 23 की मौत, कई घायल

गाजा। गाजा शहर में मंगलवार को इजराइली हवाई हमले में 23 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। मीडिया एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने बताया कि, सहायता वाले ट्रकों के इंतजार में खड़े लोगों पर गोलीबारी हुई है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि गाजा पट्टी पर चल रहे इजराइली हमलों में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 31 हजार से ज्यादा हो गया है। जबकि 73,934 अन्य घायल हुए हैं।

लद्दाख को राज्य का दर्जा की मांग को लेकर लोगों ने निकाला मार्च

करगिल। लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के समर्थन में हजारों लोगों ने बुधवार को मार्च निकाला जिसके कारण दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। शिक्षासुधारक सोनम वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। करगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) के आह्वान के जवाब में बड़ी संख्या में लोगों ने फातिमा चौक से हुसैनी पार्क तक एक मार्च निकाला।

तालिबानी फौज का चेकपोस्ट पर कब्जा, पाकिस्तानी सैनिक भागे

पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक का अफगानी जवाब, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

काबुल, एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में डूरंड लाइन पर तकरार और बढ़ गई है। पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के बाद तालिबानी फौज ने मुंहतोड़ जवाब दिया। मंगलवार को तालिबान शासकों की फौज ने पाकिस्तान की सैन्य चौकी पर कब्जा कर लिया। पाकिस्तानी फौजी इस चौकी से पीछे हट गए हैं। यह पोस्ट पाक के उत्तर-पूर्वी बजीरिस्तान इलाके के कुर्रम में है।

मीडिया के मुताबिक, अफगानी फौज ने भारी मोर्टार से बमबारी की और सैनिक हमले से चेकपोस्ट पर कब्जा किया। बजीरिस्तान इलाके में पाकिस्तान की कई सैन्य चौकी हैं, स्थिति और न बिगड़े, इसलिए पाकिस्तानी सेना ने वहां से जवानों को हटा लिया। दो दिन पहले ही पाक के जेएफ- 17 लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान में खोस्त और पकटिका इलाकों में भारी बमबारी की थी। इसके बाद अफगान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाक के हमले में 8 महिलाओं और कुछ बच्चों की मौत हुई है और हम पाक से बदला जरूर लेंगे। इसीलिए अफगान फौज ने मंगलवार तड़के डूरंड लाइन पर घातक हमला किया।

पाकिस्तान व अफगानिस्तान के बीच कैसे शुरू हुआ संघर्ष

दोनों देशों के बीच ताजा संघर्ष की शुरुआत शनिवार (16 मार्च) को हुई। दरअसल, शनिवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मीर अली में एक आत्मघाती हमलावर ने अपने विस्फोटक से भरे ट्रक को एक सैन्य चौकी में घुसा दिया। यह इलाका अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। इस घटना में सात पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि उसकी जवाबी गोलीबारी में सभी छह हमलावरों को मार गिराया गया। हमले की जिम्मेदारी हाल ही बने एक आतंकी समूह जैश-ए-फुरसन-ए-मुहम्मद ने ली। कहा गया कि इस समूह को मुख्य रूप से पाकिस्तानी तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सदस्यों ने बनाया है। प्रतिबंधित टीटीपी के निशाने पर अक्सर पाकिस्तानी सैनिक और पुलिसकर्मी रहे हैं। इस हमले के बाद पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने जवाबी कार्रवाई करने का एलान किया। बीते दो तीन वर्षों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते काफी बिगड़ गए हैं।

पाकिस्तान ने सेना में शामिल दो अफगानी अफसरों को निकाला

पाकिस्तान ने खुलासा किया कि सेना में दो ऑफिसर रैंक के अफगान नागरिक थे। इन्हें निकाल दिया गया है। ये अफसर अवैध अप्रवासियों के खिलाफ पाक के अभियान में शामिल थे। संघर्ष को लेकर अमेरिका ने नसीहत दी है कि, पाक धैर्य दिखाए। अफगानिस्तान भी अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकी हमलों में करने से रोके।

बात न बनी तो तोपों से हमला करेगा पाकिस्तान

पाकिस्तानी सेना अभी कूटनीति से मामला निपटा रही है। उसका कहना है कि या तो अफगानिस्तान सरकार आतंकी संगठन टीटीपी को खुद खत्म करे या हमें सौंप दे। इसके लिए राजनयिक प्रयास चल रहे हैं। यदि ये फेल होते हैं तो उसने उत्तरी वजीरिस्तान में कई तोपें तैनात कर रखी हैं। इन्हीं से जवाबी हमले की योजना है। पाक टीटीपी के आतंकी हाफिज गुल बहादुर की गिरफ्तारी चाहता है।

बलूचिस्तान प्रांत में कोयला खदान धंसी 12 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक कोयला खदान में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारी ने बताया कि ये विस्फोट काफी शक्तिशाली था। इसके कारण कोयला खदान धंस गई और 12 लोगों की जान चली गई।

अधिकारी के अनुसार, इस हादसे के बाद लगभग आठ लोगों को खदान से बचाया गया है। मीडिया के मुताबिक, यह घटना हरनाई जिले के जरदालो इलाके में हुई। अब्दुल गनी बलूच ने कहा कि दो शवों को रात में ही खदान से बरामद किया गया और बाकी 10 शवों को बुधवार सुबह निकाला गया है। मीडिया के अनुसार, बलूचिस्तान प्रांत के खनन महानिदेशक अब्दुल्ला शाहवानी ने भी मरने वालों की संख्या की पुष्टि की है।

घटना में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दुर्घटना में मारे गए लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज ने निर्देश दिया कि घायल लोगों को हर संभव इलाज उपलब्ध कराया जाए।

विदेश में भी चलती है मोदी की गारंटी : एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

● बोले -मोदी की गारंटी राजनीतिक दबाव के आगे झुकती नहीं

विदेश मंत्री एय जयशंकर ने कहा है कि देश के साथ विदेश में भी मोदी की गारंटी चलती है। लोगों को उन पर विश्वास है। देश में गौरव की भावना पहले से ज्यादा है और भरोसा भी बढ़ा है।

जयशंकर ने कहा, जब मैं बाहर (विदेश) जाता हूं और विदेशी नीतियां समझाता हूं, तो पता चलता है कि मोदी विदेश में भी उतना ही काम करने की गारंटी देते हैं जितना भारत में। मोदी की गारंटी विदेशों में भी उतनी चलती है जितनी की भारत में चलती है। निजी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- मोदी की गारंटी की वजह से ही ऑपरेशन गंगा, 'ऑपरेशन कावेरी' और ऑपरेशन अजय सफल हो पाए। वैक्सीन मैत्री के जरिए हमने दुनिया भर के 100 देशों को वैक्सीन दी। मोदी की गारंटी में राजनीतिक दबाव के आगे न झुककर पेट्रोल की कीमतें उचित बनाए रखना भी शामिल है। लोगों को अब भरोसा है कि पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी जरूरतें मुहैया कराई जाएंगी। जयशंकर ने कहा- मोदी की गारंटी की वजह से पिछले 75 सालों से चल रही विदेश नीति में कई तरह के बदलाव आए हैं। हमारा लक्ष्य आतंकवाद को इस तरह से रोकना है कि यह दोबारा न हो।

हालांकि यूक्रेन के संदर्भ में पश्चिमी देशों के हमारे साथ मतभेद हो सकते हैं। लेकिन हमारी विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य भारत के हितों की रक्षा करना है और यह जरूरी नहीं कि हम अन्य देशों के साथ सहमत हों और उनके हितों की रक्षा करें। जयशंकर ने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा- आज पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते बहुत ही औपचारिक स्तर पर हैं। बातचीत बहुत ही कम है। ऐसा 2 कारणों से हुआ।

बारिश से बढ़ी ठंडक...

शिमला : हिमाचल में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर लगातार बना हुआ है। बुधवार को नारकंडा में ताजा हिमपात हुआ है। प्रदेश के मध्यम से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश से मौसम में ठंडक बनी हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान बिलासपुर, हमीरपुर और शिमला के ऊपरी क्षेत्रों में कहीं कहीं पर ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने देश के पूर्वी हिस्सों में तेज रफ्तार हवाएं, ओलावृष्टि के साथ मध्यम बारिश होने संभावना जताई है। भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार से 23 मार्च तक पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

अमेरिका में अवैध प्रवेश पर लगेगा अंकुश, आव्रजन कानून को मिली अनुमति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टेक्सास राज्य को तत्काल एक आव्रजन कानून लागू करने की अनुमति दे दी। इस फैसले से राज्य के अधिकारियों को देश में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोगों को गिरफ्तार और हिरासत में लेने का अधिकार मिल गया है। वहीं, कई लोगों का कहना है कि यह कानून सही नहीं है।

दरअसल, संघीय अपील अदालत में कानून के लिए कानूनी चुनौतियां चल रही हैं, लेकिन एससी के निर्णय से आव्रजन नीति पर बाइडन प्रशासन से जूझ रहे टेक्सास को एक महत्वपूर्ण जीत मिली है। इस आदेश ने अदालत द्वारा लगाए गए अनिश्चितकालीन रोक को भी हटा दिया, जो कानून को प्रभावी होने से रोक रहा था। बता दें कि दिसंबर में रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट द्वारा हस्ताक्षरित सीनेट बिल 4, टेक्सास में अवैध रूप से प्रवेश को अपराधिक बताता है और न्यायाधीशों को आप्रवासियों को निर्वासित करने का आदेश देने की अनुमति देता है।

महिला सशक्तिकरण से 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्रः रूचिरा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

● संयुक्त राष्ट्र में बोलीं रुचिरा कंबोज, भारत में महिलाओं के लिए अहम कदम उठाए जा रहे

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बताया कि देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से समाज में लैंगिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। दरअसल भारतीय मिशन ने संयुक्त राष्ट्र में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। कंबोज ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण से ही 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

कार्यक्रम के दौरान भारत की यूएन में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिलाओं के लिए एक बहुमुखी रणनीति तैयार की जा रही है, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से लैंगिक न्याय, समानता और भारत के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित है। बता दें, संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर 68वीं वार्षिक बैठक आयोजित हुई। यह बैठक 11 मार्च से शुरू हुई है, 22 मार्च तक चलेगी। इसी बैठक के दौरान भारतीय मिशन ने भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता से भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

पाकिस्तान के आम चुनाव में मानवाधिकारों को कुचला

वाशिंगटन, एजेंसी

● धांधली के आरोपों को लेकर अमेरिका बोला- विस्तृत जांच हो

अमेरिका ने पाकिस्तान आम चुनाव में हुई कथित धांधली की बात को माना है और इसे लेकर चिंता जाहिर की है। अमेरिका ने पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने और आतंकवाद से निपटने में मदद देने का भी आश्वासन दिया।

दरअसल अमेरिका के राजनयिक और पाकिस्तान मामलों के जानकार डोनाल्ड लू ने पाकिस्तान चुनाव में हुई कथित धांधली को लेकर अपनी लिखित गवाही संसद की समिति के पास भेजी थी, जिसे अब सार्वजनिक किया गया है। डोनाल्ड लू ने अपनी गवाही में कई मुद्दों पर चिंता जाहिर की और दोनों देशों के भविष्य को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अमेरिका का विदेश विभाग पाकिस्तान में हुई चुनावी हिंसा, मानवाधिकारों पर प्रतिबंध, आजादी, मीडिया पर हमले और कम्युनिकेशन सेवाओं पर प्रतिबंधों की निंदा करता है। चुनावी प्रक्रिया में कथित धांधली पर भी चिंता जाहिर की गई और कहा कि आरोपों की विस्तृत जांच होनी चाहिए। लू ने कहा कि पुलिस, नेताओं और जनसभाओं के दौरान हमले हुए। कई पत्रकारों, खासकर महिला पत्रकारों का उत्पीड़न किया गया। चुनाव के दिन अंतर्राष्ट्रीय मॉनिटरिंग टीम को भी वोटों की गणना की समीक्षा नहीं करने दी गई। मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को बंद किया गया।

विज्ञान मिशिगन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एसएन 1987ए दुर्लभ सुपरनोवा नाम दिया

मोतियों की माला में घिरा नजर आया सुपरनोवा

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार: ब्रह्मांड में एक रहस्यमयी सुपरनोवा मोती की माला में सुसज्जित नजर आ रहा है। इस दुर्लभ सुपरनोवा का नाम एसएन 1987ए है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह एक विशाल तारे के विस्फोट के अवशेषों को खुद मे समेट रहा है। यह घटना पृथ्वी से लगभग 160,000 प्रकाश वर्ष दूर है। जिसमें एक विशाल तारा (सुपरनोवा) टूटकर बिखर रहा है और टूटे हुए तारे की सामग्री से घिर रहा है। यह सुपरनोवा एक आकाशगंगा के उप आकाशगंगा में स्थित है। वैज्ञानिक इस घटना को लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड या एलएमसी नाम से पुकारते हैं। एसएन 1987ए के बारे में विशेष रूप से उल्लेखनीय तथ्य यह सामने आया है कि यह चमकते हाइड्रोजन प्लाज्मा के गुच्छों से घिरा हुआ है । यह एक ऐसी संरचना है, जो खगोल भौतिकी में एक लंबे समय तक चलने वाली रहस्यमय प्रक्रिया है। जिसका अभी कोई सटीक जानकारी नही मिल पाई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुपरनोवा अवशेष के आभूषण के रहस्य को पूरी तरह से समझने के लिये समय लगेगा।

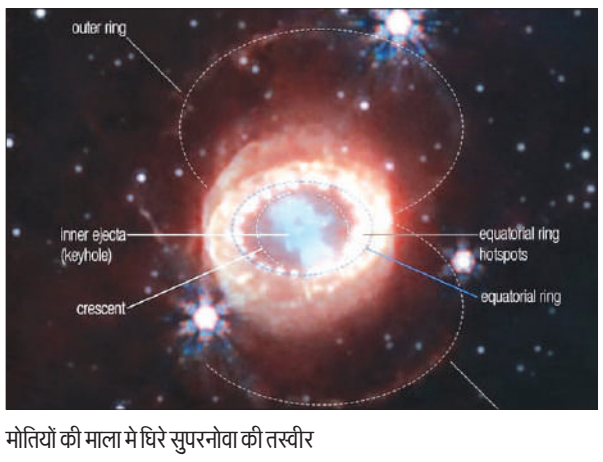

मोतियों की माला मे घिरे सुपरनोवा की तस्वीर

आंखों से भी देखा जा सकता है सुपरनोवा

इस सुपरनोवा को नग्न आंखों से देखा जा सकता है। यह सुपरनोवा अविश्वसनीय रूप से दुर्लभ खगोलीय घटना है। इस घटना से सितारों के विकास और अंतत: मृत्यु के बारे में हमारी समझ में कुछ अधिक वृद्धि हो सकती है। बहरहाल इस तरह की घटनाओं को लेकर नई समझ पैदा होगी। साथ ही खोज को नई दिशा मिलेगी।

मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता वैज्ञानिकों के अनुसार मोतियों की माला की संरचना अद्भुत है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए इस सुपरनोवा मलबे की खोज हुई है। जिसके समीप एक छिपा हुआ न्यूट्रॉन तारा है।

दुनिया के सिख समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध भारत

वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिका के प्रतिष्ठित सिख नेता ने गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और जयशंकर की मुलाकात

अमेरिका के एक प्रतिष्ठित सिख नेता ने बताया कि भारत सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत दुनियाभर में समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका के सिख संगठन के जस्सी सिंह हाल ही में भारत का दौरा करके लौटे हैं। एक सिख प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की।

जस्सी सिंह ने बताया कि भारत के इन वरिष्ठ नेताओं के साथ उन्होंने बात की कि कैसे सिख समुदाय भारत की मदद कर सकता है और देश के विकास का हिस्सा बन सकता है। उन्होंने कहा, "हमें बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार दुनिया भर के सिख समुदाय की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

जस्सी सिंह ने आगे कहा, बैठक में हमने पंजाब में विकास को लेकर चर्चा की। पंजाब को अलगाववादी आंदोलन के दौरान बहुत नुकसान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने अमेरिका और कनाडा के एक वर्ग का खंडन किया जिन्होंने आरोप लगाया कि भारत में उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। इस पर उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है। अन्य समुदाय की तरह सिखों का भी अपना मुद्दा है। भारत में अन्य नागरिकों की तरह सिखों को भी समान अधिकार प्राप्त है।